@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 3 फरवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 84 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रेसवार्ता में फूट-फूटकर रोये सांसद

अयोध्या, 2 फरवरी। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के एक गांव में दुष्कर्म के बाद युवती की हत्या के मामले में सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने रविवार को प्रेस वार्ता की इस दौरान घटना की निंदा करते हुए वह फूट-फूट कर रोने लगे। उन्होंने कहा कि यह घटना निर्भया कांड से भी ज्यादा वीभत्स है। सरकार सिर्फ ढिंढोरा पीट रही है। कानून व्यवस्था बद से बदतर हो गई है। लोकसभा की कार्यवाही होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने भी इस मुद्दे को उठाया जाएगा।

दोषियों पर कार्रवाई ना हुई तो वह स्वयं लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे। किसी कीमत पर आरोपियों को सजा दिलाई बगैर वह नहीं मानेंगे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय पुलिस व प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाए। प्रेस वार्ता में पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे, जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव आदि मौजूद रहे। बता दें कि अवधेश प्रसाद पहले भी प्रदेश में कानून व्यवस्था खराब होने का आरोप लगाकर योगी सरकार को घेरते रहे हैं। रविवार को उन्होंने दुष्कर्म के मामले को उठाया और मीडिया के सामने रोने लगे। उन्होंने कहा इस्तीफे की चेतावनी दी। बता दें कि अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में सपा ने उनके बेटे अजीत प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, भाजपा ने चंद्रभानु पासवान को प्रत्याशी घोषित किया है। उन्होंने दुष्कर्म कांड पर कार्रवाई की मांग की और दोषियों को फांसी देने की बात कही। वहीं, रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मिल्कीपुर में जनसभा को संबोधित किया और कहा कि सपा हमेशा ही अपराधियों को संरक्षण देती है। उन्होंने कहा कि यह सपा की सरकार ही थी जहां गुंडे खुलेआम वसूली करते थे और बेटियां सुरक्षित नहीं रहती थीं। मिल्कीपुर में पांच फरवरी को मतदान होगा और आठ फरवरी को परिणाम की घोषणा की जाएगी। सीएम योगी भी कानून व्यवस्था के मुद्दे पर ही सपा को घेरते रहे हैं।

भारत-इंडोनेशिया के रिश्ते हजारों साल पुराने: पीएम

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 2 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और इंडोनेशिया के बीच रिश्ते सिर्फ भू-राजनीतिक नहीं हैं, बल्कि हजारों साल पुरानी साझा संस्कृति और इतिहास पर आधारित हैं और दोनों देशों में विविधता में एकता की परंपरा है। पीएम मोदी ने यह टिप्पणी इंडोनेशिया के जकार्ता में श्री सनातन धर्म आलयम के महाकुंभभिषेकम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए की। इस मौके पर उन्होंने कहा, यह मेरे लिए खुशी की बात है कि मैं जकार्ता में मुरुगन मंदिर के महाकुंभभिषेकम का हिस्सा बना हूं। मैं जकार्ता से दूर हूं, लेकिन मेरा मन इसके करीब है, जैसे भारत और इंडोनेशिया एक-दूसरे के करीब हैं...मैं महाकुंभभिषेकम के अवसर पर वहां के सभी लोगों को शुभकामनाएं देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले ही राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत से 140 करोड़ भारतीयों का प्यार लेकर गए थे। उन्होंने कहा कि अपने राष्ट्रपति के माध्यम से इंडोनेशिया के लोगों को हर भारतीय की शुभकामनाओं का अनुभव हो रहा होगा। उन्होंने कहा, भारत और

इंडोनेशिया का संबंध विरासत का है, विज्ञान का है, आस्था का है। हमारा संबंध साझा आस्था का है, अध्यात्म का है। हम भगवान मुरुगन और भगवान श्री राम से भी जुड़े हैं और हम भगवान बुद्ध से भी जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत से इंडोनेशिया जाने वाला व्यक्ति जब प्रम्बानन मंदिर में हाथ जोड़ता है, तो उसे काशी और केदार जैसा ही आध्यात्मिक अनुभव होता है। पीएम मोदी ने कहा कि जब भारत के लोग काकाविन और सेरत रामायण के बारे में सुनते हैं, तो उन्हें वाल्मीकि रामायण, कम्ब रामायण और रामचरित मानस जैसी ही अनुभूति होती है। पीएम मोदी ने आगे कहा, अब भारत में इंडोनेशिया की रामलीला का मंचन अयोध्या में भी होता है। इसी तरह, जब हम बाली में ओम स्वस्ति-अस्तु सुनते हैं, तो हमें भारत के वैदिक विद्वानों द्वारा किया गया स्वस्ति वाचन याद आता है। आपके बोरोबुदुर स्तूप में हमें भगवान बुद्ध की वही शिक्षाएं देखने को मिलती हैं, जो हमें भारत में सारनाथ और बोधगया में देखने को मिलती हैं। हमारे राज्य ओडिशा में आज भी बाली यात्रा मनाई जाती है। यह त्योहार उन प्राचीन समुद्री यात्राओं से जुड़ा है, जो कभी भारत और इंडोनेशिया को व्यापार और संस्कृति से जोड़ती थीं। आज भी जब भारत के लोग हवाई यात्रा के लिए गरुड़ इंडोनेशिया में सवार होते हैं, तो उन्हें हमारी साझा संस्कृति की झलक मिलती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इंडोनेशिया के बीच संबंध कई मजबूत धागों से बुने हुए हैं।

हमला करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं की हो गिरफ्तारी: केजरीवाल

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 2 फरवरी। नई दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी (आप) कार्यकर्ताओं पर हमले को लेकर अरविंद केजरीवाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में केजरीवाल ने आप कार्यकर्ताओं पर हुए कई हमलों का जिक्र किया है। केजरीवाल ने चिट्ठी में मांग रखी है कि नई दिल्ली विधानसभा में स्वतंत्र पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाएं। चुनाव आयोग कार्यकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे। ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार पुलिसवालें तुरंत सस्पेंड किया जाए और हमला करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमले को लेकर अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर बड़े आरोप लगाए। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की आंधी चल रही है और इस आंधी में

भाजपा बुरी तरह से हार रही है। अपनी हार सामने देख अमित शाह और बीजेपी बौखला गए हैं और इन्होंने दिल्ली में गुंडागर्दी मचा दी है। अमित शाह ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दे दिए हैं कि भाजपा के गुंडों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा। लोगों से अपील करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आप लोग दिल्ली में कहीं भी गुंडागर्दी होते हुए देखें, उसका आप लोग वीडियो बना लें लेकिन इस दौरान खुद को सुरक्षित रखें। इसके बाद आप लोग उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दें। अब पूरी दिल्ली भाजपा की गुंडागर्दी के खिलाफ एकजुट होगी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, जैसे-जैसे दिन बीतते जा रहे हैं, भाजपा की सीटें कम होती जा रही हैं और ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही है।

बिहार के बजाय जम्मू-कश्मीर के दर्द को समझने की थी जरूरत: तारिक हमीद कर्रा

जम्मू, 2 फरवरी। केंद्रीय बजट पर प्रदेश कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि बजट में जम्मू-कश्मीर को नजर अंदाज किया गया है। केंद्र ने बजट में राजनीतिक कारणों से बिहार और दिल्ली पर ज्यादा ध्यान दिया है।उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर बेरोजगारी में देश में दूसरे नंबर पर है। बड़ी संख्या में युवा अल्प वेतन पर काम कर रहे हैं और नौकरी के नियमितीकरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। युवाओं के प्रति विशेष ध्यान देने के लिए अधिक संवेदनशील होना चाहिए था। आयकर स्लैब में वेतनभोगी वर्ग के लिए लंबे समय से प्रतिक्षित मामूली राहत को छोड़कर, मध्य और गरीब वर्ग को कोई राहत नहीं है, जो दैनिक उपयोग की सभी वस्तुओं की अब तक की सबसे बड़ी मूल्य वृद्धि का सामना कर रहे हैं। मोदी सरकार सालाना दो करोड़ नौकरियां देने का वादा करके सत्ता में आई थी, लेकिन अब इस बात का कोई जिक्र नहीं है कि दस साल में कितनी नौकरियां दी गईं।

घिसे-पिटे रास्ते पर चल रहीं वित्त मंत्री: चिदंबरम

नई दिल्ली, 2 फरवरी। कांग्रेस ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नए विचारों के बिना पुराने घिसे-पिटे रास्ते पर चल रही हैं और इससे बाहर नहीं निकलने को तैयार नहीं हैं, जैसा कि उनकी सरकारों ने 1991 और 2004 में किया था। विपक्षी पार्टी ने कहा कि बजट से यह साफ है कि भाजपा कर चुकाने वाली मध्यवर्गीय जनता और बिहार के मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही है। पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, बजट में जो घोषणाएं की गई हैं, उनका मध्यवर्ग के 3.2 करोड़ करदाता और बिहार के 7.65 करोड़ मतदाता स्वागत कर सकते हैं, लेकिन शेष भारत के लिए वित्त मंत्री के पास सांत्वना भरे शब्दों के अलावा और कुछ नहीं था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सदस्यों की तालियों और भी बेहतर बना दिया। उन्होंने कहा कि इसमें कोई खुशी की बात नहीं है कि सरकार ने राजकोषीय घाटे को 4.9 फीसदी से घटाकर 4.8 फीसदी किया है। यह सुधार अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ी कीमत चुकाने पर हुआ है। चिदंबरम ने कहा, जो लोग हमारे यह कहने पर भरोसा नहीं थे कि अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है, मुझे उम्मीद है कि अब वे हम पर भरोसा करेंगे। जो लोग यह नहीं मानते थे कि सरकार की योजनाएं बनाने और उन्हे लागू करने की क्षमता कम हुई है, मुझे उम्मीद है कि अब वे हमारी बात पर भरोसा करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, 2025-26 के लिए पूंजीगत खर्ज को 1,02,661 करोड़ रुपये बढ़ाया गया है, लेकिन 2024-25 के अनुभव को देखते हुए मुझे सरकार की क्षमता पर शक है कि वह लक्ष्य को हासिल कर पाएगी।

बीरेन सिंह ने की हिमंत बिस्व सरमा की तारीफ

सौरभ शर्मा

इंफाल, 2 फरवरी। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार को अपने असम के समकक्ष हिमंत बिस्व सरमा की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरमा ने राज्य में अफीम की अवैध खेती और मादक पदार्थों के खिलाफ कड़े कदम उठाए हैं। सिंह ने कहा कि दोनों राज्य यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं कि युवा मादक पदार्थों की छाया से बचें और उनका भविष्य सुरक्षित हो। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने इंफाल पश्चिम जिले में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उहोंने कहा, मैं असम के मुख्यमंत्री की सराहना करता हूं। वह मादक पदार्थों के खिलाफ सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। हमें एक जुट होकर युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा। बाद में एक्स पर एक पोस्ट में मणिपुर के मुख्यमंत्री ने हिमंत बिस्व सरमा के अफीम की खेती के खिलाफ उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने लिखा, मैं अफीम की खेती से पैदा हुई समस्याओं का समाधान करने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा द्वारा उठाए गए निर्णायक कदमों की सराहना करता हूं। उन्होंने आगे कहा, हम एक साथ खड़े हैं और हम इस साझा लक्ष्य के लिए दृढ़ संकल्पित हैं कि पूर्वोत्तर के हर युवा को

मादक पदार्थों के साए से बचाया जाएगा और उसे आग बढ़ने का अवसर मिलेगा। वहीं, असम के मुख्यमंत्री सरमा ने रविवार को बताया कि जनवरी माह में असम के गोलपारा जिले में 170 बीघा (56 एकड़ से अधिक) अफीम की खेती नष्ट की गई, जिसकी कीमत 27 करोड़ रुपये से अधिक थी। सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रिय स्थानीय पाब्लो एस्कोबार्स (ड्रग माफिया), मुझे आपकी योजना को नाकाम करने के लिए माफ करें। गोलपारा पुलिस ने जनवरी में 170 बीघा अफीम की खेती नष्ट की, जिसकी कीमत 27.20 करोड़ रुपये थी। उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें एक ट्रैक्टर को पुलिसकर्मियों को अफीम की खेती को नष्ट करते हुए दिखाया गया। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने यह भी कहा कि राज्य में कई नदियों, झीलों और जल स्रोतों को उनके पारिस्थितिकी तंत्र और आसपास के पर्यावरण को बचाने के लिए फिर से जीवित किया जा रहा है। विश्व आर्द्रभूमि दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इन जल स्रोतों का सौंदर्यीकरण और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए फिर से विकसित किया जा रहा है। बीरेन सिंह ने कहा, हम आर्द्रभूमियों को संरक्षित और पुनर्जीवित कर रहे हैं। हमारी जीवनधारा प्रकृति पर निर्भर है। हम इसका ख्याल रख रहे हैं। इसके लिए हमने कई योजनाएं बनाई हैं और इन योजनाओं के लिए वित्तीय मदद के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया है। इसके अलावा कुछ योजनाएं राज्य सरकार ने शुरू की हैं।

सात बार का विधायक हूं, मेरी वरिष्ठता कौन छीन सकता है: अनिल विज

तेजिन्दर कौर बब्बर

रोहतक (हरियाणा), 2 फरवरी। प्रदेश के परिवहन मंत्री अनिल विज का कहना है कि मैं सात बार का विधायक हूं। मेरी वरिष्ठता कोई छीन नहीं सकता। मुख्यमंत्री बनने के लिए किसी को नहीं बोला, मंत्री पद छीनना चाहे तो ले लें। विधायकी कोई नहीं छीन सकता, क्योंकि जनता ने वोट देकर चुना हूं। विज रविवार को रोहतक एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। अनिल विज ने बजट पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बयान पर कहा कि हुड्डा को बजट पढ़ना नहीं आ रहा है। सरकार ने हर माह एक लाख रुपये की आय वालों का टैक्स माफ कर दिया। इसका काफी लोगों को फायदा होगा। यमुना की सफाई पर विज बोले, अरविंद केजरीवाल झूठों के सरदार हैं। वे झूठ का खेल खेलना चाहते हैं, लेकिन दिल्ली की जनता ऐसे लोगों को नहीं चुनेगी, जो भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में रहा। अभी अदालत ने क्लीनचिट नहीं दी, बल्कि जमानत पर बाहर आए हैं। दिल्ली की जनता भाजपा सरकार बनाएगी। प्रदेश में भाजपा की सरकार पर विज ने कहा कि, मैं चाहता हूं कि सरकार सही ढंग से काम करे। मुख्यमंत्री विधायकों, मंत्रियों व जनता की सुनें। 10 दिन पहले ही केबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने फोन करके मुझे कहा था कि

यमुनानगर के अधिकारी सुनवाई नहीं कर रहे। एक बार फोन कर दीजिए। अब उनकी सुनवाई होने लगी है तो अच्छी बात है। अफसरशाही के हावी होने के सवाल पर विज बोले, सब कुछ ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। अंबाला के डीसी के बदलने के सवाल पर विज ने कहा कि, मैंने खुले मंच से कहा था कि चुनाव में अफसरों ने मेरे खिलाफ काम किया है। अब 100 दिन बाद अधिकारियों को बदले या न बदलें, इसका कोई महत्व नहीं है। विज ने एक सवाल पर कहा कि उन्होंने कभी मुख्यमंत्री बनना नहीं चाहा, कभी मांग नहीं की और न ही किसी से कहूंगा। सात बार का विधायक हूं, कोई मेरी विधायकी नहीं छीन सकता। क्योंकि अंबाला कैंट की जनता ने वोट देकर बनाया हूं। मंत्री पद कोई छीनना चाहे तो छीन ले। मंत्री बनकर कोठी मैंने नहीं ली। केवल एक कार है। अब तो कार्यकर्ताओं ने कह दिया है कि अगर कार छीनी गई तो वे अपने पैसे से खरीद कर दे देंगे। अनिल विज ने कहा कि रोडवेज को नंबर वन बनाकर रहेंगे। 600 नई बस खरीदी जा रही हैं। ताकि बसों का बेड़ा बढ़ सके। हर बस में ट्रैकिंग सिस्टम लगाया जाएगा। यात्रियों व बस अड्डे के अधिकारियों को पता होगा कि कौन सी बस कहां पर है। साथ ही अंबाला, हिसार, करनाल व पानीपत सहित पांच अड्डों पर टूरिजम विभाग की तरफ से भोजन दिया जाएगा। बाद में पूरी व्यवस्था सभी अड्डों पर बनाई जाएगी।

क्या कांग्रेस में शामिल होंगे संजय राउत ?: नितेश राणे

मुंबई, 2 फरवरी। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा विधायक नितेश राणे ने शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने बताया कि संजय राउत कांग्रेस में शामिल होने के लिए दिल्ली में एक नेता से बातचीत कर रहे हैं। भाजपा विधायक ने कहा कि संजय राउत का राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो रहा है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के पास दूसरे कार्यकाल में उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त विधायक नहीं हैं। बता दें कि नवंबर में हुए चुनाव में 288 सदस्यीय विधानसभा में शिवसेना (यूबीटी) को केवल 20 सीटों पर ही जीत मिली। पत्रकारों से बात करते हुए नितेश राणे ने कहा, संजय राउत को सामना (शिवसेना-यूबीटी का मुखपत्र) में लिखना चाहिए कि वह शिवसेना (यूबीटी) में कितने समय तक टिके रहेंगे। उन्हें उस नेता के बारे में लिखना चाहिए जिनसे वे दिल्ली में कांग्रेस में शामिल होने के लिए बातचीत कर रहे हैं। उन्हें इस मुद्दे पर भी बयान देना चाहिए। भाजपा विधायक की टिप्पणी उस समय आई जब संजय राउत ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच तनाव राज्य की प्रगति में बाधा बन रहे हैं।

मौनी अमावस्या हादसे के जिम्मेदारों पर गिरेगी गाज: सीएम योगी

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 2 फरवरी। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर हादसे के जिम्मेदार और शिथिलता बरतने वाले अफसरों व कर्मचारियों पर गाज गिरनी तय है। इसमें ज्यादातर पुलिसकर्मियों के होने की बात कही जा रही है। सीएम योगी ने ऐसे लोगों को चिह्नित कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम ने आईसीसीसी में वसंत पंचमी स्नान पर्व की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने पर्व पर व्यवस्थाओं को जीरो एरर रखने के निर्देश दिए। कहा कि इस अवसर पर अखाड़ों की पारंपरिक शोभायात्रा धूमधाम से निकलेगी। इसकी तैयारियां समय से कर ली जाएं। संतगण, कल्पवासी, श्रद्धालु और पर्यटकों की सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर चूक की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि पार्किंग स्थल बढ़ाए जाएं। ऐसी व्यवस्था करें कि श्रद्धालुओं को कम से कम चलना पड़े। उन्होंने महत्वपूर्ण स्थलों पर एसपी लेवल के अधिकारियों को ट्रैफिक व्यवस्था की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कहीं भी जाम की स्थिति न बनने दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन सेक्टरों से ज्यादा शिकायतें आ रही हैं, वहां वरिष्ठ अधिकारी खुद जाएं। वरिष्ठ अधिकारियों को टीम के साथ ड्यूटी पर लगाएं। उनके लिए वहीं टेंट और खाने-पीने की व्यवस्था करें। कहीं भी भीड़ एक-दूसरे को क्रॉस करती नजर न आए। दो अधिकारी कंट्रोल रूम से निगरानी करें। बाकी सीमा, शहर और मेला क्षेत्र में व्यवस्था दुरुस्त करें। दो और तीन फरवरी हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होगी। प्रमुख स्नान पर्वों और उसके पहले व बाद में कोई वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं लागू होगा। सीएम ने कहा, वसंत पंचमी पर पूर्वी यूपी, बिहार और नेपाल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। इसे देखते हुए व्यवस्थाएं की जाएं। वहीं, उन्होंने झूंसी क्षेत्र के आसपास रहने वाले संदिग्ध लोगों के पुलिस सत्यापन पर भी जोर दिया। कहा कि अतिक्रमण भी दुर्घटना का कारण बनता है। ऐसे में स्ट्रीट वेंडर्स सड़क पर न दिखाई दें। मौनी अमावस्या हादसे के बाद पहली बार महाकुंभ पहुंचे सीएम योगी ने कहा

कि संतों के धैर्य के आगे सनातन विरोधी साजिश में विफल हो गए हैं। उन संतों का अभिनंदन करूंगा, जिन्होंने मौनी अमावस्या पर पूरा धैर्य दिखाया। कुछ पुण्यात्मा हादसे का शिकार हुईं, लेकिन उन परिस्थितियों में हमारे संत एक अभिभावक के रूप में नजर आए। शनिवार को सेक्टर 22 में संतोष दास सतुआ बाबा और स्वामी राम कमलाचार्य के पट्टाभिषेक में पहुंचे सीएम योगी ने कहा कि 19 दिनों में 32 करोड़ से अधिक श्रद्धालु डुबकी लगाकर पुण्य के भागीदार बने हैं। कुछ लोग गुमराह करके सनातन धर्म के हर मुद्दे पर षड्यंत्र करने से बाज नहीं आते हैं। राम जन्मभूमि से लेकर आज तक, उनका व्यवहार और चरित्र जग जाहिर है। ऐसे लोगों से सावधान होकर सनातन धर्म के आदर्शों और मूल्यों के साथ हमें आगे बढ़ना होगा। महाकुंभ नगर। जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि जब से योगी आदित्यनाथ यूपी की सत्ता में आए हैं, तब से सनातन का सूर्य पूरे विश्व को आलोकित कर रहा है। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य राम भद्राचार्य ने कहा कि अब राम कमलाचार्य से जगद्गुरु स्वामी राम कमलाचार्य और संतोष दास जगद्गुरु विष्णु स्वामी संतोष दास महाराज सतुआ बाबा होंगे।

मोदी सरकार का हर बजट चुनावी होता है: संजय राउत

मुंबई, 2 फरवरी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश किया। सत्ता पक्ष इस बजट की जमकर तारीफ कर रहा है। वहीं विपक्ष ने बजट को लेकर निराशा जाहिर की है। बजट की आलोचना के बीच शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा है कि मोदी सरकार का बजट चुनाव को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। उन्होंने बिहार के लिए हुईं कई घोषणाओं पर निशाना साधते हुए ये बात कही। संजय राउत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मोदी सरकार का हर बजट, चुनावी पैकेज होता है। इस बार बिहार में चुनाव है। इसलिए बजट में बिहार को सबसे ज्यादा राशि आवंटित की गई है। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। वित्त

मंत्री ने अपने बजट भाषण में कई बार बिहार का नाम लिया और बिहार के लिए कई अहम योजनाओं का भी एलान किया। इनमें बिहार में मखाना बोर्ड बनाना, ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाना, बिहटा में ब्राउनफील्ड एयरपोर्ट का निर्माण और पटना एयरपोर्ट के विस्तार जैसी योजनाएं शामिल हैं। साथ ही मिथिलांचल क्षेत्र में पश्चिमी कोसी नहर ईआरएम परियोजना का भी एलान किया गया है। केंद्र सरकार इस योजना के लिए वित्तीय सहायता देगी। इससे बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में 50 हजार हेक्टेयर से ज्यादा भूमि की सिंचाई की सुविधा मिलेगी और बड़ी संख्या में किसानों को लाभ मिलेगा। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर ने भी बजट की आलोचना की और आरोप लगाया कि बजट में पंजाब और किसानों की अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि राज्यों के नाम देखें, बिहार- जहां चुनाव होने वाले हैं। सिर्फ बिहार, बिहार और बिहार। पंजाब का कोई जिक्र नहीं हुआ। किसान पिछले चार वर्षों से एमएसपी की गारंटी की मांग को लेकर विरोध पर बैठे हैं, लेकिन बजट में किसानों के लिए कोई घोषणा नहीं हुई। यह किसान विरोधी बजट है। अपने अधिकार के लिए लड़ रहे किसानों की बात नहीं सुनी गई। यह दुखद है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी केंद्र सरकार पर बजट में अन्य राज्यों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

सोमालिया में आईएसआईएस के ठिकानों पर अमेरिकी एयर स्ट्राइक, ट्रम्प का संदेश-हम तुम्हें ढूंढ़- ढूंढ़कर मारेंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आदेश पर अमेरिकी सेना ने सोमालिया में इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) आतंकियों के खिलाफ एयरस्ट्राइक की। इसमें कई आईएसआईएस आतंकियों की मौत हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि आईएसआईएस सहित उन सभी के लिए संदेश साफ है जो अमेरिकियों पर हमला करते हैं- हम तुम्हें ढूंढ़-ढूंढ़ कर मार गिराएंगे। अमेरिका की यह एयर स्ट्राइक सोमालिया के गोलिस पर्वत इलाके में की गई। यूएस डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने एयर स्ट्राइक में कई आईएसआईएस आतंकियों की मौत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प के निर्देश पर अमेरिकी सेना की अफ्रीका कमान द्वारा किए गए एयरस्ट्राइक के लिए सोमालिया की सरकार के साथ समन्वय किया गया था। एयर स्ट्राइक को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने एक्स संदेश में कहा है कि क्बआज सुबह मैंने अमेरिकी सेना को हवाई हमले का आदेश दिया जिसमें आईएसआईएस के सीनियर अटैक प्लानर और उसके सहयोगी आतंकी मारे गए जो। गुफाओं में छिपे ये आतंकी अमेरिका के लिए खतरा थे इसलिए एयर स्ट्राइक में गुफाओं को नष्ट करते हुए कई आतंकियों को मार गिराया गया। इस हमले में सामान्य नागरिकों को कोई नुकसान नहीं हुआ।'

वेनेजुएला ने 6 अमेरिकियों को किया रिहा, ट्रंप के दूत की मादुरो से मुलाकात के बाद आया बड़ा फैसला

कारकास (वेनेजुएला)। वेनेजुएला की सरकार ने हाल ही में हिरासत में लिए गए छह अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया है। यह कदम उस महत्वपूर्ण बैठक के बाद आया, जिसमें वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत रिचर्ड ग्रेनेल ने भाग लिया था। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक अमेरिका द्वारा अनुरोध की गई थी और इसमें वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए अमेरिकियों की रिहाई और दोनों देशों के बीच अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के बाद ग्रेनेल ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा करते हुए घोषणा की कि वे छह अमेरिकी नागरिकों के साथ स्वदेश लौट रहे हैं। रिहा किए गए नागरिकों ने ट्रंप से फोन पर बात कर उनका आभार व्यक्त किया। इस घटनाक्रम को कूटनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह वेनेजुएला में हालिया चुनावों और अमेरिका की आधिकारिक स्थिति के बीच हुआ है। मादुरो के तीसरे कार्यकाल की शपथ ग्रहण के कुछ ही सप्ताह बाद यह मुलाकात हुई, जिसमें चुनावी विवाद भी चर्चा का विषय रहा। हालांकि अमेरिका ने मादुरो की जीत को मान्यता नहीं दी है, लेकिन इस बैठक ने दोनों देशों के बीच संवाद के नए रास्ते खोल दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बैठक वेनेजुएला और अमेरिका के बीच तनाव को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

भारत के आम बजट में पड़ोसी देशों सहित विकासशील देशों के लिए 5483 करोड़ रुपये अनुदान की घोषणा

काठमांडू। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में वर्ष 2025-26 के लिए जो देश का आम बजट पेश किया है, उसमें पड़ोसी देशों, अफ्रीकी देशों, लैटिन अमेरिकी सहित कई विकासशील देशों के लिए 5483 करोड़ रुपये अनुदान रकम की घोषणा की है। संसद में प्रस्तुत बजट में भारत सरकार की तरफ से प्रस्तावित अनुदान रकम में सबसे अधिक भूटान को सहयोग की घोषणा की गई है। जबकि नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश के बजट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा पेश किए गए आम बजट में पड़ोसी देशों के लिए जो अनुदान रकम की घोषणा की गई है उसका ब्यौरा विदेश मंत्रालय ने जारी किया है। इसके मुताबिक भूटान को 2150 करोड़ रुपये के आर्थिक अनुदान की घोषणा की गई है। इसी तरह नेपाल को आगामी आर्थिक वर्ष में 700 करोड़ रुपये, बांग्लादेश को 120 करोड़ रुपये, अफगानिस्तान को 100 करोड़ रुपये, श्रीलंका को 300 करोड़ रुपये, मालदीव्स को 600 करोड़ रुपये और म्यांमार को 350 करोड़ रुपये आर्थिक अनुदान देने का प्रस्ताव रखा गया है। भारत की तरफ से विदेशों को दी जाने वाली रकम सबसे अधिक है।

हमास ने तीन और इजराइली बंधक छोड़े

गाजा पट्टी। कुख्यात आतंकवादी समूह हमास और इजराइल के बीच हुए संघर्ष विराम और बंधक रिहाई समझौते के अच्छे परिणाम सामने आने लगे हैं। हमास ने सात अक्टूबर, 2023 को अपहृत किए गए तीन और इजराइली बंधकों को आज रिहा कर दिया। इसके बाद तीनों 484 दिन बाद स्वदेश लौट गए। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, 54 वर्षीय ओफर काल्डेरन और 35 वर्षीय यार्डन बिबास को सुबह दक्षिण गाजा के खान यूनिस में अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस के पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में रिहा किया गया। करीब दो घंटे बाद 65 वर्षीय कीथ सीगल को गाजा सिटी बंदरगाह पर इजराइल को सौंप दिया गया। इससे पहले हमास ने गुरुवार को तीन इजराइली और पांच थाई नागरिकों को रिहा किया था।

सूडान के ओमडुरमैन बाजार में अर्धसैनिक बलों के हमले में 54 लोगों की मौत, 158 घायल : मंत्रालय

एजेंसी

खार्तूम। सूडान की राजधानी ख़ार्तूम के उत्तर में स्थित ओमडुरमैन शहर में अर्धसैनिक बल रेपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि सबरीन बाजार में हुए इस हमले में 158 लोग घायल भी हुए हैं। मंत्रालय ने आम नागरिकों पर किए गए इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय नियमों और कानूनों का उल्लंघन है। सूडान के सूचना मंत्री और सरकारी प्रवक्ता खालिद अली अलीसिर ने भी इस हमले की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह हमला नागरिकों के लिए विनाशकारी रहा और इससे व्यक्तिगत व सार्वजनिक संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। ओमडुरमैन के अल-नाओ अस्पताल के एक डॉक्टर ने सिन्हुआ को बताया कि स्थिति बेहद गंभीर है। अस्पताल को रक्त दानदाताओं और दवाओं की सख्त जरूरत है।

ओमडुरमैन में एक सिन्हुआ के रिपोर्टर के अनुसार, इस गोलाबारी में बाजार के पास के रिहायशी इलाके भी प्रभावित हुए। हालांकि, आरएसएफ की ओर से अब तक इस हमले पर कोई बयान नहीं आया है। सूडानी सेना (एसएएफ) का कहना है कि आरएसएफ, ख़ार्तूम राज्य के बहरी शहर से करारी इलाके पर लगातार हमले कर रही है। यह ओमडुरमैन का एकमात्र इलाका है जो अभी भी पूरी तरह सेना के नियंत्रण में है और घनी आबादी वाला है। खार्तूम में हाल ही में एसएएफ और आरएसएफ के बीच सैन्य टकराव तेज हो गया है।गौरतलब है कि सूडान में अप्रैल 2023 से ही सेना (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच भीषण संघर्ष जारी है। इस संघर्ष में अब तक 29,683 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 1.5 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं।

ट्रंप का बड़ा फैसला : कनाडा, मेक्सिको और चीन पर टैरिफ़ लगाने का आदेश

एजेंसी

न्यूयार्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मेक्सिको से आयात होने वाली वस्तुओं पर 25फीसदी और चीन पर 10फीसदी टैरिफ़ लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। ट्रंप ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत उठाया गया है। ट्रूथ सोशल पर अपनी पोस्ट में ट्रंप ने इस टैरिफ़ की वजह बताते हुए कहा कि अमेरिका में अवैध आप्रवासियों और फेंटेनाइल जैसी घातक दवाओं की बढ़ती तस्करी को रोकना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने लिखा, 'हमारे नागरिकों के लिए अवैध विदेशियों का खतरा बढ़ रहा है। फेंटेनाइल जैसी घातक दवाएं हमारे लोगों की जान ले रही हैं। ट्रंप ने साफ किया कि यह फैसला अमेरिका की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति के तौर पर मेरी प्राथमिक जिम्मेदारी अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। चुनाव प्रचार के दौरान मैंने अवैध आप्रवासियों और नशीली दवाओं के प्रवाह को रोकने का वादा किया था, और अमेरिकी जनता ने इसे लेकर मेरे पक्ष में भारी मतदान किया था। व्यापार जगत की चिंता : विशेषज्ञों का मानना है कि इस टैरिफ़ से अमेरिका के व्यापारिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं। चीन की प्रतिक्रिया- चीन पहले ही अमेरिकी टैरिफ़ नीति की आलोचना करता रहा है। इस फैसले से दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध और तेज़ हो सकता है। कनाडा-मेक्सिको की रणनीति: दोनों पड़ोसी देश भी अमेरिका के इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देने की तैयारी में हैं। इस नए टैरिफ़ का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार पर किस तरह पड़ता है, यह आने वाले दिनों में साफ़ होगा। लेकिन एक बात तय है–ट्रंप अपने चुनावी वादों को लेकर आक्रामक नीति अपनाने के मूड में हैं।

सोमालिया की गुफाओं में छिपे आतंकी अमेरिकी हवाई हमलों में ढेर : डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने सोमालिया में आईएसआईएस के ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए। यह जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर दी। डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार सुबह आईएसआईएस के वरिष्ठ हमलावर और उसके द्वारा सोमालिया में भर्ती किए गए आतंकवादियों पर सैन्य हमले का आदेश दिया। ये आतंकवादी गुफाओं में छिपे हुए थे, लेकिन अमेरिकी सेना ने उन पर सटीक हमला किया। ट्रंप ने कहा कि ये आतंकवादी अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए खतरा थे।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर अपने पोस्ट में कहा, आज (शनिवार) सुबह मैंने वरिष्ठ आईएसआईएस हमले के योजनाकार और अन्य आतंकवादियों पर सैन्य हवाई हमलों का आदेश दिया, जिन्हें उसने सोमालिया में भर्ती किया और नेतृत्व किया। ये हत्यारे, जिन्हें हमने गुफाओं में छिपे हुए पाया, संयुक्त राज्य अमेरिका और हमारे सहयोगियों के लिए खतरा थे। हमलों ने उन गुफाओं को नष्ट कर दिया, जिनमें वे रहते हैं, और बिना किसी तरह से नागरिकों को नुकसान पहुंचाए कई आतंकवादियों को मार डाला। उन्होंने आगे कहा, हमारी सेना ने वर्षों से इस आईएसआईएस हमले के योजनाकार को निशाना बनाया है, लेकिन बाइडेन और उनके साथी काम को पूरा करने के लिए पर्याप्त तेजी से कार्रवाई नहीं कर पाए। यह काम मैंने कर के दिखाया! आईएसआईएस और अमेरिकियों पर हमला करने वाले सभी अन्य लोगों के लिए संदेश यह है

कि हम तुम्हें ढूंढ लेंगे, और हम तुम्हें मार देंगे!

बता दें ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद से मध्य पूर्व से लेकर सोमालिया तक आतंकवाद और स्टेट फंडेड लड़ाकू गुटों के खिलाफ काफी आक्रामक रवैया दिखा रहे हैं। हाल ही में सीरिया से अमेरिकी सैनिकों की वापसी की तैयारी शुरू हो चुकी है। इस बीच, इजरायल के रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा है कि उनकी सेना सीरिया में अनिश्चित काल तक रहेगी।

विमान दुर्घटना के मृतकों में 3 के पास रूसी पासपोर्ट बरामद, जांच जारी

एजेंसी

मॉस्को । अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में हुए विमान हादसे में 3 रूसी नागरिकों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। रूसी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इस बारे में बयान जारी किया। यह दुर्घटना तब हुई जब एक अमेरिकी यात्री विमान अमेरिकी सेना के ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर से हवा में टकरा गया। हादसे के बाद विमान पोटोमैक नदी में गिर गया, जिसमें कुल 67 लोगों की मौत हो गई। अमेरिकन ईगल फ्लाइट 5342 में 60 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे, जबकि ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर में तीन अमेरिकी सैनिक थे। यह दुर्घटना 2001 के बाद से अमेरिका की सबसे भीषण हवाई दुर्घटनाओं में से एक मानी जा रही है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि यह हादसा बहुत दुखद है, और रूस पीड़ितों के परिवारों व अमेरिका के लोगों के प्रति संवेदना प्रकट करता है। उन्होंने बताया कि विमान में रूस के तीन नागरिक थे, जिनमें फिगर स्केटिंग के विश्व

चैंपियन इवगेनिया शिश्कोवा और वादिम नौमोव शामिल थे। इनके अलावा, सोवियत फिगर स्केटर इना वोल्यांस्काया भी इस विमान में सवार थीं, जो अमेरिका में कोचिंग कर रही थीं। इनके साथ उड़ान भर रहे कुछ अमेरिकी एथलीट भी हादसे का शिकार हुए। जखारोवा ने कहा कि अमेरिकी पक्ष के अनुसार, इस दुर्घटना में कोई भी यात्री जीवित नहीं बचा।

जखारोवा ने कहा, जैसा कि अमेरिकी पक्ष ने कहा है, इस विमान दुर्घटना में कोई भी जीवित नहीं बचा है। हमारे दूतावास से मिली जानकारी के अनुसार, इस विमान दुर्घटना के तीन पीड़ितों के पास रूसी पासपोर्ट हैं। एक अन्य व्यक्ति (चौथे) के संबंध में, यह समझा जाता है कि उसके पास रूसी पासपोर्ट हो सकता है - इस जानकारी की वर्तमान में जांच की जा रही है, रूसी दूतावास ने पुष्टि की कि तीन पीड़ितों के पास रूसी पासपोर्ट थे, जबकि चौथे व्यक्ति की पहचान की जांच जारी है। दूतावास इस मामले में अमेरिकी अधिकारियों के संपर्क में है और हर संभव जानकारी जुटा रहा है। अमेरिकी परिवहन सचिव सीन डफी ने बताया कि दोनों विमानों के उड़ान मार्ग इस क्षेत्र के लिए सामान्य थे। हेलीकॉप्टर और यात्री विमान, दोनों ही मानक उड़ान पथ पर उड़ान भर रहे थे।

लेबनान को हमारा अटूट समर्थन, मिस्र और ईरान का ऐलान

एजेंसी

बेरूत । मिस्र और ईरान ने कई क्षेत्रों में लेबनान का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, देश को इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष से उबरने में सहायता देने का वादा किया।

मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलट्टी न लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन से मुलाकात के दौरान उन्हें मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी का संदेश दिया। यह जानकारी सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने दी। इस मैसेज में मिस्र ने लेबनान के साथ अपनी एकजुटता जाहिर की और यह भी कहा कि वह लेबनान के प्रमुख क्षेत्रों, जैसे बिजली और गैस के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए तैयार है।लेबनानी राष्ट्रपति की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, अब्देलट्टी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मिस्र की कंपनियां लेबनान के पुनर्निर्माण में भाग लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने लेबनान की स्थिरता के लिए मिस्र के अटूट समर्थन, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 के कार्यान्वयन और कब्जे वाले लेबनानी क्षेत्रों से इजरायल की बिना शर्त वापसी पर भी जोर दिया।

अब्देलट्टी ने लेबनानी सेना का समर्थन करने और लेबनान के दक्षिणी क्षेत्र और पश्चिमी बेका क्षेत्र में विस्थापित निवासियों की उनके घरों में वापसी की सुविधा प्रदान करने के लिए मिस्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। मिस्र के विदेश मंत्री ने आश्वासन दिया कि मिस्र लेबनान की संप्रभुता को बनाए रखने और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए राजनयिक प्रयासों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। औन ने इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच विस्तारित संघर्ष विराम समझौते के तहत 18 फरवरी की समय सीमा तक कब्जे वाले क्षेत्रों से इजराइल की वापसी पर लेबनान के आग्रह को दोहराया। उन्होंने इस प्रक्रिया में देरी करने के किसी भी प्रयास को खारिज कर दिया और साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अरब एकता का भी आह्वान किया।

लेबनान की आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार, बेरूत की एक यात्रा के दौरान, ईरान के वाणिज्य दूतावास और संसदीय मामलों के उप विदेश मंत्री वाहिद जलालज़ादेह ने सीरियाई शरणार्थियों के लिए मानवीय सहायता सहित विभिन्न क्षेत्रों में लेबनान का समर्थन करने के लिए अपने देश की प्रतिबद्धता को दोहराया। अपने लेबनानी समकक्ष अब्दुल्ला बौ हबीब के साथ बैठक के बाद, जलालजादेह ने कहा, ÷हमने लेबनानी अधिकारियों के साथ सीरियाई शरणार्थियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की, जिन्हें अपने देश से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। हमने उन्हें आवश्यक देखभाल और मदद देने के लिए घनिष्ठ और रचनात्मक सहयोग का आह्वान किया है। जलालजादेह ने लेबनान के लिए ईरान के अटूट समर्थन की पुष्टि करते हुए कहा, ईरान सभी परिस्थितियों में लेबनान के साथ खड़ा रहा है। हम इस मानवीय मामले में सहायता देने के लिए भी पूरी तरह तैयार हैं। ईरानी अधिकारी ने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि ईरान लेबनान के मुख्य हवाई अड्डे के माध्यम से हिज़्बुल्लाह को धन भेज रहा है, उन्होंने कहा, लेबनान में ईरानी नागरिक सभी स्थानीय कानूनों और विनियमों का पालन करते हैं।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स ने बनाया स्पेसवॉक का रिकॉर्ड

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा कि अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से 5 घंटे से ज्यादा समय का स्पेसवॉक किया। सुनीता विलियम्स की यह नौवीं और विल्मोर की पांचवीं अंतरिक्ष यात्रा थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुनीता विलियम्स के नाम अब 62 घंटे, 6 मिनट की स्पेसवॉक करने का रिकॉर्ड दर्ज है, जो नासा की सर्वकालिक सूची में चौथे नंबर पर है। एक्स पर कहा, नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन के 60 घंटे और 21 मिनट के अंतरिक्ष में चहलकदमी के कुल समय को पार कर लिया। दोनों ने आईएसएसएस के बाहर जाकर खराब हो चुके रेडियो संचार हार्डवेयर को हटाया और नमूने एकत्र किए, जिनसे यह पता चल सके कि परिक्रमा कर रही प्रयोगशाला के बाहरी भाग में सूक्ष्मजीव मौजूद हैं या नहीं। अंतरिक्ष में चहलकदमी 5 घंटे और 26 मिनट तक चली। विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर, जो जून 2024 से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर फंसे हुए हैं। दोनों जून बोइंग के स्टारलाइनर पर सवार होकर आईएसएस के लिए आठ दिवसीय मिशन पर गए थे। हालांकि, तकनीकी समस्याओं के चलते स्टारलाइनर उनकी वापसी के लिए असुरक्षित था। इससे पहले नासा ने बुधवार को कहा कि वह अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क की स्पेसएक्स के साथ मिलकर दो अंतरिक्ष यात्रियों (विलियम्स और विल्मोर) को सुरक्षित वापस लाने के लिए काम कर रहा है। मस्क ने विवादास्पद रूप से बिडेन प्रशासन पर उन्हें अंतरिक्ष में इतने लंबे समय तक छोड़ने का आरोप लगाया था।

लेबनान में इजरायली हवाई हमलों में दो की मौत, 10 घायल

एजेंसी

बेरूत । अनुसार पूर्वी लेबनान में इजरायली हवाई हमलों में दो लोग मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार लेबनान के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर ने एक बयान जारी किया। बयान में उन्होंने पुष्टि की है कि शुक्रवार को इजरायली हवाई हमलों में बेका क्षेत्र के एक गांव को निशाना बनाया गया, जिसमें कई लोग हताहत हुए। नाम न बताने की शर्त पर एक सूत्र ने सिन्हुआ को बताया कि ÷इजरायली युद्धक विमानों ने शुक्रवार को भोर में चार हवाई हमले किए। इन हमलों में जनता और पूर्वी लेबनान में लेबनान-सीरियाई सीमा पर अवैध क्रॉसिंग को निशाना बनाया गया। सूत्र ने आगे कहा कि इजरायली जेट विमानों ने टारगेट पर हवा से

जमीन पर मार करने वाली 8 मिसाइलें दागीं। इन हमलों में कई लोग हताहत हुए, एक ट्रक नष्ट हो गया और लेबनान और सीरिया को जोड़ने वाली अवैध क्रॉसिंग को काफी नुकसान पहुंचा। लेबनान की सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) ने बताया कि इजरायली युद्धक विमानों ने सुबह करीब 3:00 बजे बेका क्षेत्र में पूर्वी पर्वत श्रृंखला पर कई हवाई हमले किए।

इसमें कहा गया है कि हमलों ने अल-वावियात क्षेत्र में बैटरी और स्क्रैप मेटल ले जा रहे एक ट्रक को निशाना बनाया। साथ ही हमलों में पूर्वी लेबनान के हनीदर शहर के बाहरी इलाके के पास जब्ब अल-वार्ड क्रॉसिंग भी शामिल है।

लेबनानी नागरिक सुरक्षा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सिन्हुआ को बताया कि बचाव दल ने टारगेट वाले स्थान से दो शवों और कई घायल व्यक्तियों को बेका क्षेत्र के अस्पतालों में पहुंचाया है। घायलों में से एक की हालत गंभीर है, और बचाव कार्य अभी भी जारी है। 27 नवंबर, 2024 से इजरायल और लेबनान के बीच युद्ध विराम समझौता लागू है।

125 साल बाद फ्रांसीसी सैनिकों की चाड से पूर्ण वापसी

एजेंसी

एन'जामेना। मध्य अफ्रीकी देश चाड ने एक समारोह आयोजित कर फ्रांसीसी सैनिकों की औपचारिक वापसी का स्वागत किया। इस समारोह में फ्रांस ने चाड की राजधानी एन'जामेना स्थित अपना प्रमुख सैन्य अड्डा चाड के अधिकारियों को सौंप दिया। इसके बाद चाड में 125 साल से चली आ रही फ्रांसीसी सैन्य उपस्थिति का अंत हो गया।

चाड के राष्ट्रपति महामत इद्रिस डेबी इटनो ने इस अवसर पर कहा कि उनका देश फ्रांस के साथ अपने संबंधों को समाप्त नहीं कर रहा है, लेकिन सैन्य सहयोग को खत्म कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि चाड अन्य अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ बातचीत के विकल्प खुले रखेगा, लेकिन किसी भी नए गठबंधन का आधार आपसी सम्मान और स्वतंत्रता तथा संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। राष्ट्रपति डेबी ने कहा कि अब चाड को अपने सैनिकों की बहादुरी और क्षमता पर भरोसा रखना होगा और एक मजबूत तथा

सुसज्जित सेना का निर्माण करना होगा, जो आने वाले खतरों का मुकाबला कर सके।

चाड ने नवंबर 2024 में फ्रांस के साथ अपने सुरक्षा और रक्षा सहयोग समझौते को समाप्त करने का फैसला किया था। इसके बाद, 10 दिसंबर 2024 को कुछ फ्रांसीसी सैनिकों ने चाड छोड़ना शुरू कर दिया था, और 31 दिसंबर 2024 को राष्ट्रपति डेबी ने 31 जनवरी 2025 तक पूरी तरह से फ्रांसीसी सैनिकों की वापसी का ऐलान किया था। राष्ट्रपति डेबी ने एक टेलीविजन संबोधन में कहा कि यह निर्णय चाड के लोगों की ÷सामान्य और वैध आकांक्षा का प्रतीक था। उन्होंने यह भी कहा कि चाड को अपनी स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा के लिए बलिदान देना पड़ा है, और हम पर भावी की पीढ़ियों के लिए ऐसे बलिदानों का कर्ज है, जैसा हमारे बुजुर्गों ने हमें एक अपने पैरों पर खड़ा देश देने के लिए दिया है। फ्रांस ने दिसंबर में अपने सैनिकों की वापसी शुरू की थी, और चाड की राजधानी एन'जामेना से कुछ फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों ने वापस न आने के लिए उड़ान भरी थी।

अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन से आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस ने कहा कि 10 प्रतिशत शुल्क

मौजूदा शुल्क के अलावा चीन से आयातित सभी वस्तुओं पर लगाया गया है। श्री ट्रम्प का कहना है कि शुल्क उनके संरक्षणवादी उपायों को अपनाने के अनुरूप है।

कांगो में जारी सशस्त्र विद्रोह के बीच दक्षिण कोरिया ने की यात्रा प्रतिबंधों की घोषणा

एजेंसी

सोल। कांगो के पूर्वी हिस्से में बढ़ते संघर्ष के कारण दक्षिण कोरिया यात्रा प्रतिबंध लगाने की योजना पर काम कर रहा है। देश के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मध्य अफ्रीकी देश के उत्तरी किवु प्रांत के लिए स्तर-4 का यात्रा प्रतिबंध शनिवार से लागू होगा। यह दक्षिण कोरियाई सरकार द्वारा लगाया जाने वाला सबसे कठोर यात्रा प्रतिबंध है। इसका मतलब है कि दक्षिण कोरियाई नागरिकों को वहां जाने की अनुमति नहीं होगी। वहीं, कांगो के अन्य हिस्सों के लिए स्तर 3 की चेतावनी जारी रहेगी, जिसमें नागरिकों को जल्द से जल्द क्षेत्र छोड़ने की सलाह दी जाती है। मध्य अफ्रीकी देश कांगो में हाल ही में हिंसा तेज हो गई है। एम23 नामक विद्रोही समूह और सेना के बीच भीषण संघर्ष जारी है। समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, एम23 विद्रोही उत्तरी किवु प्रांत की राजधानी गोमा पर कब्जा करने का दावा कर रहे हैं। यह शहर एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय केंद्र है और यहां करीब 10 लाख लोग रहते हैं, जिनमें सात लाख से अधिक पहले से ही आंतरिक रूप से विस्थापित होकर कठिन परिस्थितियों में जी रहे हैं। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय टेलीविजन पर एक संबोधन में कहा कि सरकार अपनी जमीन को वापस पाने के लिए पूरी ताकत से जवाब देगी। उन्होंने यह भी कहा कि देश के हर इंच को दुश्मनों से छुड़ाने के लिए सैन्य अभियान जारी है। गोमा में 26 जनवरी की शाम से हिंसक झड़पें हो रही हैं। सोमवार को एम23 विद्रोहियों ने हवाई अड्डे, बंदरगाह और सेना के एक स्थानीय बेस सहित कई महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। इससे स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस संघर्ष को लेकर गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि एम23 विद्रोही अब दक्षिण किवु प्रांत की राजधानी बुकावु की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे वहां की स्थिति भी अस्थिर हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वसनीय रिपोर्टों के अनुसार, रवांडा की सेना भी सीमा पार करके इस क्षेत्र में प्रवेश कर रही है। डीआरसी सरकार के अनुरोध पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पिछले साल अपने शांति मिशन (एमओएनयूएससीओ) को दक्षिण किवु से हटा लिया था। इससे अब वहां मानवीय और सुरक्षा समस्याएं और बढ़ने की आशंका है। दक्षिण किवु के मिनोवा इलाके में एम23 और कांगो सेना के बीच भीषण झड़पें हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि वहां अंतर-जातीय संघर्ष भी भड़क सकता है। स्थिति को देखते हुए, दक्षिण कोरिया ने अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए यह यात्रा प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है ।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बाल संरक्षण और शिक्षा के लिए आवंटन बढ़ाया जाना स्वागत योग्य: भुवन रिभु

एजेंसी

नई दिल्ली। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के संस्थापक भुवन रिभु ने केंद्रीय बजट में बाल संरक्षण और शिक्षा के लिए आवंटन बढ़ाए जाने का स्वागत किया है। बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने बाल संरक्षण और शिक्षा के लिए आवंटन बढ़ाए जाने का स्वागत किया है। उनका कहना है कि सरकार को बाल विवाह मुक्त भारत और महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ यौन शोषण के लंबित मामलों का शीघ्र निपटान करने से जुड़ी अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता को ठोस बजटीय आवंटन द्वारा समर्थित करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष तक की सभी लड़कियों के लिए मुफ्त शिक्षा सुनिश्चित करना, साथ ही लड़कियों के खिलाफ अपराधों के मामलों में त्वरित न्याय प्रदान करना कार्यबल में उनकी आर्थिक भागीदारी के लिए महत्वपूर्ण है।

रिठाला से आआपा प्रत्याशी महेंद्र गोयल पर हमला

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के रिठाला से प्रत्याशी महेंद्र गोयल ने अपने ऊपर हमला करने का आरोप लगाया है। शनिवार सुबह रोहिणी सेक्टर 11 के एक पार्क में जनसंपर्क के लिए वह पहुंचे थेए तभी उनके ऊपर कुछ लोगों ने हमला किया। गोयल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें उनके साथ धक्का-मुक्की होते हुए दिखाया गया है। वहीं बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी निधिन वलसान ने बताया कि आज सुबह करीब 11 बजे रोहिणी सेक्टर-11 में राजनीतिक बैठक के दौरान हाथापाई के बारे में शाहबाद डेयरी थाना पुलिस को पीसीआर कॉल मिली थी। खबर मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंचे। जहां स्थानीय जांच में पता चला कि महेंद्र गोयल (आप विधायक, रिठाला) रोहिणी सेक्टर 11 के पॉकेट एच के अंदर स्थानीय निवासियों के साथ चर्चा कर रहे थे। चर्चा एक पुराने वीडियो पर थी। फिलहाल पुलिस दूसरे पक्ष से भी पूछताछ कर रही है। डीसीपी का कहना है कि जांच में जो तथ्य सामने आयेंगे। उसके आधार पर आगे एक्शन लिया जाएगा। वहीं अपनी पार्टी के प्रत्याशी द्वारा किए गए पोस्ट पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा बुरी तरह चुनाव हार रही है।

मतदाता जागरुकता के लिए नई दिल्ली में निकाली गई साइकिल रैली

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड मतदान की अपील के साथ नई दिल्ली जिला चुनाव कार्यालय और एनडीएमसी ने संयुक्त रूप से साइकिल रैली निकाली। रैली में साइकिल मेयर ऑफ दिल्ली दलीप सिंह, प्रोफ़ेशनल राइडर, अंतर-राज्यीय साइकिलिंग उत्साही, कॉलेज के छात्र, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन (एमटीए) के सदस्य और एनडीएमसी के कर्मचारी सहित लगभग 100 साइकिल सवारों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

जिला चुनाव अधिकारी सनी के सिंह, एनडीएमसी सचिव तारिक थॉमस और एनडीएमसी के निदेशक एवं ओएसडी चुनाव कृष्ण कुमार द्वारा पीएस बूथ, खान मार्केट से हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई यह रैली हुमायूं रोड, लोधी रोड और सुब्रमण्यम भारती मार्ग से गुजरते हुए 6 किलोमीटर का रास्ता तय करके अमृता शेरगिल मार्ग पर खान मार्केट पार्किंग में समाप्त हुई।

उत्तराखंड क्रांति दल का दिल्ली चुनाव में आआपा को समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड क्रांति दल की दिल्ली प्रदेश इकाई ने आम आदमी पार्टी (आआपा) को अपना समर्थन दिया है। दल के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष बिहारी लाल जलंधरी ने आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मिलकर पार्टी की तरफ से समर्थन पत्र सौंपा और उन्होंने दिल्ली में बसे उत्तराखंड के लोगों से अपील की कि उत्तराखंड के हित के लिए दिल्ली के चुनाव में सभी लोग आआपा को वोट दें।

आआपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि दिल्ली में उत्तराखंड के लाखों लोग रहते हैं। उत्तराखंड राज्य की स्थापना के लिए जिस दल ने अपनी शहादत दी, जिस दल ने सबसे ज्यादा संघर्ष किया, जिनके संघर्षों की बदौलत उत्तराखंड

का निर्माण हुआ, उस उत्तराखंड क्रांति दल ने फैसला लिया है कि वह दिल्ली के चुनाव में आआपा का समर्थन करेंगे। उत्तराखंड क्रांति दल में दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. बिहारी लाल जलंधरी, दिल्ली एनसीआर प्रभारी प्रताप सिंह शाही, संरक्षक एसपी गौढ़, एडवोकेट डीडी जोशी, पूर्व अध्यक्ष काशी सिंह ऐरी और केंद्रीय अध्यक्ष पूरण सिंह कठैत शामिल हैं। संजय सिंह ने आगे कहा कि इन सभी लोगों ने दिल्ली चुनाव में आआपा को अपना समर्थन देने का फैसला किया है। वह अरविंद केजरीवाल और पूरी आआपा की ओर से इनका शुक्रिया अदा करते हैं। इनके आने से दिल्ली में रहने वाले उत्तराखंड समाज के लोगों का भारी जनसमर्थन आआपा को मिलेगा। इन्होंने अरविंद केजरीवाल के लिए अपना समर्थन का पत्र लिखा है।

इस दौरान डॉ. बिहारी लाल जलंधरी ने कहा कि वह दिल्ली में बसे हमारे उत्तराखंड के प्रवासियों से आग्रह करते हैं कि उत्तराखंड के हित में सभी को आआपा का समर्थन करना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि वह आम आदमी पार्टी को इसलिए समर्थन दे रहे है क्योंकि वह एक राजनीतिक भागीदारी चाहते हैं ताकि उत्तराखंड़ समाज के लोगों की समस्याओं के लिए रास्ता निकले।

वहीं, उत्तराखंड के प्रभारी वीरेंद्र गोयल ने कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि उत्तराखंड क्रांति दल के आआपा के समर्थन में आने से पार्टी को बहुत बड़ी ताकत मिलेगी।

भमुठभेड़ के बाद पांच आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिला में पुलिस और बदमाशों के बीच सुबह मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस गोली लगने से तीन बदमाश घायल हो गए। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि तीन बदमाश भागने में कामयाब रहे। इस पूरे मामले पर बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी निधिन वाल्सन ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि प्रभारी पुलिस चौकी मेट्रो विहार के एसआई रवि राणा की देखरेख में नरेला औद्योगिक क्षेत्र में आगामी दिल्ली विधान सभा चुनाव 2025 के मद्देनजर गश्त ड्यूटी कर रहे थे। गश्त के दौरान तड़के तीन बजे ग्राम खेड़ा के बाहरी इलाके में कुछ व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि के बारे में सूचना मिली। सूचना के बाद जांच करने के लिए टीम ने इलाके की जांच की तो 8-9 व्यक्ति एक ट्रक में पीवीसी रेजिन लोड करते हुए पाए गए। इधर पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगे। पुलिस ने आरोपियों को रूकने का इशारा किया। जिस पर एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी उन पर फायरिंग की। इनमें से तीन को गोली लगी। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद आरोपितों को दबोचा। जबकि तीन मौके से फरार हो गए। पकड़े गए आरोपितों की पहचान चंदर शकर, पुष्पेंद्र यादव, नरेन्द्र सिंह, हरिसरन और शिवनाथ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के पास से . 32 बोर की एक पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस, दीवार तोड़ने में इस्तेमाल की गई एक लोहे की रॉड, एक वाहन और बढ़िया क्वालिटी के 68 बैग बरामद किया है। डीसीपी के अनुसार घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। फिलहाल पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर इनके अन्य साथियों की तलाश कर रही है।

मध्य वर्गीय के साथ छलावा, बजट में जीएसटी और होम लोन में कोई राहत नहीं- आआपा

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने केंद्र सरकार द्वारा जारी बजट को निराशाजनक बताया। पार्टी का कहना है कि खासकर मध्य वर्गीय के साथ छलावा किया गया है। बजट में जीएसटी और होम लोन में कोई राहत नहीं दी गई है। आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर कहा कि देश के खजाने का एक बड़ा हिस्सा चंद अमीर अरबपतियों के कर्जे माफ करने में चला जाता है। मैंने मांग की थी कि बजट में ये एलान किया जाए कि आगे से किसी अरबपति के कर्जे माफ नहीं किए जाएंगे। इससे बचने वाले पैसे से मध्य वर्गीय के होम लोन और व्हीकल लोन में छूट दी जाए, किसानों के कर्जे माफ किए जाएं। इनकम टैक्स और जीएसटी की टैक्स दरें आधी की जाएं। मुझे दुख है कि ये नहीं किया गया। वहीं आआपा के वरिष्ठ नेता जस्मीन शाह ने एक्स पर लिखा कि बजट 2025

आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर कहा कि देश के खजाने का एक बड़ा हिस्सा चंद अमीर अरबपतियों के कर्जे माफ करने में चला जाता है।

हर किसी के लिए, खासकर मध्य वर्गीय के लिए निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि भारत की लगभग 30 फीसद आबादी मध्य वर्गीय है। लेकिन सिर्फ 2 फीसदी यानि लगभग 3 करोड़ लोग ही इनकम टैक्स भरते हैं। बाकी लोग, जिनमें गरीब भी शामिल हैं, जीएसटी, पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी जैसे अप्रत्यक्ष कर भरते हैं। इस बजट में 98 फीसदी भारतीयों के लिए कोई राहत नहीं दी गई है।

जस्मीन शाह ने कहा कि दो हफ्ते पहले अरविंद केजरीवाल ने मध्य वर्गीय के लिए सात बड़े सुझाव दिए थे। इसमें स्वास्थ्य और शिक्षा पर ज्यादा खर्च, जरूरी सामानों पर जीएसटी खत्म करना, पेंशन योजना, वरिष्ठ नागरिकों के लिए रेल टिकट में 50 फीसद की छूट जैसी मांगें शामिल थीं। लेकिन भाजपा सरकार ने इनमें से सिर्फ एक बात मानी- टैक्स छूट की सीमा बढ़ाना, जो सिर्फ 2 फीसद लोगों को फायदा पहुंचाता है। बाकी 98 फीसद जनता की परवाह नहीं की गई, बस मीडिया का ध्यान भटकाने की कोशिश हुई।

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHIV BHAGWAN S/o HET RAM R/o House No. 843, Gali No. 53, Lekhu Nagar Tri Nagar, Onkar Nagar S.O, North West Delhi, Delhi-110035, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as SHIV BHGAWAN SHARMA and POOJA SHARMA in my minor daughter namely DISHIKA SHARMA aged 14 years in her School Record and her Birth Certificate Registration No. MCDOLIR-0110-004543621. The actual name of mine and my wife are SHIV BHAGWAN and POOJA respectively.

NAME CHANGE
It is for general information that I KAMLA KHANNA W/O Late VISHNO SINGH KHANNA R/O B-5/353 Yamuna Vihar Bhajan Pura North East Delhi-110053, declare that name of mine has been wrongly written as KAMLA RANI in my Husbands PPO Certificate No. 19917030290142. The actual name of mine is KAMLA KHANNA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Lakshey Seth S/O Vinod Seth R/O B1109 1st floor F-13, Greenfield colony, Faridabad Haryana - 121003 Have changed my name to Lakshya Seth for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AJEEJ MALIK S/O R/O B-54 MAIN SHALIMAR GARDEN SAHIBABAD GHAZIBAD UTTAR PRADESH-201005 HAVE CHANGED MY NAME TO AZIZ MALIK

NAME CHANGE
I, Praveen S/O Raj Kumar Gupta R/O House no - 1/9594 West Pratap pura Rohtash Nagar Shahdara Delhi - 110032 Have changed my name to Praveen Kumar Gupta for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Mukesh Chaudhary W/o-Ajmer Singh Lohan R/O B-5/33-34, Sector -17, Rohini Delhi -110089 have changed my name from Mukesh Chaudhary to Mukesh Lohan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ajmer singh S/o Ajeet Singh R/O B-5/33-34, Sector -17, Rohini Delhi -110089 have changed my name from Ajmer singh to Ajmer singh Lohan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, HEMANT MUNJAL S/o ISHWAR DATT MUNJAL, R/o House No. 434, C & D Block, DDA Flats, Shalimar Bagh, Haider Pur, North West Delhi, Delhi -110088 , have changed the name of my minor Daughter PRANSHI, aged 5 years and She shall hereafter be known as PRANSHI MUNJAL.

NAME CHANGE
I ANGESH KUMAR S/O LEKHRAJ SINGH R/O Gaon Chit Nagia, Police station Atrauli Salarpur Aligarh Salarpur Uttar Pradesh-202281, have changed the name of my minor son DURVIN CHAUDHRY alias DEV aged 17 years and he shall hereafter be known as DEV.

NAME CHANGE
I, SUNITA Mother of No-15516573H Rank-NK Name-DESHRAJ Residing at VILL-PACHARWALI, PO-BHANGWA, TEHSIL-BHADRA, DIST-HANUMANGARH, RAJASTHAN-335501, have changed my name from SUNITA to SUNITA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 01/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SHRESTH VEER CHAYANK Son of PRAMOD KUMAR residing at FLAT NO-18C, POCKET-C, SFS FLAT, MAYUR VIHAR PHASE-3, DELHI-110096 have changed my name to SRESTH VEER CHAYANK for all future purpose.

NAME CHANGE
I JATIN S/O SANT RAM R/O 202 JASOLA VILLAGE NEW FRIENDS COLONY SOUTH EAST DELHI 110025 HAVE CHANGED MY NAME TO JATIN SINGH

NAME CHANGE
I Akhilesh Kumar Mishra S/O BINDYACHAL MISHRA,R/O ? NO 0, FREE HOLD 2, KALI MANDIR, ADARSH NAGAR NAND GRAM, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, have changed the name of my minor son Saksham Mishra alias Siddharth aged 9 years and he shall hereafter be known as SAKSHAM MISHRA.

NAME CHANGE
I, RITIKA KATARIA W/O NEERAJ KATARIA R/O HOUSE NO-41,GALI NO-3, LAXMAN VIHAR PHASE-2, GURGAON, HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO RITIKA SANGWAN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, Asif S/O Haji Hanif R/O 148 /9 White House Apartment Flat No-7 , 3rd floor , front Side, Kishangarh, Vasant Kunj PO: Vasant Kunj Dist: South West Delhi , Delhi -110070, have changed my name and shall hereafter be known as Asif Khan

NAME CHANGE
I CHAUHAN SUMITI SANDEEP D/O SANDEEP SINGH CHAUHAN R/O 87 AHIR MOHALLA NANGLOI WEST DELHI 110041 HAVE CHANGED MY NAME TO CHAUHAN SUMITI

NAME CHANGE
I, KRISHNA KUMAR Father of No-15516573H Rank-NK Name-DESHRAJ Residing at VILL-PACHARWALI, PO-BHANGWA, TEHSIL-BHADRA, DIST-HANUMANGARH, RAJASTHAN-335501, have changed my name from KRISHNA KUMAR to KRISHAN KUMAR for all future purposes vide Affidavit dated 01/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, TEEJA Wife of No-15516573H Rank-NK Name-DESHRAJ Residing at VILL-PACHARWALI, PO-BHANGWA, TEHSIL-BHADRA, DIST-HANUMANGARH, RAJASTHAN-335501, have changed my name from TEEJA to TEEJA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 01/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NISHA Mother of No-15249903X Rank-SEP Name-HITESH KUMAR Residing at VPO-KANOH, TEHSIL-BARAWALA, DIST-HISAR, HARYANA-125112, have changed my name from NISHA to NISHA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 01/02/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Bhupender Kumar S/O: Subhash, R/O H.No-14, Gali No-1, D- Block, Badarpur, PO: Badarpur,Sub District: Kalkaji,District: South Delhi, Delhi-110044,declare that name of my father has been wrongly written as Subhash Chander in my 10th,12th and all Educational document .The actual name of my father is Subhash, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Mahendra Kumar Bhaskar S/O: Sukhdeva Ram Bhaskar, R/O Permanent Address Rulyana Mali, Rulyana Mali, Sikar, Rajasthan-332041,Presentaddress- Police Qatar no 85/1,Ground floor, Block -CA, Tagore Garden ,West Delhi ,Delhi -110027,declare that name of my wife has been wrongly written as Chandri Devi in my minor son namely Chirag Bhaskar aged 8 years in his birth certificate no 0811100708000 5400006/2017.The actual name of my wife is Chandri,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I KAMLA KHANNA W/O VISHNO SINGH KHANNA R/O B-5/353 Yamuna Vihar Bhajan Pura North East Delhi-110053, declare that name of mine has been wrongly written as KAMLA RANI in my Husbands PPO Certificate No. 19917030290142. The actual name of mine is KAMLA KHANNA respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Deepak S/o J. P Sharma R/o H.No-197 A., East Krishna Vihar, Near Minerva Academy School, Najafgarh, South West Delhi, Delhi-110043 declare that name of my wife and my minor son has been wrongly written as Suman and Khushal in my minor son Khushal Bhardwaj aged 15 years in his School Records. The actual name of my wife and my minor son are Suman Sharma and Khushal Bhardwaj.

NAME CHANGE
I, MAMPI MANDAL (SARKAR) is legally wedded spouse of Army No. 15694894F Rank Naik Name ANANDA MANDAL Presently residing at VILLAGE–GURPARA, POST –NANDIGHAT, POLICE STATION –RANAGHAT, DISTT-NADIA, STATE -WEST BENGAL, PIN -741255, have changed my name from MAMPI MANDAL (SARKAR) to MAMPI MONDAL for all future purposes. Vide affidavit dated 01/02/2024 before Notary Public New Delhi

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Anita Rani W/O Anil Kumar, R/O 305, E-Block, Tagore Garden Extention, Tagore Garden, West Delhi, Delhi-110027, declare that name of mine has been wrongly written as Bhumika in my minor daughter namely Komal aged 14 years in her birth certificate no MCDOLIR- 2210-004093778.The actual name of mine is Anita Rani, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Shikhar Awasthi S/O Vinod Awasthi,R/O Plot No 935, SF, Shakti khand 4,VTC: Indirapuram, PO: Shipra Sun City, District: Ghaziabad, State: Uttar Pradesh -201014,declare that name of my father has been wrongly written as Vinod Kumar in my 10th class educational document .The actual name of my father is Vinod Awasthi, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I PRABHA ARORA W/O SAURABH ARORA R/O H. No. 186, 2nd Floor Pocket-18, Sector-24 Rohini, Rohini Sector-7, North West Delhi-110085, have changed the name of my minor daughter RAMA ARORA aged 13 years and she shall hereafter be known as EVA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as INDU KUMARI D/o Sh. GURUDEV SHARMA, House No H-48, Seelampur Delhi 110053 have changed my name, and shall hereafter be known as INDU SHARMA. I also declare that INDU KUMARI and INDU SHARMA both are one and the same person. It is certified that I have complied with the other legal requirement s in this connection

INDU KUMARI

NAME CHANGE
I, SURABUDDIN S/O SHEIKH BARKAT ALI R/O NEAR JHULE LAL MANDIR 5/1 NEHRU NAGAR (SOUTH DELHI) PO: SRINIWASPURI SOUTH DELHI-110065 HAVE CHANGED MY NAME TO SHEIKH SURABUDDIN

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Shatrupa Soni alias Shatrupa Udayraj Soni D/O Udayraj Bhishandas Soni R/O Permanent Address-Shri Prayagdham, Uruli Kanchan, PO: Urulikanchan, DIST: Pune, Maharashtra - 412202, Present address-Hno -241,Pocket -2,Sector-23 Rohini Delhi110085,have changed my name and shall hereafter be known as SHATRUPA UDAYRAJ SONI.

NAME CHANGE
I, PRADEEP PAL S/o RAM VILASH PAL R/o H. No. 62, Gali No. 1, Bhagat Vihar, Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi - 110094, have changed the name of my minor Son ABHIMANYU alias PRERIT PAL aged 8 years and he shall hereafter be known as PRERIT PAL.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **पंकज शर्मा**, **पुत्र** : श्री राजेश कुमार शर्मा, **पता**: मकान नं. 102, ए–23, गंगा कॉम्प्लेक्स, शालीमार गार्डन एक्स्टेंशन–I, साहिबाबाद, गाज़ियाबाद, (उ.प्र.) ने मुकदमा **FIR No. 214/2011 U/S 356 / 379 / 411 / 34 IPC, थाना: शाहदरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **पंकज शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **पंकज शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 214/2011 U/S 356 / 379 / 411 / 34 IPC, थाना: शाहदरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **पंकज शर्मा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
स्वाति शर्मा
मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी
कमरा नं. 59, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1209/SHD/2025
(Court Matter)

Format C-1
(For candidate to publish in Newspapers, TV)
Declaration about criminal cases

(As per the judgement dated 25th September, 2018, of the Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) no. 536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union Of india & Anr.)

Name and address of the candidate: **Mohd Ishraq Khan**
Name of the Political Party: **INDIAN NATIONAL CONGRESS**
Name of election: **DELHI ASSEMBLY ELECTION, 2025**
Name of the Constituency: **AC-67 Babarpur Vidhan sabha, A-31/150, Main Road No. 66, Maujpur, Seelampur, PO: Seelampur, Dist: North East Delhi, Delhi-110053**

I, Mohd Ishraq Khan, a candidate for the abovementioned election, declare for public information.

The following details about my criminal antecedents:

A. Pending Criminal Cases

Sl. No.	Name of Court	Case No. and dated	Status of case(s)	Section(s) of Acts concerned and brief description of offence(s)
1.	63-Judicial Magistrate First Class	FIR No. 670/19 PS New Usmanpur CIS No. 1761/20	Charge	DMC ACT 466A, Indian Penal Code: 34, 188, 448

B. Details about cases of conviction for criminal offences

Sl. No.	Name of Court & dates(s) of order(s)	Description of offence(s) & punishment imposed	Maximum punishment imposed
1.	NA	NA	NA

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mention the election concerned in place of Constituency.

Mohd Ishraq Khan
Candidate, Indian National Congress
A-31/150, Main Road No. 66, Maujpur, Seelampur, PO: Seelampur, Dist: North East Delhi, Delhi-110053

NAME CHANGE
I, SONU AGGARWAL S/o CHEDI LAL AGGARWAL residing at H.No. - A 150, Kilokari Village, Hari Nagar Ashram, Jangpura, South Delhi, Delhi - 110014 have changed the name of my minor Son NAVYA AGGARWAL alias NIKHIL AGGARWAL, aged 15 years and he shall hereafter be known as NIKHIL AGGARWAL.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Narbada devi Negi ,W/O Late Rai Singh Negi,R/O H.No.6,Gali -1, Uttranchal Enclave, Kamal Pur, Majra Burari, Delhi-110084, declare that name of mine has been wrongly written as Narba Devi alias Narmada Singh in my husband Service Record.The actual name of mine is Narbada Devi Negi.which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I MEHAK THAKUR D/O MUKESH KUMAR R/O House No-4, Gali No. B-2, Orissa Wali Gali, Satya Vihar, Kamal Pur Majra Burari, North Delhi, Delhi-110084, declare that name of my father and mother has been wrongly written as MUKESH THAKUR and SEEMA THAKUR in my 10th class educational documents. The actual name of my father and mother are MUKESH KUMAR and SEEMA DEVI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOHD. ISRAEL S/o MOHD. SHAFI, R/o H No C-37 MIRZA WALI GALI No-4 CHAUHAN BANGAR, NEW SEELAMPUR, DELHI 110053, DO HERE BY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL WILL BE KNOWN MOHD. HAMID IN FUTURE. I ALSO DECLARE THAT MOHD ISRAEL AND MOHD HAMID ARE THE SAME AND ONE PERSON. It is certified that I have complied with other legal requirement in this connection.

MOHD. ISRAEL

सार्वजनिक सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरे मुअक्किल श्री आशीष सूद पुत्र स्व0 श्री किशन कुमार सूद, B–140, B–Block, Preet Vihar, East Delhi–110092 के निवासी है। मेरे मुअक्किल ने अपने सभी व्यवसायिक और वित्तीय सम्बन्ध अपनी माता श्रीमति सीमा सूद तथा अपने बड़े भाई अमन सूद से दिनांक 15.09.2022 में ही खत्म कर दिये थे। अत: दिनांक 15.09.2022 के बाद मेरे मुअक्किल की माता श्रीमति सीमा सूद और बड़े भाई अमन सूद के साथ किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक ने किसी भी तरह का व्यवसायिक या वित्तीय–सौदा या लेन देन किया है तो उस वित्तीय सौदे या लेन देन की किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी मेरे मुअक्किल आशीष सूद की नही होगी। यदि कोई भी मेरे मुअक्किल आशीष सूद को किसी भी सौदे या लेने–देन मे गलत तरीके से Involve करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

Advocate Shobha Gupta B-404,
New Friends Colony New Delhi-110025

Format C-1
(for candidate to publish in Newspapers, TV)

Declaration about criminal cases: (As per the judgment dated 25th September, 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No. 536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union of India & Anr.)
Name and address of candidate: DILIP KUMAR SHARMA
Name of political party: Independent
(Independent candidates should write "Independent" here)
Name of Election: General Elections to Delhi Legislative Assembly in NCT of Delhi-2025
***Name of Constituency: AC-11 Nangloi Jat**
I DILIP KUMAR SHARMA (Name of Candidate), a candidate for the abovementioned election, declare for public information the following details about my criminal antecedents:

A. Pending Criminal Cases

Sl. No.	Name of Court	Case No. and dated	Status of case(s)	Section(s) of Acts concerned and brief description of offence(s)
1.	IMFC Nagpur Maharastra	3692/2020	Charge	420, 465, 467, 468, 471, 120B, 34

B. Details about cases of conviction for criminal offences

Sl. No.	Name of Court & dates(s) of order(s)	Description of offence(s) & punishment imposed	Maximum punishment imposed
1.	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mention the election concerned in place of name of constituency.

Format C-7
(for political parties to publish in newspapers, social media platforms & website of the party)

Information regarding individuals with pending criminal cases, who have been selected as candidates, along with the reasons for such selection, as also as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates

(As per the Commision's directions issued in pursuance of the Order dated 13.02.2020 of the Hon'ble Supreme Court in contempt petition (C) no. 2192 of 2018 in WP (C) no. 536 of 2011)

Name of Political Party : **PEOPLES PARTY OF INDIA (DEMOCRATIC)**
Name of the Election : **LEGISLATIVE ASSEMBLY**
Name of State/ UT : **NCT DELHI**
Name of the Constituency : **TRI NAGAR – 16**
Name of the candidate : **SURENDRA SINGH BASOYA**

Sr. No.		
1	**Criminal Antecedents**	
a	Nature of the offences	FIR No. 77/2011, P.S. KEHSAV PURAM, New Delhi, U/S 186,353,332,34 IPC
b	Case No.	Old no.Cr.99/2K/2012 New No.Cr.534060/2016
c	Name of the Court	IN THE COURT OF MS. DIVYA ARORA: JUDICIAL MAGISTRATE FIRST CLASS-04: NORTH-WEST
d	Whether Charges have been framed or not (Yes/No)	Yes
e	Date of conviction, if any	Not applicable
f	Details of punishment undergone, if any	Not applicable
g	Any other information required to be given	Surender Basoya S/o Late Sh. Anoop Singh Acquitted from all the charges by order dated 16.12025 under Sections 186, 353,332, and 34 IPC in FIR No. 77/2011 PS Keshav Puram
2.	The reasons for the selection of the candidate. Selection shall be with reference to the qualifications, achievements and merit of the candidate, and not mere "winnability" at the polls (not more than 100 words)	The candidate has been committed to the ideals of the party. He has also been a social worker, working for the people of constituency for a long period of time.
3.	Reasons as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates (not more than 100 words).	Candidate is a young and dynamic person, who has found support among the youth and the society as well. He has been able to gain the faith of the people of his constituency and was found to be a better choice amongst other contenders.

सार्वजनिक सूचना
सार्वजनिक सूचना के लिए सूचित किया जाता है कि श्रीमती ओमवती, प्लॉट नंबर B–54, जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, जो कुल 200 वर्ग गज में से है, खसरा नंबर 16/6, गांव असलतपुर खदेर, कॉलोनी चाणक्य प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है की मालिक हैं। सम्पत्ति के मूल मालिक श्री दलिप सिंह, श्री दलपत सिंह, श्री हरि सिंह, श्री मौजी राम, श्री कुडे मल, श्री सुखबीर सिंह, श्री वीरेंद्र सिंह और श्री मीर सिंह थे। इन्होंने श्रीमती दविंदर कौर के पक्ष में 19.12.1980 को एक नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री समझौता और वसीयत हस्ताक्षर की। तत्पश्चात, श्रीमती दविंदर कौर ने 19.12.1980 को श्री रामजी लाल के पक्ष में एक नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री समझौता और वसीयत हस्ताक्षर की। इसके बाद, श्री रामजी लाल ने 14.02.2005 को श्रीमती ओमवती के पक्ष में एक नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री समझौता और वसीयत हस्ताक्षर की। श्रीमती ओमवती अब अपने नाम पर बिक्री पत्र (Sale Deed) निष्पादित करेंगी । यह संपत्ति आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड शाखा,–254, डिफेन्स कॉलोनी, दिल्ली–110024 द्वारा वित्तपोषित की जा रही है, यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त संपत्ति के कब्जे में पाया जाता है और कोई आपत्ति होती है, तो कृपया इस नोटिस की तारीख से 15 दिनों के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज़ के साथ नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें, अन्यथा उपरोक्त विक्रय पत्र के अनुसार दावा संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, HARISH KHURANA S/O LATE SH. M.L. KHURANA R/O E-89, UPPER GROUND FLOOR, MANSAROVAR GARDEN, KIRTI NAGAR, NEW DELHI-110015 declare that name of my father has been wrongly mentioned as ARJUN DASS in my Voter ID Card No. SZM2550408, Pan Card bearing No. AAJPK2736Q and my Driving License No. DL04 20069142544 and name of my Father and Mother has been wrongly mentioned as ARJUN DASS BUDHIRAJA and PHOOL WANTI in my Passport bearing No. T-1515807. The actual name of my father and mother are M.L. KHURANA and RAJ KHURANA respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I DEEPAK KUMAR ROY S/O RADHA NATH ROY, Permanent Address: Vill - Bagsuma Post - Bagsuma Thana - Govindpur, Bagsuma, Dhanbad, Jharkhand - 828109, and Present Address: House No. 2370/1 KH No. 312 & 318 3rd Floor Street No. Mandir Wali Gali Village Shadipur City Delhi 110008, declare that name of mine and my father has been wrongly written as DEEPAK KR ROY and RADHANATH ROY in my Class 10th educational documents. The actual name of mine and my father are DEEPAK KUMAR ROY and RADHA NATH ROY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I MANOJ KUMAR GUPTA S/O DHRAM PAL GUPTA R/O Gali No.-2, House No.-43-C, New Lahore Colony, Shastri Nagar East Delhi, Delhi-110031, declare that name of my mine and my wife has been wrongly written as MANOJ GUPTA and ROOPA GUPTA in my minor daughter GUNJAN GUPTA aged 17 years her school record. The actual name of mine and my wife are MANOJ KUMAR GUPTA and RUPA GUPTA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ROHIT CHANDHOK S/o JAGDISH RAJ CHANDHOK Residing at House No. 39, Bhai Parmanand Colony, Near Sanjay Bhaturey Wala, Mukherjee Nagar, North West Delhi, Delhi - 110009, declared that the name of my minor Daughter has been wrongly written as ANGLE CHANDHOK in my minor Daughter namely ANGEL CHANDHOK aged 14 years in her School Records. The actual name of my minor Daughter is ANGEL CHANDHOK, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, PRAVAKAR BEHERA S/o LOKANATH BEHERA, R/o S-204, School Block Shakarpur, Shakarpur, East Delhi, Delhi-110092, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as SUBHASMITA aged 15 years namely SUBHASMITA BEHERA in her 10th class educational document. The actual name of my minor daughter is SUBHASMITA BEHERA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, S.K. MOSTAFA S/O SHEIKH SURABUDDIN R/O NEAR JHULE LAL MANDIR 5/1 NEHRU NAGAR (SOUTH DELHI) PO: SRINIWASPURI SOUTH DELHI-110065 HAVE CHANGED MY NAME TO SHEIKH MOSTAFA

NAME CHANGE
I Arvind Kumar S/O: Ombir,R/O Rori, PO: Govindpuri, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201201,Have changed the name of my minor son Yash Kumar aged 12 years and he shall hereafter be known as Shiva Tanwar.

सोनीपत में भाजपा अध्यक्ष के खिलाफ महिलाओं का प्रदर्शन

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली और सिंगर रॉकी मित्तल के खिलाफ महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली से आई महिलाओं ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर पीड़िता के समर्थन में पैदल रोष प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।यह रैली एमजी मॉल से शुरू होकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरी। अंत में महिलाओं ने सुभाष चौक पर मोहनलाल बड़ौली और रॉकी मित्तल के पोस्टर जलाए। दावा किया गया कि दिल्ली में पीड़िता के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। पीड़िता की सहेली ने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली और रॉकी मित्तल पर कसौली में हुए रेप का मामला दर्ज है, लेकिन पिछले दो महीनों से कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप लगाया कि पीड़िता को लगातार धमकियां दी जा रही हैं और उसे पैसे का लालच दिया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि उनके पास रॉकी मित्तल की धमकी भरी कॉल का सबूत है।पीड़िता की सहेली ने आरोप लगाया कि पहली गवाह को दबाव में बयान बदलने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि यदि रॉकी मित्तल के पास कोई सबूत है, तो वह सार्वजनिक करें।

ओड़िसा के पर्यटन सचिव ने किया सूरजकुंड मेला परिसर का दौरा

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले की सूरजकुंड की वादियों में आगामी सात से 23 फरवरी तक 38वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड शिल्प मेले का आयोजन आकर्षक रूप से किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मेले की तैयारियों को लेकर इस बार के थीम स्टेट उड़ीसा के पर्यटन सचिव बलवंत सिंह ने हरियाणा पर्यटन निगम व मेला अथॉरिटी के अधिकारियों के साथ मेले की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मेला परिसर का दौरा कर की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस अवसर पर मेला प्रबंधक यू.एस.भारद्वाज व एजीएम हरविंद्र यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे। पर्यटन सचिव सिंह ने उपस्थित अधिकारियों को थीम स्टेट व पार्टनर देशों से आने वाले कलाकारों, शिल्पकारों के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने व पूरी जिम्मेवारी के साथ मेले के सफल आयोजन में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय मेले के आयोजन से जुड़े अधिकारी निर्धारित समयावधि में अपने विभाग से संबंधित सभी व्यापक प्रबंध सुनिश्चित करें। बता दें कि सूरजकुंड मेले को डिजिटल रूप दिया गया है। पहली बार स्टॉल की बुकिंग ऑनलाइन की गई हैं। पूरी पारदर्शिता बनाए रखते हुए सूरजकुंड का यह शिल्प मेला डिजिटल प्लेटफार्म के साथ पर्यटन के क्षेत्र में आमजन के स्वागत के लिए तैयार हो रहा है। मेले से जुड़े हर पहलू की जानकारी सूरजकुंड मेला डॉट कॉम डॉट इन पर उपलब्ध रहेगी।

बजट से उत्साहित नजर आए बहादुरगढ़ के उद्योगपति

झज्जर। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए केंद्र सरकार के वित्त वर्ष 2025-26 के आम बजट की चारों ओर सराहना हुई है। बहादुरगढ़ के उद्योगपति बजट से काफी खुश नजर आए और बजट की उन्होंने जमकर तारीफ की। वहीं आम जन ने भी बजट को बेहतरीन बताया। सभी वर्गों ने खुशी जताई। बहादुरगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीसीसीआई) और कनफेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज (कोबी) ने भी बजट को सराहा। कोबी के प्रधान प्रवीन गर्ग ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तुत किए गए बजट पर अन्य पदाधिकारियों के साथ चर्चा की।उपाध्यक्ष विपिन बजाज, महासचिव प्रदीप कौल, संयुक्त सचिव सुरेंद्र वशिष्ठ व कोषाध्यक्ष अशोक कुमार मित्तल मैं भी चर्चा में भाग लिया। उद्यमियों ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट को उद्योग जगत के लिए बेहद सकारात्मक और प्रगतिशील बताते हुए इसका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बजट में किए गए प्रमुख प्रावधानों में खिलौना निर्माण को बढ़ावा देने के लिए भारत को वैश्विक खिलौना हब के रूप में विकसित करने की योजना स्वागत योग्य है। यह क्षेत्र के खिलौना निर्माताओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक होगा। इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी निर्माण के लिए आवश्यक कई पूंजीगत वस्तुओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी में छूट से भारत में सेल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की पूंजीगत लागत में कमी आएगी। यह नवोदित उद्योग को महत्वपूर्ण प्रोत्साहन प्रदान करेगा।

सभी को अच्छा स्वास्थ देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : श्याम सिंह राणा

यमुनानगर। निरोगी कार्यक्रम के तहत उप-नागरिक अस्पताल जगाधरी में नागरिकों के लिये स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा व विशेष अतिथि के रूप में पहुंचे। कैंप के दौरान स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। कैंप के दौरान 125 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा 65 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पहला सुख निरोगी काया। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तथा राज्य में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार हर एक व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए चिंतित है और सभी को अच्छा स्वास्थ्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने आयुष्मान कार्ड योजना, अंत्योदय योजना आमजन के हित के लिए चलाई है।

टांगरी नदी पर बब्याल की ओर सड़क बनाकर सुरक्षा की, अब सड़क भी चौड़ी होगी : अनिल विज

एजेंसी

अंबाला। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि टांगरी नदी बरसाती नदी है जो कि शहर के बीच से बहती है, जब बरसात आती है तो यह नदी ताबाही लाती है। टांगरी नदी के बब्याल वाले छोर पर उन्होंने बांध को मंजूर करवाकर उसपर रामगढ़ माजरा से महेशनगर पंप हाउस तक सड़क बना दी। अब इस सड़क को चौड़ा भी किया जा रहा है। अब इसी सड़क को अम्बाला-सहारनपुर रेलवे लाइन के नीचे से निकालकर आगे जीटी रोड पर जोड़ा जा रहा है। यह रोड बाढ़ में भी चलती रहेगी ऐसी व्यवस्था की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री अनिल विज ने अम्बाला कैंट के एसडीएम को रामगढ़ माजरा से टांगरी नदी में आ रहे नाले को बंद कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा इस नाले से कभी भी टांगरी नदी का पानी शहर में प्रवेश कर सकता है। पानी

निकालने के लिए उन्होंने क्षेत्र में और व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि महेशनगर ड्रेन के शेष क्षेत्र को पक्का करने का टेंडर हो चुका है और इसके लिए 24 करोड़ रुपए नगर परिषद से सिंचाई विभाग को जमा करा दिए गए हैं।

इससे पहले कार्यक्रम में पहुंचे ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज का भाजपा कार्यकर्ताओं व स्थानीय लोगों ने रामपुर-सरसेहड़ी में जोरदार स्वागत किया। मंत्री विज ने बंधे को पक्के करने के कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर अम्बाला छावनी के एसडीएम सतिन्द्र सिवाच, सिंचाई विभाग के एसई मनीष भारद्वाज, भाजपा नेता जसबीर सिंह जस्सी, फकीरचंद सैनी, विजेंद्र चौहान, मोहित कौशिक, रवि बुद्धिराजा, हर्ष बिंद्रा, राजीव डिम्पल, नरेन्द्र राणा, श्याम सुंदर अरोड़ा, संजीव सोनी, रामबाबू यादव, संजीव वालिया, सुदर्शन सिंह सहगल, आरती सहगल, बलवंत सिंह, रोहताश सैनी, जितेन्द्र विर्क, कुलदीप सैनी, दीपक भसीन, मदन लाल शर्मा के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

देश को विकसित बनाने की दिशा में काम करेगा बजट : नवीन जिन्दल

एजेंसी

कैथल। सांसद नवीन जिन्दल ने 2025 के बजट की सराहना करते हुए, इसे उद्योगों, किसानों और मध्यम वर्ग के लिए लाभकारी, संतुलित और समावेशी बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट सभी वर्गों उद्योगों, मध्यम वर्ग, किसानों, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम), और न्यूक्लियर एनर्जी क्षेत्र के लिए लाभकारी साबित होगा।

जिन्दल ने कहा कि इस बजट में उद्योगों व लघु उद्योगों (एमएसएमई) के विकास को बढ़ावा देने के लिए कई ठोस प्रावधान किए गए हैं। सरकार द्वारा उठाए गए कदम से न केवल उद्योगों को नई ऊर्जा मिलेगी, बल्कि छोटे और मध्यम व्यापारियों को भी सहायता मिलेगी, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने किसानों को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की और कहा कि कृषि क्षेत्र में यूरिया,

डीएपी व अन्य फर्टिलाइजर की कमी को दूर करने, उत्पादन बढ़ाने वाले नवाचार, सिंचाई योजनाओं और सब्सिडी को लेकर उठाए गए कदम किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद करेंगे।

कृषि क्षेत्र में इंजीनियरिंग व ब्लॉक चेन तकनीक समय की मांग : डॉ. संजय कुमार

एजेंसी

हिसार। एग्रीकल्चर साइंटिस्ट बोर्ड के चेयरमैन डॉ. संजय कुमार का कहना है कि कृषि क्षेत्र में इंजीनियरिंग व ब्लॉक चेन तकनीक का उपयोग समय की मांग है। उन्होंने विकसित भारत 2047 की चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. संजय कुमार यहां के केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र के स्थापना दिवस समारोह में आए थे। उन्होंने कहा कि नई तकनीक से पनीर की गुणवत्ता परखना आसान होगा। यह तकनीक न केवल पनीर किस भैंस के दूध से बना है यह पता लगा सकेगी, बल्कि पनीर के खराब होने पर इसका रंग बदलकर उपभोक्ताओं को सचेत भी करेगी। बढ़ती आबादी के कारण पशु चारे के लिए जमीन

की कमी एक गंभीर समस्या बन गई है। इसके समाधान के लिए हाइड्रोपोनिक जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। सीआईआरबी ने 2.90 लाख सीमन डोज किए तैयार डॉ. संजय कुमार ने कहा कि जोहड़ों की घटती संख्या के विकल्प और पशुओं के लिए स्वच्छ जल, पोषक चारा व बेहतर आवास की व्यवस्था करना जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय डेयरी उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के लिए दूध उत्पादन में गुणवत्ता और पैकेजिंग पर विशेष ध्यान देना होगा। गत वर्ष सीआईआरबी ने 2.90 लाख सीमन डोज तैयार किए, जिनमें से 2 लाख डोज पशुपालकों को मुफ्त दिए गए, जो भैंसों की नस्ल सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

तावडू में रिटायर्ड कर्मचारी संघ ने अपनी मांगों को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

नरेश मेहंदीरत्ता,देखो एनसीआर

तावडू। तावडू के रिटायर्ड कर्मचारी संघ ने जिला प्रधान फरियाद मोहम्मद की अध्यक्षता में सोहना-तावडू विधायक चौधरी तेजपाल तंवर के मार्फत अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में दर्शाया कि रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा लगातार धरने व प्रदर्शनों के माध्यम से ज्ञापन व पत्र भेजकर मांग करता रहा है। वह लोकतांत्रिक तरीकों से मांग करके अपनी मांगों व समस्याओं का समाधान कराना चाहते हैं। लेकिन बडे दुख की बात है कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने कार्यकाल में एक बार भी द्विपक्षीय वार्ता नहीं की। प्रदेश में लाखों रिटायर्ड कर्मचारी हैं, जो

लोकतांत्रिक तरीके से बातचीत करके मांगों व समस्याओं का समाधान कर वरिष्ठ नागरिकों को अनुग्रहित करेंगे। हरियाणा राज्य के सभी रिटायर्ड कर्मचारी एक महापड़ाव का कार्यक्रम भी अगले महीने करने जा रहे हैं। इस दौरान 12 सूत्रीय मांग पत्र को लेकर जिला सचिव अब्दुल गफ्फार, कोषाध्यक्ष दाऊदयाल सिंगला, मूलचन्द प्रधान तावडू, ईमरत प्रधान, शकूर खान, श्याम लाल, शिव चरण, शब्बीर अहमद, मुन्शी खां, राम किशन, राम स्वरूप, तुसील, सुरेश चन्द, भजन लाल, हरकेश प्रधान, देवी राम शर्मा, सुखबीर सिंह, खेम चन्द उपस्थित रहे।

जनकल्याण और राष्ट्र के समग्र विकास को समर्पित बजट : बडौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली ने केन्द्रीय बजट 2025-26 को ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत की दिशा में एक मज़बूत कदम है। उन्होंने कहा कि यह बजट सभी वर्गों की आकांक्षाओं को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा। बडौली ने कहा कि इस सर्वसमावेशी बजट में देश के आगामी 25 वर्षों की विकास यात्रा को गति देने के लिए बुनियादी ढाँचे, डिजिटल अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि,

रक्षा, रोज़गार सृजन जैसे सभी क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है और यह बजट भारत को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने का ब्लूप्रिंट है। बडौली ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की आर्थिक नीतियों ने जनभावनाओं के अनुरूप जनहितैषी और लोक कल्याणकारी बजट पेश किया है।

बजट को जन कल्याणकारी बताते हुए पंडित मोहन लाल बडौली ने कहा कि यह सर्वस्पर्शी, और समावेशी बजट है जिसमें गरीब, मध्यम वर्ग युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के समग्र विकास को रेखांकित किया गया है।

बड़ौली ने इस बजट में 12 लाख रूपए तक की वार्षिक आय को इनकम टैक्स फ्री करने के निर्णय को क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहाकि इस फैसले से मध्यम वर्ग की आशाओं और आकांक्षाओं को नई उड़ान मिलेगी। भाजपा अध्यक्ष ने इस बजट को 140 करोड़ देशवासियों के कल्याण और भारत को आत्मनिर्भर बनाने वाला ऐतिहासिक बजट बताया है।

बजट गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी शक्ति को देगा मजबूतीः डॉ. अरविंद

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए आम बजट को गरीब, युवा, किसान और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें मजबूत करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि नौकरीपेशा नागरिकों को 12 लाख रुपए तक की आमदनी में आयकर छूट से मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देने का काम किया है। उन्होंने बजट को शानदार बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार आठवीं बार पेश किए गए आम बजट पर प्रतिक्रियादेते हुए सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल में आम बजट आमजन की बेहतरी, विकास को गति देने वाला और मध्यम वर्ग की क्षमता बढ़ाने की दिशा में पेश किया गया है। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि बजट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत, सशक्त भारत के संकल्प की झलक नजर आती है। वित्तमंत्री द्वारा पेश किए गए ।

सरकारी खजाने में बढ़ी कर्मचारियों और किसानों की हिस्सेदारी : धनखड़

एजेंसी

झज्जर। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने केंद्रीय बजट को आम भारतीय का बजट बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री ने सरकारी खजाने में किसानों और कर्मचारियों की हिस्सेदारी बढ़ाने का बड़ा कार्य किया है। बारह लाख 75 हजार रुपये तक की वार्षिक आय पर टैक्स में छूट के साथ ही बुजुर्गों को भी टैक्स रिटर्न भरने में छूट दी गई है। इन सबके बीच अन्नदाताओं को बड़ा तोहफा दिया है। किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी है। भाजपा नेता धनखड़ ने कहा कि वित्त मंत्री ने बजट की शुरुआत में किसानों के लिए प्रधानमंत्री धनधान्य योजना का ऐलान किया। किसान क्रेडिट कार्ड से 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को कम समय में लोन की सुविधा मिलेगी। बजट में खेती किसानी के लिए पिछली बार से

लगभग 20 हजार करोड़ रुपये ज्यादा दिए गए हैं। धन धान्य योजना से कम उपज, आधुनिक फसल उपज की संभावना वाले क्षेत्र और औसत से कम ऋण मापदंडों वाले 100 जिले शामिल किए जाएंगे। इससे देश के करीब 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा खाने के तेल में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए 6 वर्षीय मिशन की घोषणा भी की गई।धनखड़ ने कहा ग्रामीण विकास का बजट पिछली बार से लगभग 87 हजार करोड़ रुपये अधिक रखा गया है। हमारी सरकार ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अधिक अवसर पैदा करना चाहती है। इस बजट का धन गरीब, किसान, युवा और महिला उत्थान पर खर्च होगा। वहीं कृषि, लघु एवं माध्यम उद्योग, निवेश और निर्यात देश की अर्थव्यवस्था के इंजन होंगे। हरियाणा में हमारी सरकार ने झज्जर में फुटवियर पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया हुआ है। संकल्प पत्र में यह वादा किया था। देश के बजट में चार लाख करोड़ रुपए के फुटवियर उत्पादन और एक लाख करोड़ रुपये के निर्यात का लक्ष्य रखा है। इससे लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा। देश की 23 आईआईटी का विस्तारीकरण करते हुए इस वर्ष से 6500 सीट बढ़ाने का लक्ष्य बजट में रखा है। इससे दिल्ली आईआईटी के एक्सटेंशन सेंटर बाढ़सा के शुरू होने की संभावना बढ़ गई है। मेडिकल कॉलेज में 10000 सीट बढ़ाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इससे तकनीकी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। युवा वर्ग को स्वरोजगार शुरू करने के लिए अनेक प्रोत्साहन योजनाओं का विस्तारीकरण किया गया है । उन्होंने कहा यह बजट मिडिल क्लास को शक्ति देगा और मिडिल क्लास विकास भारत के सपने को साकार करेगा।

बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा गया है: कंवर पाल गुर्जर

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने कहा कि संसद में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट में प्रत्येक वर्ग के लोगों के लिए बजट में ध्यान रखा है। विशेषकर 12 लाख रुपये तक की आय पर दी गई छूट नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग के लिए एक बड़ी सौगात और राहत है। संसद में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए बजट पर पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस बजट में प्रत्येक वर्ग का ख्याल रखा गया है। 12 लाख रूपये तक की आय पर टैक्स की छूट से नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग को एक बढ़ा लाभ मिलेगा। आने वाले समय में अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री धन- धन्य कृषि योजना राज्यों के साथ साझेदारी में शुरू करने से इस योजना के अंतर्गत 1.7 करोड़ किसानों को मदद मिलेगी। सरकार तुअर, उड़द और मसूर पर विशेष ध्यान देते हुए 6 साल का दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन शुरू करेगी। इसमें उत्पादकता में सुधार, घरेलू दाल उत्पादन, किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने तथा जलवायु अनुकूल बीजों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को अल्पावधि ऋण की सुविधा प्रदान करता

है। संशोधित ब्याज सहायता योजना के तहत ऋण के लिए केसीसी ऋण सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रूपये की जाएगी । यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि यह बजट विकसित भारत और प्रधानमंत्री के नए और ऊर्जावान भारत के सपने को पूरा करने के संकल्प के लिए है। यह एक पूर्ण बजट है जो भारत को आगे ले जाएगा और भारत को आत्मनिर्भर बनाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार उद्यम पोर्टल पर पंजीकृत सूक्ष्म उद्यमों के लिए 5 लाख रुपये की सीमा वाले कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड शुरू करेगी । पहले वर्ष में ऐसे 10 लाख कार्ड जारी किए जाएंगे। महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के पहली बार उद्यमी बनने वालों के लिए एक नई योजना शुरू की जाएगी। इससे अगले 5 वर्षों के दौरान 2 करोड़ रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर यह बजट पेश किया गया है। यह बजट न केवल देश की अर्थव्यवस्था में तेज रफ्तार देगा, बल्कि देशवासियों को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने की दिशा में भी कारगर सिद्ध होगा।

अंतर राज्य ट्रांसमिशन से सुधरेगी बिजली कंपनियों की वित्तीय स्थितिः मनोहर लाल

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय बजट में बिजली कंपनियों की वित्तीय स्थिति और क्षमता में सुधार करने के लिए बिजली वितरण और अंतर राज्य ट्रांसमिशन क्षमता को प्रोत्साहित करने की सौगात दी गई है। बजट में पीएम स्वनिधि योजना ने उच्च ब्याज दर वाले अनौपचारिक क्षेत्र के ऋणों से राहत पहुंचाते हुए 68 लाख स्ट्रीट वेंडरों को लाभान्वित किया है।

केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मनोहर लाल ने चंडीगढ़ में जारी बयान में कहा कि बिजली वितरण और अंतर राज्य ट्रांसमिशन क्षमता को प्रोत्साहित केस सुधारों के तहत राज्यों को जीएसडीपी का 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त उधार लेने की अनुमति दी जाएगी। केंदीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बजट में परमाणु ऊर्जा मिशन स्थापित करने की प्रतिबद्धता जताई गई है और 2033 तक कम से कम 5 स्वदेशी रूप से विकसित एसएमआर चालू करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ऊर्जा परिवर्तन संबंधी प्रयासों के लिए वर्ष 2047 तक कम से कम 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा का विकास अत्यावश्यक है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए निजी क्षेत्र के साथ सक्रिय भागीदारी के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणुवीय नुकसान के लिए सिविल दायित्व अधिनियम में संशोधन किए जाएंगे। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि शहरी कामगारों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए एक स्कीम कार्यान्वित की जाएगी ताकि उनकी आय बढ़ाने, धारणीय आजीविका और जीवन का बेहतर स्तर प्राप्त करने में उनकी सहायता की जा सके। बजट में पीएम स्वनिधि का पुनर्गठन किया जाएगा। बैंकों से ऋण में वृद्धि, 30,000 रुपये की सीमा के साथ यूपीआई से जुड़े क्रेडिट कार्ड और क्षमता निर्माण सहायता की जाएगी।

प्रस्तावों को लागू करने के लिए 1 लाख करोड़ का शहरी चुनौती कोष जुलाई के बजट में 'विकास केन्द्र के रूप में शहर', 'शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास' और 'जल एवं स्वच्छता' के लिए योजनाओं की घोषणा की गई थी। केंद्रीय बजट में 2025-26 के लिए 10,000 करोड़ का आवंटन किया गया है।

गुरुग्राम का विकास हरियाणा व केंद्र सरकार की प्राथमिकता: विवेक जोशी

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम में विभिन्न विभागों से जुड़ी विकास परियोजनाएं बेहतर समन्वय के साथ तय समय में पूरी हो व आगामी विकास परियोजनाओं में भविष्य की जरूरतों का भी ध्यान रखा जाए। इस संदर्भ में मुख्य सचिव विवेक जोशी ने आला अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। स्थानीय रेस्ट हाउस में आयोजित बैठक में पूर्व मुख्य सचिव व जीएमडीए के प्रिंसिपल एडवाइजर डीएस ढेसी भी मौजूद रहे। मुख्य सचिव विवेक जोशी ने बैठक में कहा कि गुरुग्राम का समग्र विकास हरियाणा व केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जिला में क्रियान्वित विकास परियोजनाओं की निरन्तर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम की वैश्विक स्तर पर पहचान है साथ ही यह प्रदेश की आर्थिक उन्नति का महत्वपूर्ण स्तम्भ है। ऐसे में इस शहर को भविष्य की जरूरतों के हिसाब से विकसित करना हरियाणा सरकार की प्राथमिकता है।बैठक में पूर्व मुख्य सचिव व जीएमडीए के प्रिंसिपल एडवाइजर डीएस ढेसी ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर हीरो होंडा फ्लाईओवर के जीर्णोद्धार कार्य की प्रगति पर एनएचएआई के अधिकारियों से चर्चा कर उन्हें जल्द से जल्द इस

कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। श्री ढेसी ने कहा कि एनएचएआई इस समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में आगे बढ़े। बैठक में जीएमडीए के सीईओ श्यामल मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर नरसिंहपुर में जलभराव की समस्या के निवारण के लिए जलभराव के न्यूनतम बिंदु से बादशाहपुर ड्रेन तक एक नई ड्रेन बनाने की प्रक्रिया जारी हैं। जिसमे परियोजना के लिए जमीन उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन के साथ आवश्यक चर्चा की जा रही है। इसी प्रकार सुभाष चौक से शिशपाल उन्होंने बताया कि मानेसर ड्रेन का रिपेयर व डिसिल्टिंग का कार्य एचएसआईआईडीसी द्वारा करवाया जाना है। इसमें पूरे कार्य का एस्टीमेट तैयार कर लिया गया है।

NAME CHANGE
It is for general information that I, PARI daughter of YOGESH R/o Village Badhwana, Tehsil Charkhi Dadri, District Charkhi Dadri, Haryana-127310, declare that name of my mother has been wrongly written as SUNIL in my CBSE 10th class Educational Documents. The actual name of my mother is SUNIL KUMARI, which may be amended accordingly.

हांसी में घर के बाहर फायरिंग, जंगले में मिले दो गोलियां लगने के निशान

एजेंसी

हिसार। जिले के कस्बा हांसी में हिसार चुंगी के समीप स्थित आर्य नगर कालोनी में एक युवक द्वारा एक विधवा के घर पर फायरिंग किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मकान मालकिन को सुबह घर के बाहर गोली के खोल मिलने पर मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर हांसी शहर पुलिस, सीआईए व एसएफएल की टीम ने मौके का निरीक्षण कर आवास मालकिन मुन्नी देवी की शिकायत के आधार पर एक व्यक्ति को नामजद करते हुए उसके खिलाफ केस दर्ज किया है। रात के समय घर के बाहर फायरिंग किए जाने की वारदात के बाद से कालोनी में दहशत का माहौल है। पुलिस को दी शिकायत में आर्य नगर निवासी मुन्नी देवी ने बताया कि उसका बेटा मंजीत अपनी पत्नी के साथ चंडीगढ में रहता हैं और उसके पति का चार साल पहले 2021 में निधन हो गया था। इसके बाद से वह अपने पोते के साथ यहां आर्य नगर कालोनी में रहती हैं। मुन्नी ने बताया कि पुट्ठी मंगलखां गांव निवासी कुलदीप उससे रुपयों की मांग करता रहता है इस कारण कुलदीप का उसके घर आना-जाना रहता है। पिछले डेढ महीने से उस ने कुलदीप के साथ आना-जाना बंद कर दिया था। वह शुक्रवार रात को अपने 10 वर्षीय पोते के साथ सो रही थी कि रात करीब 11 बजकर 55 मिनट पर उसे गोली चलने की आवाज सुनाई दी, गोली चलने की आवाज सुनकर उसका पोता उससे लिपट गया और डरकर रोने लगा। जब तक वह स्थिति को समझ पाती इस दौरान दूसरी गोली चलने की आवाज सुनाई दी।

मुन्नी ने बताया कि रात में डर के कारण उन्होंने बाहर निकलने की हिम्मत नहीं की और घर के अंदर ही रही। सुबह होने पर उन्होंने देखा तो जंगले पर दो गोलियों के निशान दो गोलियों के खोल मिले। जिस पर उसने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीन आफ क्राइम टीम को बुलाया, जिसने जांच के दौरान दो खाली खोल बरामद किए।

ऐतिहासिक और समावेशी बजट, विकसित भारत की दिशा में चल पड़ा है देशः खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। चांदनी चौक से सांसद और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2025-26 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समावेशी विकास के विजन को सार्थक करता है। उन्होंने कहा कि अब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के रास्ते पर चल पड़ा है।सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि केंद्रीय बजट में 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं और इनकम टैक्स स्लैब में 25 लाख रुपये की आय वाले व्यक्ति को टैक्स में एक लाख रुपये तक का लाभ की घोषणा बहुत बड़ी राहत है, जिसका देशभर के व्यापारियों ने दिल से स्वागत किया है। खंडेलवाल ने केंद्रीय बजट को सशक्त आर्थिक दस्तावेज बताते हुए कहा कि बजट से देश में व्यापार एयर लघु उद्योग को बढ़ावा देने की अनेक घोषणाओं से व्यापार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। कैट महामंत्री ने कहा कि बजट घोषणा से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत व्यापार करने की प्रक्रिया भी अधिक सुगम होगी। यह बजट देश के समग्र विकास को गति देने वाला, व्यापारियों, उद्यमियों, मध्यम वर्ग और युवाओं के लिए प्रोत्साहन देने वाला है। खंडेलवाल ने कहा कि ये बजट आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है और देश के आर्थिक विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला साबित होगा। उन्होंने कहा कि व्यापार और उद्योग के लिए यह बेहद प्रगतिशील बजट है।

वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.8 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में रिकॉर्ड लगातार 8वां केंद्रीय बजट 2025-26 पेश किया। वित्त मंत्री ने बजट पेश करते हुए कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.8 फीसदी रहने का अनुमान है। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटा 4.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा कि अगले वित्त वर्ष के लिए शुद्ध बाजार उधारी 11.54 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सरकार सभी गैर-वित्तीय क्षेत्रों में नियामकीय सुधारों के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करेगी। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (एनएबीएफआईडी) के कॉरपोरेट बॉण्ड के लिए आंशिक ऋण वृद्धि सुविधा स्थापित करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि राज्यों का निवेश अनुकूलता सूचकांक भी इस साल पेश किया जाएगा।

साहसिक बजट, उपभोग आधारित विकास को बढ़ावा देने पर जोरः उद्योग

नई दिल्ली। उद्योग जगत ने संसद में पेश आम बजट को साहसिक बताया और कहा कि इसमें उपभोग आधारित विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है, जिससे यह मध्यम वर्गीय परिवारों की खपत बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को गति देने वाला साबित होगा। वाणिज्य एवं उद्योग संगठन फिक्की के अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के संसद में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, ÷कर छूट सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपये करने से मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति में वृद्धि होगी, जिससे उपभोग को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा, मध्यम, लघु एवं सूक्ष्म उपक्रम (एमएसएमई), पर्यटन और चमड़ा जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए की गई पहलों से रोजगार के अवसरों में भी बढ़ोतरी होगी, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी। एसोचैम के अध्यक्ष संजय नायर ने केंद्रीय बजट को एक 'साहसिक' कदम बताते हुए कहा कि यह बजट मध्यम वर्गीय परिवारों की खपत बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को गति देने वाला साबित होगा। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने व्यक्तिगत करदाताओं को महत्वपूर्ण राहत प्रदान की है, जिससे लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और उपभोग को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ ही सरकार ने राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.4 प्रतिशत पर बनाए रखा है, जो एक संतुलित आर्थिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

वरिष्ठ नागरिकों की एक लाख रुपये तक की ब्याज आय पर टीडीएस नहीं

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2025-26 में आय के स्रोत पर कर की कटौती (टीडीएस) की दरों में कटौती के लिये न्यूनतम आय की सीमा को बढ़ाया है। वरिष्ठ नागरिकों को ब्याज से मिलने वाले आय पर टीडीएस कटौती की सीमा 50 हजार रुपये वार्षिक से बढ़ाकर एक लाख रुपये वार्षिक की गयी। किराये से होने वाली आय पर टीडीएस के लिये आय की न्यूनतम सीमा 2.40 लाख से बढ़ाकर छह लाख रुपये वार्षिक की है। विदेश में पैसा भेजने की रिजर्व बैंक की उदार योजना (एलआरएस) के तहत टीसीएस छह लाख रुपये की जगह 10 लाख रुपये के ऊपर की रकम पर लागू होगा। माल की बिक्री पर अब केवल टीडीएस लागू होगा।

बजट दर्शाता है कि मोदी सरकार जनता की अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशीलः सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार जनता के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाते हुए उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए काम कर रही है। इसी क्रम में वित्त बजट 2024-25 में मध्यमवर्ग को आयकर लाभ दिया गया है। बजट में सीमा शुल्क को तर्कसंगत बनाने की कोशिश की गई है। टैरिफ में कटौती की गई है और इसे आसान बनाया गया है। केंद्रीय बजट 2025-26 को पेश करने के बाद राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में वित्त मंत्री ने बताया कि नई कर योजना से अब एक करोड़ लोगों को कर नहीं भरना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्यक्ष

कर में किए गए बदलाव से आय सीमा के सभी करदाताओं को लाभ मिला है। उन्होंने कहा है कि केवल 12 लाख रुपये कमाने वाले को ही कर राहत नहीं मिली है बल्कि 24 लाख तक कमाने वाले की भी जेब में 2.6 लाख रुपया आया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि नई आयकर व्यवस्था के लिए अगले सप्ताह विधेयक लाया जाएगा। इसका उद्देश्य आयकर को अधिक सरल करना है। इसके बारे में उन्होंने जुलाई के बजट में विस्तार से घोषणा की थी। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने वर्तमान बजट में भी पूंजीगत व्यय में कोई कटौती नहीं की है। यह सब सरकार राजकोषीय संयम बनाए रखते हुए कर रही है। वर्तमान बजट में विकसित भारत के उद्देश्य को पूरा करने के लिए काफी कुछ है। इसमें कृषि क्षेत्र में निवेश है। ग्रामीण क्षेत्र की समृद्धि और शहरी विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। विशेषकर रिफॉर्म्स पर बल दिया गया है।

रेलवे का पूंजीगत व्यय 2.65 लाख करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2025-26 में रेलवे के लिए सरकार ने 2.52 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया है। सार्वजनिक-निजी निवेश के तहत यह आवंटन 2.65 लाख करोड़ रुपये हो जाता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि बजट में रेलवे के विकास को मिल रही सहायता पहले की तरह जारी है। बजट में रेलवे से जुड़े आवंटन के अनुसार नई लाइन के लिए 32,235 करोड़ रुपये, रेल लाइनों को डबलिंग के लिए 32,000 करोड़ रुपये और गेज बदलाव करने के लिए 4,550 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। वित्त वर्ष-2024 से तुलना करने पर रेलवे बजट में खास बदलाव नहीं दिखाई देता।

बजट पर टिप्पणी करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे को आवंटित बजट स्वागत योग्य है। कुल 2,52 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। रेलवे का पिछले सालों से विकास और विस्तार जारी है और बजटीय सहायता से इसे

काफी बूस्ट मिला है। हम 100 नई अमृत भारत ट्रेनें, 200 नई वंदे भारत ट्रेनों का निर्माण कर रहे हैं। किराये में वृद्धि नहीं किए जाने के बावजूद 98 प्रतिशत ऑपरेशन अनुपात बरकरार है।

जनवरी में जीएसटी संग्रह से सरकार के खजाने में आए 1.96 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में 50,65,345 करोड़ रुपये का केंद्रीय बजट पेश किया। वहीं, जनवरी, 2025 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्?व संग्रह सालाना आधार पर 12.3 फीसदी उछल कर 1.96 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसकी तुलना में दिसंबर, 2024 में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.76 लाख करोड़ रुपये रहा था। जीएसटी महानिदेशालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि सरकार के खजाने में केंद्रीय बजट पेश होने के बाद जनवरी में जीएसटी राजस्व संग्रह के जरिए 1.96 लाख करोड़ रुपये आए हैं। इसमें घरेलू स्तर पर वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री से प्राप्त राजस्व में 10.4 फीसदी की वृद्धि के साथ 1.47 लाख करोड़ रुपये और आयातित वस्तुओं से प्राप्त कर राजस्व में 19.8 फीसदी की वृद्धि के साथ 48,382 करोड़ रुपये शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में कुल सकल जीएसटी राजस्व 1,95,506 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की तुलना में 12.3 फीसदी अधिक है। इसमें केंद्रीय जीएसटी संग्रह (सीजीएसटी) 36,100 करोड़ रुपये रहा, जबकि राज्य जीएसटी (एसजीएसटी)

44,900 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा एकीकृत जीएसटी संग्रह आईजीएसटी 1.01 लाख करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा जीएसटी उपकर संग्रह 13,400 करोड़ रुपये रहा है। जीएसटी महानिदेशालय के मुताबिक जनवरी के दौरान 23,853 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है, जो 24 फीसदी की वृद्धि है। रिफंड को समायोजित करने के बाद कुल शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.72 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले साल की तुलना में 10.9 फीसदी अधिक है। मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में जीएसटी राजस्व संग्रह ने 5वीं बार 1.80 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। इससे पहले अप्रैल में यह आंकड़ा 2 लाख करोड़ रुपये पार कर गया था। वहीं जुलाई, अक्टूबर, नवंबर में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.80 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा देखने को मिला था।

उल्लेखनीय है कि अब तक सर्वाधिक जीएसटी राजस्व संग्रह अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। वित्त मंत्री ने आज पेश केंद्रीय बजट 2025-26 में जीएसटी राजस्व संग्रह 11 फीसदी बढ़कर 11.78 लाख करोड़ रुपये (केंद्रीय जीएसटी और मुआवजा उपकर सहित) होने का अनुमान जताया है।

बजट से उत्पादन और खपत को मिलेगा बढ़ावाः संजीव पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग जगत में आज पेश किए गए आम बजट का खुलकर स्वागत किया है। कनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के अध्यक्ष संजीव पुरी का मानना है कि आज पेश किया गया बजट घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए बूस्टर का काम करेगा। प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों में देश को अभी ऐसे ही बजटीय प्रावधानों की जरूरत थी, जिससे कि अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिल सके। आज पेश किए गए बजट में इसपर विशेष ध्यान दिया गया है।

संजीव पुरी ने कहा कि बजट में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने का जो प्रावधान किया गया है, उससे उद्योगों को काफी राहत मिलेगी। इसके साथ ही इनकम टैक्स में दी गई छूट देश के मध्य आय वर्ग के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। इससे महंगाई के बोझ से पिस रहे आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। इसके साथ ही इनकम टैक्स में मिली राहत का प्रत्यक्ष असर देश में खपत को बढ़ावा मिलने के रूप में भी नजर आएगा।

सीआईआई के अध्यक्ष पुरी का कहना है कि बजट में ग्रामीण भारत, कृषि, एमएसएमई, निर्यात और लेबर इंटेंसिव सेंट्रिक सेक्टर पर काफी ध्यान

दिया गया है। इससे रोजगार सृजन की दिशा में काफी सफलता मिलेगी। इसके साथ ही छोटे और लघु उद्योगों के जरिए अर्थव्यवस्था के निचले पायदान पर खड़े लोग भी उन्नति कर सकेंगे। संजीव पुरी के मुताबिक देश की अर्थव्यवस्था मौजूदा समय में जिन आभासी परेशानियों का सामना कर रही है, उसमें खपत और उत्पादन को बढ़ावा देने की सबसे अधिक जरूरत है। इस बजट में वित्त मंत्री ने उत्पादन और खपत दोनों को संतुलित तरीके से बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं, जिससे लॉन्ग टर्म में देश की अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा। विशेष रूप से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर इस बजट में मुख्य रूप से फोकस किया गया है। सरकार ने इस सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए मैन्युफैक्चरिंग मिशन का ऐलान किया है, इससे देश की अर्थव्यवस्था को तो बढ़ावा मिलेगा ही, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ रेट भी तेज हो सकेगी।

बजट से दीर्घकालिक आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगाः आईसीएसआई

एजेंसी

नई दिल्ली। द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) ने आज पेश हुए आम बजट को संतुलित बजट बताते हुए कहा है कि इस बजट की मदद से दीर्घकालिक आर्थिक विकास और देश की समृद्धि को बढ़ावा मिल सकेगा। इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष सीएस धनंजय शुक्ला का कहना है कि ये बजट देश के संतुलित आर्थिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होने वाला है। इससे देश के हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम किया जा सकेगा। आईसीएसआई की ओर से जारी की गई जानकारी में बताया गया है कि इस बजट में कमजोर समुदायों के लिए सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों का विस्तार किया गया है। इसके साथ ही बजट में कमजोर वर्गों की शिक्षा, स्वास्थ्य और आवासीय सुविधा के लिए धनराशि की व्यवस्था करने की भी कोशिश की गई है। इंस्टीट्यूट ने बजट को समावेशी बताते हुए कहा है कि इसमें कौशल विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शिक्षा को बढ़ावा देने और भारतीय भाषा पुस्तक योजना के जरिये युवाओं को बढ़ावा देने की कोशिश की गई है। इसके साथ नए उद्यमियों के लिए सहायक योजना पेश की गई, वहीं पीएम रिसर्च फेलोशिप और निजी क्षेत्रों की मदद से चलाए जाने वाले शोध कार्यक्रम के जरिये नवाचार को बढ़ावा देने का काम किया गया है।

बजट की सराहना करते हुए सीएस धनंजय शुक्ला ने कहा है कि ये बजट पॉलिसी मेकर्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और आम जनता के प्रतिनिधियों के बीच निरंतर होने वाले संवाद का भी प्रतिबिंब है, जिससे भविष्य में अर्थव्यवस्था के विकास का रास्ता और मजबूत होगा।

केंद्रीय बजट को बंगाल के उद्योगपतियों ने सराहा

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस भले केंद्रीय बजट 2025-26 से संतुष्ट न हो, लेकिन राज्य के उद्योग जगत ने इसे सराहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के पूर्वी क्षेत्रीय अध्यक्ष सुवेंद्र कुमार बेहरा ने बजट को संतुलित बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट आर्थिक विकास को तेज करने, समावेशी विकास को सुनिश्चित करने, निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करने, घरेलू भावना को मजबूत करने और भारत के मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ाने में सहायक होगा। बेहरा, जो आरएसबी ट्रांसमिशन (आई) लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक भी हैं, उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत पर केंद्र सरकार का लगातार ध्यान देना उत्साहजनक है। इस बजट से कृषि, विमानन और पर्यटन क्षेत्र को और बढ़ावा मिलेगा। आरपी-संजीव गोयनका ग्रुप के उपाध्यक्ष और सीआईआई के पूर्वी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शशवत गोयनका ने कहा कि निर्यात ऋण को आसान बनाना, सीमा पार

व्यापार का समर्थन और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की सहायता सरकार के ठोस कदम हैं, जो भारत की वैश्विक व्यापार स्थिति को मजबूत करेंगे। जुपिटर वेगन्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विवेक लोहिया ने बजट को डिजिटल एकीकरण, स्थिरता और सुगम गतिशीलता पर केंद्रित बताया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दीर्घकालिक वित्त पोषण और संरचनात्मक बदलावों पर जोर देने से सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत उच्च मूल्य वाली नौकरियां सृजित होंगी और आर्थिक विकास को बल मिलेगा। बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष अर्णब बसु ने बजट को संतुलित बताया। उन्होंने कहा कि एक ओर मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा किया गया है, तो दूसरी ओर ग्रामीण और एमएसएमई क्षेत्रों के लिए ऋण और कौशल विकास पर भी ध्यान दिया गया है। इसके अलावा, शिपबिल्डिंग, गहरी तकनीक, बुनियादी ढांचे और स्वच्छ ऊर्जा में निवेश को भी प्राथमिकता दी गई है। साथ ही उपभोग, निवेश, समावेशी विकास और घरेलू आय को केंद्र में रखते हुए वित्त मंत्री ने एक आशाजनक और वित्तीय रूप से जिम्मेदार बजट प्रस्तुत किया है, जिसमें राजकोषीय घाटा 4.8 प्रतिशत रखा गया है और अगले वर्ष इसे 4.4 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। श्याम मेटालिक्स के उपाध्यक्ष बृजभूषण अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय निर्माण मिशन के तहत पीपीपी को बढ़ावा देने से निवेश आकर्षित होगा और इस क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि इससे स्टील की मांग बढ़ेगी, जो बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि उद्योग को सुरक्षित और उन्नत उत्पादन पद्धतियों की ओर बढ़ना होगा। बुनियादी ढांचे में वृद्धि से स्टील क्षेत्र की उत्पादन क्षमता में भी वृद्धि होगी। इन बदलावों से भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति बेहतर होगी।

स्टार्टअप के लिए 10 हजार करोड़ रुपये की 'फंड ऑफ फंड्स' योजना का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में रिकॉर्ड 8वां केंद्रीय बजट 2025-26 पेश किया। सीतारमण ने संसद में बजट पेश करते हुए उभरते उद्यमियों के वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के कोष के साथ स्टार्टअप के लिए 'फंड ऑफ फंड्स' योजना के एक और दौर का ऐ?लान किया।

वित?त मंत्री निर्मला सीतारमण के केंद्रीय बजट 2025-26 में स्टार्टअप के लिए 'फंड ऑफ फंड्स' योजना की यह घोषणा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार स्टार्टअप के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वाणिज?य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने अब तक 1.57 लाख से अधिक

स्टार्टअप को मान्यता दी है।

स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से सरकार ने इस विकास को पोषित करने और उद्यमियों की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्टार्टअप इंडिया की कार्य योजना 16 जनवरी 2016 को पेश की गई थी। केंद्र सरकार उसी वर्ष स्टार्टअप की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के कोष के साथ 'फंड ऑफ फंड्स फॉर स्टार्टअप्स' (एफएफएस) योजना लाई थी। इसकी निगरानी एजेंसी डीपीआईआईटी है, जबकि भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) एफएफएस के लिए संचालन एजेंसी है।उल?लेखनीय है कि भारत ने खुद को दुनिया में तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में मजबूती से स्थापित किया है, जिसमें 31 दिसंबर, 2024 तक स्टार्टअप को मान्यता देने के लिए डीपीआईआईटी ने 1.57 लाख से अधिक प्रमाणपत्र जारी किए हैं। वहीं, 100 से अधिक यूनिकॉर्न द्वारा संचालित देश का उद्यमशील परिदृश्य नवाचार को फिर से परिभाषित कर रहा है और विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर पैदा कर रहा है।

संगीता मोबाइल्स के प्रबंध निदेशक ने बजट का किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार संसद में केंद्रीय बजट 2025-26 पेश किया। संगीता मोबाइल्स के प्रबंध निदेशक (एमडी) सुभाष चंद्रा ने केंद्रीय बजट का स्वागत करते हुए कहा कि 12 लाख रुपये तक की इनकम पर टैक्स फ्री से मध्यम वर्ग के हाथों में अधिक डिस्पोजेबल इनकम छोड़ेगी, जिससे बाजार में मांग बढ़ेगी।सुभाष चंद्रा ने बजट का स्वागत करते हुए कहा कि वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट 2025-26 में डिजिटल बुनियादी ढांचे, उपभोक्ता खर्च और समग्र खुदरा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए मजबूत प्रोत्साहन प्रदान किया है। इसके साथ ही 12 लाख रुपये तक की इनकम पर टैक्स में छूट देने से मध्यम वर्ग के हाथों में अधिक डिस्पोजेबल आमदनी आएगी, जिससे प्रीमियम स्मार्टफोन और स्मार्ट गैजेट्स की मांग ज्यादा बढ़ेगी। चंद्रा ने कहा कि भारतनेट के

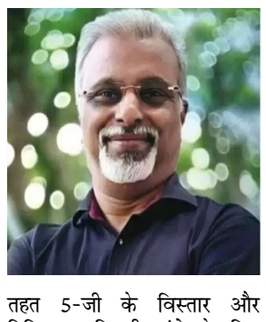

तहत 5-जी के विस्तार और डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए निरंतर प्रयास कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा, जिससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट उपकरणों को अपनाने में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि डीप-टेक और एआई संचालित वाणिज्य में भारत सरकार का निवेश डिजिटल खुदरा प्लेटफॉर्म और त्वरित-वाणिज्य दक्षता को मजबूत करेगा। इसके अलावा विलय और अधिग्रहण प्रक्रियाओं का सरलीकरण खुदरा और ई-कॉमर्स क्षेत्र में समेकन और विस्तार को प्रोत्साहित करेगा। संगीता मोबाइल्स के प्रबंध निदेशक ने कहा कि एक उद्योग नेता के रूप में हम केंद्रीय बजट में प्रस्तावित इन दूरदर्शी उपायों का स्वागत करते हैं, जो घरेलू खपत और वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स खुदरा केंद्र के रूप में भारत की स्थिति दोनों को ही बढ़ावा देंगे। चंद्रा ने कहा कि हमें मांग, नवाचार और निर्बाध ग्राहक अनुभवों में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद इस बजट से है।

पूंजीगत व्यय में उम्मीद से कम की बढ़ोतरी का बाजार पर असर

मुंबई। संसद में पेश केंद्रीय बजट में पूंजीगत व्यय में उम्मीद से कम महज दस फीसदी की बढ़ोतरी किये जाने के प्रस्ताव से निराश निवेशकों की भारी बिकवाली का आज शेयर बाजार के विशेष सत्र में असर दिखा। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स मजह 5.39 अंक बढ़कर 77,505.96 अंक पर रहा। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 26.25 अंक फिसलकर 23,482.15 अंक पर आ गया। बजट को लेकर बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियो की भी मिलजुली प्रतिक्रिया रही।

इससे मिडकैप 0.49 प्रतिशत की गिरावट लेकर 42,884.28 अंक रह गया वहीं स्मॉलकैप 0.28 प्रतिशत बढ़कर 50,099.80 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4037 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2081 में लिवाली जबकि 1829 में बिकवाली हुई वहीं 127 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 22 कंपनियां चढ़ीं जबकि अन्य 29 लुढ़क गईं। विश्लेषकों के अनुसार, बाजार ने केंद्रीय बजट पर मिश्रित प्रतिक्रिया दी है। इसका मुख्य कारण वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पूंजीगत व्यय में मात्र 10 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि है, जो बाजार की अपेक्षाओं से कम रही।

सर्राफा बाजार में ऑल टाइम हाई पर पहुंचा सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में आज बजट वाले दिन सोना ने रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच कर कारोबार की शुरुआत की है। सोना आज पहली बार 84 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार करके कारोबर कर रहा है। सोने की तरह ही चांदी में भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इस तेजी के साथ ही चांदी भी ऑल टाइम हाई लेवेल 1 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के काफी करीब पहुंच गई है। आज सर्राफा बाजार में सोना 1,200 रुपये 1,310 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 84,340 रुपये से लेकर 84,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 77,310 रुपये से लेकर 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 84,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 84,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 77,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 84,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 77,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 84,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 77,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 84,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 77,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 84,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 84,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 77,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 84,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में जोरदार उछाल दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 84,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 77,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सुपरफूड से कम नहीं इस पेड़ की पत्तियां, हजारों सालों से हो रहा इसका उपयोग, सेहत के लिए बेहतरीन खजाना

मोरिंगा अपने खास गुणों के लिए जाना जाता है. इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि पत्तियों के साथ बांकी सभी चीजें भी सेहत के लिए फायदेमंद है. आयुर्वेदिक डॉक्टर नरेंद्र कुमार ने बताया कि सहजन की फली, पत्ते, पाउडर, बीज सभी बहुत उपयोगी हैं. इसकी फलीसब्जी, सूप या दाल में डालकर खाई जाती है. इसके अलावा इसके पत्ते बहुत गुणकारी होते हैं.

प्रकृति में ऐसे अनेकों पेड़ पौधे पाए जाते हैं, जिनकी पत्तियां किसी बूस्टर डोज से कम नहीं है. ऐसा ही एक बहु उपयोगी पेड़ है सहजन. इसे मोरिंगा या सुजना भी कहा जाता है. सहजन के पेड़ को औषधीय गुणों की खान माना जाता है. आयुर्वेदिक डॉक्टर के अनुसार इसकी पत्तियों, फलों, बीजों, छाल और जड़ों में कई औषधीय गुण होते हैं.

डायबिटीज में फायदेमंद है मोरिंगा

आयुर्वेदिक डॉक्टर नरेंद्र कुमार ने बताया कि इसकी पत्तियों में प्रोटीन, विटामिन, ष्ट, कैल्शियम, आयरन और पोटैशियम प्रचुर मात्रा में होते हैं. जो, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं. इसके अलावा डायबिटीज में भी ये फायदेमंद है.

सहजन का उपयोग

आयुर्वेदिक डॉक्टर नरेंद्र कुमार ने बताया कि सहजन की फली, पत्ते, पाउडर, बीज सभी बहुत उपयोगी हैं. इसकी फलीसब्जी, सूप या दाल में डालकर खाई जाती है. इसके अलावा इसके पत्ते बहुत गुणकारी होते हैं. इसके पत्तों कर सूप, सलाद या जूस में मिलाकर सेवन किया जाता है. इसके अलावा इसका पाउडर पानी में घोलकर या स्मूदी में डालकर पीते हैं. डॉक्टर ने बताया कि सहजन के बीजों का उपयोग पानी शुद्ध करने और औषधीय उपचारों में किया जाता है.

सुपरफूड से कम नहीं सहजन

सहजन स्वास्थ्य के लिए लाभदायक औषधि है. रोजाना इसका सेवन करने से शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं और यह कई बीमारियों से बचाव में मदद करता है. आयुर्वेदिक डॉक्टर नरेंद्र कुमार ने बताया कि सहजन का उपयोग हजारों वर्षों से विभिन्न रोगों के उपचार में किया जाता है. सहजन वात दोष में राहत देता है. यह एसिडिटी और जलन को कम करता है. वही सर्दी, खांसी, बलगम में भी कम करने में मदद करता है. इसके अलावा सहजन की पत्तियां और फली कैल्शियम और फॉस्फोरस से भरपूर होती हैं, जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं. गठिया और जोड़ों के दर्द में सहजन की पत्तियों का रस और इसकी चाय लाभदायक होती है.

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

डॉक्टर के अनुसार, सहजन में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन ष्ट प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं. बार-बार होने वाली सर्दी-खांसी से बचाव में मदद करता है. इसके अलावा इसमें फाइबर और आयुर्वेदिक गुण होते हैं, जो कब्ज, अपच और गैस की समस्या को ठीक करते हैं. पेट के कीड़ों को नष्ट करने में भी सहजन के बीज उपयोगी होते हैं. इसके अलावा सहजन डायबिटीज, हृदय रोग, त्वचा और बालों के लिए, वजन घटाने, यौन शक्ति बढ़ाने में बहुत उपयोगी है.

आदिवासी बच्चों का अनोखा स्कूल

यहां आधुनिक रिकार्डिंग स्टूडियों भी है, जहां आदिवासी संस्कृति पर वीडियो बनाए जाते हैं, इसका भील वॉयस नामक एक यू ट्यूब चैनल भी है, जिसमें कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। स्कूल की शुरूआत में बिना पाठ्यपुस्तकों के ही पढ़ाई होती थी। भिलाली और हिन्दी में बच्चों को पढ़ना-लिखना सिखाया जाता था। लेकिन जल्द ही पाठ्यक्रम विकसित किया गया। अब तो मध्यप्रदेश के स्कूली पाठ्यक्रम के अलावा कौशल आधारित शिक्षा व प्रशिक्षण दिया जाता है।

मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले के ककराना गांव में ऐसा आवासीय स्कूल है, जहां न केवल पलायन करने वाले आदिवासी मजदूरों के बच्चे पढ़ते हैं बल्कि हुनर भी सीखते हैं। यहां उनकी पढ़ाई भिलाली, हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में होती है। वे यहां खेती-किसानी से लेकर कढ़ाई, बुनाई, बागवानी और मोबाइल पर वीडियो बनाना सीखते हैं। आज के कॉलम में इस अनोखे स्कूल की कहानी सुनाना चाहूंगा, जिससे यह पता चले कि स्थानीय लोग भी स्कूल बना सकते हैं, चला सकते हैं और उनके बच्चों को शिक्षित कर सकते हैं।मैं इस स्कूल को देखने और समझने दो बार जा चुका हूं। स्कूल के अतिथि गृह में ठहरा हूं। इस दौरान शिक्षकों, छात्रों और ग्रामीणों से मिला हूं। कई गांवों में गया हूं। मुझे यह देखकर सुखद आश्चर्य हुआ कि यहां का स्कूल बहुत ही अनुशासित, व्यवस्थित और नियमित है। स्कूल के साथ-साथ प्रकृति से जुड़कर पढ़ाने पर जोर दिया जाता है। यहां के अधिकांश शिक्षक स्वयं आदिवासी हैं, और इनमें से एक-दो तो इसी स्कूल से पढ़े हैं।

पश्चिमी मध्यप्रदेश का अलीराजपुर जिला सबसे कम साक्षरता वाले जिलों में से एक है। यहां के बाशिन्दे भील आदिवासी हैं। यहां की प्रमुख आजीविका खेती है। लेकिन चूंकि असिंचित और पहाड़ी खेती है, इसलिए अधिकांश लोग पलायन करते है। यहां के अधिकांश लोग राजस्थान और गुजरात में मजदूरी के लिए जाते हैं, इसलिए उनके बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाती थी। लेकिन इस आवासीय स्कूल से बच्चों की पढ़ाई हो रही है।इस इलाके में आदिवासियों के हक और सम्मान के लिए खेडुत मजदूर चेतना संगठन सक्रिय रहा है। शुरूआत में इस संगठन ने अनौपचारिक रूप से आदिवासी बच्चों को पढ़ाना शुरू किया। लेकिन बाद में इसके कार्यकर्ता कैमत गवले व गांववासियों ने मिलकर ककराना गांव में आवासीय स्कूल की शुरूआत की। यह वर्ष 2000 की बात है। स्कूल का नाम रानी काजल जीवनशाला है। यह स्कूल, मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग में पंजीकृत है और यहां माध्यमिक स्तर की शिक्षा दी जाती है।

स्कूल के प्राचार्य निंगा सोलंकी बताते हैं कि वर्ष 2008 में हमने कल्पांतर शिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र समिति गठित की, जो स्कूल के संचालन के लिए वित्तीय मदद जुटाती है। हाल ही में महिला जगत लिहाज समिति नामक संस्था ने भी संचालन में सहयोग करना शुरू किया है,जिसकी मदद से नए भवन बने हैं और छात्रावास भी संचालित हो रहा है। स्कूल का सर्व सुविधायुक्त परिसर है, भवन हैं और 2 एकड़ जमीन है, जिसमें हरे-भरे पेड़-पौधों के साथ जैविक खेती भी होती है।यह परिसर पहाड़ियों से घिरा हुआ है। यहां मिट्टी-पानी का संरक्षण हो, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। मिट्टी का क्षरण न हो और पानी की एक बूंद भी परिसर से बाहर न जाए, इसलिए परिसर में पेड़-पौधों का रोपण किया गया है। यहां सागौन, महुआ, शीशम, कटहल, बादाम, सीताफल, जाम, नीम, नींबू, अंजन जैसे करीब 2000 पौधे रोपे गए हैं। विद्यार्थी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व संवर्धन का काम करते हैं। परिसर में सैकड़ों तरह के पक्षियों का बसेरा भी है।वे आगे बताते हैं कि आदिवासी बच्चों के लिए आवासीय स्कूल की जरूरत है, क्योंकि उनके परिवार में पढ़ाई-लिखाई का कोई माहौल नहीं है। वे आजाद भारत में पहली पीढ़ी हैं, जो शिक्षित हो रहे हैं। हमने यह महसूस किया कि बच्चों को एक दिन के स्कूल की तुलना में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इसलिए आवासीय स्कूल का निर्णय लिया गया। दैनिक स्कूलों में कामकाज की समीक्षा से पता चला कि अशिक्षित माता-पिता के बच्चों के प्रभावी शिक्षण के लिए उन्हें नियमित स्कूली घंटों के अलावा भी पढ़ाने की जरूरत है। इन्हें जो शिक्षक पढ़ाते हैं, वे भी उनके बीच के हैं और परिसर में ही रहते हैं।इस शाला का नाम आदिवासियों की देवी रानी काजल के नाम पर रखा गया है। जिसके बारे में मान्यता है कि यह देवी महामारी व संकट के समय उनकी रक्षा करती है। स्कूल की फीस का ढाचा ऐसा है कि अभिभावक इसे वहन कर सकें।प्राचार्य सोलंकी बतलाते हैं कि इस स्कूल का उद्देश्य आदिवासी पहचान और संस्कृति का संरक्षण करना भी है। इसमें दूसरी कक्षा तक भिलाली भाषा में बच्चों को पढ़ाया जाता है। और इसके बाद हिन्दी और अंग्रेजी भी पढ़ाई जाती है। कुछ भीली किताबों का अंग्रेजी और हिन्दी में भी अनुवाद किया गया है।वे आगे बताते हैं कि यहां पढ़ाई के साथ हाथ के हुनर व कारीगरी सिखाई जाती है। किसानी, लोहारी, बढ़ईगिरी, सिलाई और बागवानी इसमें प्रमुख हैं। पिछले वर्ष मध्यप्रदेश शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित पांचवी और आठवीं कक्षा की परीक्षाओं में इस विद्यालय के विद्यार्थी जिले में अव्वल आए थे। कुछ अधिकारी और सरकारी नौकरियों में गए हैं। स्कूल के एक शिक्षक हैं, जो पहले इसी स्कूल के विद्यार्थी रह चुके हैं। पहली बार नर्मदा किनारे गांवों की लड़कियां पढ़ रही हैं, और उनमें से एक शिक्षिका भी बन गई हैं।इसके अलावा, यहां आधुनिक रिकार्डिंग स्टूडियों भी है, जहां आदिवासी संस्कृति पर वीडियो बनाए जाते हैं, इसका भील वॉयस नामक एक यू ट्यूब चैनल भी है, जिसमें कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।स्कूल की शुरूआत में बिना पाठ्यपुस्तकों के ही पढ़ाई होती थी। भिलाली और हिन्दी में बच्चों को पढ़ना-लिखना सिखाया जाता था। लेकिन जल्द ही पाठ्यक्रम विकसित किया गया। अब तो मध्यप्रदेश के स्कूली पाठ्यक्रम के अलावा कौशल आधारित शिक्षा व प्रशिक्षण दिया जाता है।हर साल गर्मी की छुट्टियों के दौरान प्राचार्य निंगा सोलंकी और शिक्षिका रायटी बाई ने नई

शिक्षण पद्धति अपनाई है। वे पाठ्यक्रम से संबंधित शैक्षणिक वीडियो व आडियो बनाते हैं, जिन्हें बाद में बच्चों के माता-पिता के मोबाइल पर साझा किया जाता है। इससे बच्चे परिसर के बाहर घर में भी उनकी पढ़ाई जारी रखते हैं। महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए फोन कॉल और संदेशों का आदान-प्रदान भी किया जाता है।प्राचार्य सोलंकी बतलाते हैं कि आदिवासियों की संस्कृति, बोलियां और जीवनशैली आधुनिक प्रभावों के कारण तेजी से बदल रही है। उनकी पारंपरिक जीवनशैली का अनूठापन लुप्त हो रहा है, इसलिए हमने भीली में यह कार्यक्रम शुरू कियाै, जिससे उसका संरक्षण किया जा सके।इसके लिए अमेरिका में प्रवासीय भारतीय प्रोफेसर उत्तरन दत्ता ने सहयोग दिया है और उनके मार्गदर्शन में 15-20 बच्चों को मोबाइल वीडियोग्राफी और वीडियो संपादन का प्रशिक्षण दिया गया है। इसके माध्यम से लोकगीत, कहानियां और पारंपरिक उपचार विधियों और जंगलों के खान-पान व महत्व पर आधारित कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं।कुल मिलाकर, यह आदिवासी मजदूर बच्चों का आवासीय स्कूल है, जिसमें न केवल पढ़ाई करते हैं, बल्कि गतिविधि आधारित शिक्षा भी हासिल करते हैं। प्रकृति अवलोकन, श्रम आधारित उत्पादन पद्धति से भी सीखते हैं।

उनकी भीली-भिलाली भाषा में मौलिक अभिव्यक्ति भी करते हैं। इसके लिए उनका यू ट्यूब चैनल भी है। इस स्कूल के मूल्यों में एक आदिवासी पहचान,संस्कृति व अच्छी परंपराओं का संरक्षण करना भी है।इस स्कू ल की खास बात यह भी है कि स्कूली शिक्षक उनके बीच रहते हैं। जिज्ञासा, सवाल व समस्याओं के हल के लिए सहज ही उपलब्ध हैं। वे एक परिवार की तरह रहते हैं। बच्चों को तोतारटंत किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि श्रम के मूल्य साथ समझ विकसित करने की कोशिश की जाती है। इस स्कूल ने श्रम के मूल्य का बोध भी कराया है, जिसका पूरी शिक्षा व्यवस्था में लोप हो गया है। यह पूरी पहल सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय भी है।

संपादकीय

ट्रूडो की शिकस्त

अपनी सरकार बचाने के लिये भारत विरोध की हद पार करने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को करारी शिकस्त मिली है। जिन लोगों को खुश करने के लिये ट्रूडो भारत के खिलाफ बेतुके आरोप गढ़ रहे थे, उन्होंने भी उनका साथ नहीं दिया। उस दल की समर्थन वापसी के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया है और नये प्रधानमंत्री के चुने जाने तक कार्यवाहक दायित्व निभा रहे हैं। बहरहाल, उन्होंने भारत के साथ रिश्तों को भी इतिहास के सबसे बुरे दौर में पहुंचा दिया था। निज्जर हत्या मामले में विदेशी हाथ के नाम पर भारत पर गंभीर आरोप लगाने के बाद इस बाबत एक जांच आयोग बैठा था। बीते मंगलवार कनाडाई जांच आयोग ने भारत के खिलाफ रचे गए आरोपों को खारिज कर दिया। दरअसल, ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में विदेशी हाथ होने के आरोप लगाकर भारत को घेरने की कोशिश की थी। लेकिन कनाडाई आयोग ने सारी शंकाओं को दूर कर दिया है। आयोग ने अपनी रपट में साफ किया कि जून 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप निज्जर की हत्या में विदेशी भूमिका के बाबत कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। जाहिर है, तथ्यों को तोड़मरोड़ कर ट्रूडो ने जिस तरह भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की साजिश रची थी, उस पर पानी फिर गया है। इस तरह ट्रूडो ने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये समर्थन देने वाले जिस दल को खुश करना चाहा था, उसने भी समर्थन वापस ले लिया। दूसरी ओर भारत के साथ संबंधों को भी उन्होंने सबसे बुरे दौर में पहुंचा दिया। ट्रूडो को लेकर एक बार फिर वही कहावत चरितार्थ हुई है कि 'न खुदा ही मिला न विसाल-ए-सनम, न इधर के हुए न उधर के हुए'। बहरहाल, इस रिपोर्ट के आने बाद आस जगी है कि दोनों देशों के संबंधों में सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि ट्रूडो ने न केवल देश के सार्वजनिक मंचों बल्कि अपने देश की संसद में भी आरोप लगाया था कि निज्जर हत्याकांड में भारतीय खुफिया एजेंसियों की भूमिका रही है।निश्चित रूप से कनाडा की संसद में दिया गया ट्रूडो का यह बयान अपरिपक्व व गैरजिम्मेदार था। आखिर कैसे अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की मर्यादाओं का ध्यान रखे बिना किसी देश को कठघरे में खड़ा किया जा सकता है? कैसे ट्रूडो ने बिना जांच-पड़ताल के ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश को दोषी घोषित करने के नापाक मंसूबे पाल लिए?

भारत ने कई बार ट्रूडो सरकार से सबूत मांगे, जो भारत को कभी उपलब्ध ही नहीं कराए गए। इस तरह भारत के पक्ष पर मोहर लगाकर कनाडाई जांच आयोग ने साबित कर दिया है कि ट्रूडो का भारत विरोध दुराग्रहों से ही प्रेरित था। यही वजह थी कि दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को अपने देशों से निकाला और इससे नागरिकों का मुक्त आवागमन बाधित हुआ है। लेकिन यह भी हकीकत है कि इस गैरजिम्मेदार व्यवहार के कारण कनाडा में उनकी लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से नीचे गिरा। कालांतर देश के मिजाज को समझते हुए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

नये नेता का चुनाव होने तक ही उन्हें इस पद पर रहने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि इस साल कनाडा में आम चुनाव होने वाले हैं। बहरहाल, इस मामले में ट्रूडो के आरोप खारिज होने के बाद भारत के खिलाफ मुहिम चलाने वालों का भी मनोबल जरूर गिरेगा। ऐसे में भारत उन देशों पर आने वाले समय में दबाव बना सकेगा, जो अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत विरोधी गतिविधियों को शह देते हैं। खासकर अमेरिका व ब्रिटेन की सरकारों को इस पहलू पर गंभीरता से विचार करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस साल होने वाले आम चुनावों के बाद कनाडा में जो नई सरकार आएगी, उसके साथ भारत के बेहतर संबंध स्थापित हो पाएंगे। निश्चय ही नयी सरकार अतीत की गलतियों से सबक लेकर रिश्तों को सामान्य बनाने की दिशा में गंभीर पहल करेगी।

'स्वराज संवाद' की जरूरत

गांवों में ऐसी नीतियां व तकनीकें न आएं जिनसे किसानों की क्षति होती है व वे लूटे जाते हैं, अपितु ऐसी नीतियां आएं जिनसे किसानों का आधार मजबूत हो, खेती-किसानी व पशुपालन जैसी आजीविका अधिक समृद्ध व टिकाऊ बने। गांवों में हरियाली बढ़े, जल-संरक्षण हो, पर्यावरण की रक्षा हो। किसान अपने बीजों की रक्षा करें व महंगी तकनीकों के स्थान पर स्थानीय संसाधनों पर आधारित, पर्यावरण की रक्षा करने वाली सस्ती-से-सस्ती तकनीकों का बेहतर उपयोग कर अधिक व उचित उत्पादन प्राप्त करें।

हमारे समाज में जो सबसे सार्थक व उपयोगी सोच अनेक दशकों से रही है, उसे निरंतर नई चुनौतियों से जोड़ते रहने व नए स्तर से अधिक उपयोगी बनाए रखने की जरूरत है। इस तरह यह सोच अधिक महत्वपूर्ण व सार्थक रूप से मौजूदा समाज, विशेषकर नई पीढ़ी के सरोकारों से भी जुड़ी रहेगी व उनकी समस्याओं के समाधान में अधिक उपयोगी सिद्ध होगी।इस तरह का एक प्रयास हाल ही में एक राष्ट्रीय स्तर के %स्वराज संवाद% के रूप में देखा गया जिसका विषय यह था, %परंपरागत ग्रामीण व आदिवासी ज्ञान का बेहतर उपयोग जलवायु बदलाव के संकट के समाधान के लिए कैसे हो सकता है।% इस संवाद का आयोजन %राईज क्लाईमेट अलायंस% व %वागधारा% ने किया था। इस संवाद में टिकाऊ खेती, बीज संरक्षण, जल-संरक्षण, वैकल्पिक ऊर्जा, पंचायती राज व विकेन्द्रीकरण आदि के संदर्भ में बहुत प्रेरणादायक कार्यों व उस पर आधारित आगे के सुझावों को प्रस्तुत किया गया। इससे जलवायु बदलाव का संकट कम भी हो सकता है व ग्रामीण समुदाय उसका सामना करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार भी हो सकते हैं।

इस संवाद में यह भी सामने आया कि इन उपलब्धियों को प्राप्त करने के लिए विकेन्द्रीकरण, गांवों में बढ़ती आत्म-निर्भरता और स्वराज की राह अपनाने से बहुत मदद मिलती है। इस राह पर चलते हुए यदि परंपरागत ज्ञान का उपयोग टिकाऊ आजीविका को सुदृढ़ करने, ग्रामीण समुदायों, विशेषकर महिलाओं व आदिवासी समुदायों को सशक्त करने व जलवायु बदलाव के संकट के समाधानों के प्रयास एक साथ किए जाएं, तो यह बहुत रचनात्मक व उपयोगी हो सकता है व इसके बहुत उत्साहवर्धक परिणाम मिल सकते हैं। यह जलवायु बदलाव के समाधान की ऐसी राह होगी जो हमारे अपने ग्रामीण विकास व छोटे किसानों के हितों के अनुकूल है व अनेक अन्य विकासशील देशों को इसमें बहुत रुचि हो सकती है।

स्वराज का महत्व केवल नीतियों, कार्यक्रमों या योजनाओं के संदर्भ में नहीं है, इसका महत्त्व सांस्कृतिक व वैचारिक संदर्भ में भी है। साम्राज्यवादी विचारधारा बड़ी चालाकी से और बहुत साधन-संपन्न तरीकों का उपयोग करते हुए हमारी सोच पर हावी होना चाहती है। उसका प्रयास है कि केवल साम्राज्यवादी, पूंजीवादी, कारपोरेट, बड़े बिजनेस की सोच ही हावी हो। अत- स्वराज का महत्व सामाजिक, सांस्कृतिक व वैचारिक क्षेत्रों में साम्राज्यवाद के विरोध को आगे बढ़ाने व अपनी आजादी की सोच को सही संदर्भ में रखने से भी जुड़ा है। स्वराज की सोच है कि हमारे साधनों को कोई नहीं लूटेगा, उनका बेहतर-से-बेहतर उपयोग हम अपने लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए करेंगे या पर्यावरण और विभिन्न तरह के जीवन की रक्षा के लिए करेंगे।गांवों में ऐसी नीतियां व तकनीकें न आएं जिनसे किसानों की क्षति होती है व वे लूटे जाते हैं, अपितु ऐसी नीतियां आएं जिनसे किसानों का आधार मजबूत हो, खेती-किसानी व पशुपालन जैसी आजीविका अधिक समृद्ध व टिकाऊ बने। गांवों में हरियाली बढ़े, जल-संरक्षण हो, पर्यावरण की रक्षा हो। किसान अपने बीजों की रक्षा करें व महंगी तकनीकों के स्थान पर स्थानीय संसाधनों पर आधारित, पर्यावरण की रक्षा करने वाली सस्ती-से-सस्ती तकनीकों का बेहतर उपयोग कर अधिक व उचित उत्पादन प्राप्त करें।गांवों के हितों की रक्षा हो सके, इसके लिए गांवों में स्वशासन मजबूत हो। पंचायत राज में जरूरी सुधार किए जाएं। ग्रामसभा व वार्डसभा को सशक्त किया जाए। पंचायतों व ग्रामसभाओं को समुचित अधिकार व संसाधन मिलें यह जरूरी है, पर साथ में यह भी जरूरी है कि जो गांवों में अभी तक सबसे कमजोर व निर्धन रहे हैं उनके अधिकारों व हितों की रक्षा का विशेष प्रयास हो।जिन गांवों में पहले से समानता है, वहां तो विकेंद्रीकरण से लाभ-ही-लाभ हैं क्योंकि ग्रामसभा में सब परिवार समान रूप में भागीदारी कर सकेंगे, पर जहां चंद सामन्ती व धनी तत्त्वों का दबदबा है या कुछ अपराधी छवि के व्यक्ति हावी हैं, उनकी कुचेष्टा यह होगी कि निर्धन व कमजोर परिवारों को ग्रामसभा के स्तर पर भी दबा दिया जाए व अपनी सामंतशाही ही चलाई जाए।

ऐसे में पंचायतों में भी कमजोर वर्ग के हितों की रक्षा के विशेष प्रयास जरूरी हैं। साथ में व्यापक स्तर पर समानता लाने, निर्धन भूमिहीनों को भूमि देने व उनकी बेहतरी के अन्य प्रयासों की विशेष जरूरत है। ऐसा नहीं होगा तो भूमि व अन्य संसाधनों के अभाव में सबसे निर्धन परिवार स्वराज से वंचित ही रहेंगे। स्वराज उन्हें भी मिले इसलिए सबसे गरीब व कमजोर लोगों के हित में व्यापक प्रयास जरूरी है - गांवों में भी और शहरों में भी।इस तरह स्वराज के साथ समता की सोच भी अनिवार्य तौर से जुड़ी है। यदि स्वराज के साथ समता को नहीं जोड़ा गया तो देश के सबसे जरूरतमंद लोग स्वराज से वंचित ही रह जाते हैं। आदिवासियों के संदर्भ में स्वराज का विशेष महत्त्व है क्योंकि अब तक वे देश के सबसे उपेक्षित समुदायों में रहे हैं तथा उनके जल, जंगल, जमीन पर बड़ा हमला भी हो रहा है। स्वराज की सोच में आदिवासी अधिकारों की रक्षा का भी अपना विशेष महत्त्व है।इस तरह एक ओर स्वराज की व्यापक स्तर पर सोच साम्राज्यवाद की अगुवाई वाले भूमंडलीकरण के विरोध से जुड़ी है तो दूसरी ओर यह जमीनी स्तर पर विकेंद्रीकरण को मजबूत करने व हर स्तर पर समतावादी सोच अपनाने से भी जुड़ी है। %स्वराज संवाद% में देश के लगभग सभी राज्यों के लगभग 500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उम्मीद है कि इस माध्यम से नए संदर्भों में भी स्वराज संदेश फैल सकेगा व जलवायु बदलाव के ऐसे समाधानों की सोच अधिक व्यापक बनेगी जो टिकाऊ विकास, किसानी संकट के समाधान व ग्रामीण समुदायों के सशक्तीकरण से भी जुड़े हैं।

रात के खाने में ना खाएं दही

हम सभी जानते हैं कि दही खाना सेहत के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही एक सुपर फूड है, जिसे हर दिन खाया जा सकता है और यह सेहत को सिर्फ एक नहीं अनेक तरीकों से लाभ पहुंचाती है। पाचन से लेकर त्वचा और बाल सबको हेल्दी रखती है। इस विषय पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। आज हम इस विषय पर बात करेंगे कि आखिर रात के खाने में दही खाने को क्यों मना किया जाता है.

लाभकारी दही हानि क्यों करने लगती है?

- आपने अपने पैरंट्स से अक्सर सुना होगा कि रात के समय दही या दही से बना रायता नहीं खाना चाहिए। लेकिन आज कल शादी-पार्टीज में यह ट्रेंड है कि आप रात के 12 बजे भी डिनर ले रहे होंगे तो आपको रायता जरूर मिलेगा खाने में.। खैर, सर्व करनेवाले तो सर्व करते है। यह तो आपको निर्णय लेना है कि रात में रायता या दही खाकर आप बीमार पड़ना चाहते हैं या नहीं।
- दही पाचनतंत्र को ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। लेकिन यदि दही का सेवन रात में किया जा तो पाचनतंत्र भी डिस्टर्ब होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।

पाचकाग्नि को मंद हो जाती है

- अब आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर रात में दही खाने पर ऐसा क्या हो जाता है? तो जान लीजिए कि रात को दही खाने पर पाचनतंत्र मंद हो जाता है। आयुर्वेद की भाषा में बात करें तो जठराग्नि मंद हो जाती है और शरीर की वायु कुपित हो जाती है। इस कारण रात में दही का सेवन करने पर हाथ, पैर, सिर, कमर या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है।

जुकाम लगा सकती है दही

- इसके साथ ही दही खाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर इस लिए बुरा असर पड़ता है, क्योंकि दही तासीर में ठंडी होती है। यदि रात में दही खाई जाती है तो शरीर में कफ की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इससे गले में दर्द, खराश, बलगम वाली खासी, सिर में भारीपन, जुकाम आदि की समस्या हो सकती है।

जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है

- जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की शिकायत होती है यदि वे लोग रात के समय दही खाना शुरू कर दें तो यकीन मानिए कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब उनके जोड़ों का दर्द इस कदर बढ़ जाएगा कि दिन-रात का चैन खो सकता है।

सो नहीं पाते ऐसे लोग

- जिन लोगों को अस्थमा की शिकायत है, उन्हें रात के समय भूल से भी दही का सेवन नहीं करना चाहिए। नहीं रात के समय अस्थमा अटैक के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है। हालांकि सभी लोगों को इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए खट्टी दही और मीठी दही दोनों के शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होते हैं। लेकिन रात के समय आपको किसी भी प्रकार की दही लेने से बचना चाहिए।

आ सकता है बुखार

- रात के समय दही खाना आपको बुखार आने का कारण भी बन सकता है। इसकी वजह ऊपर बताए गए कारणों को मिलाकर तैयार हो जाती है। क्योंकि शरीर में पित्त और वायु का कुपित होना, जुकाम लगना, शरीर में दर्द होना जैसी समस्याएं शरीर के सामान्य तापमान को स्थिर नहीं रहने देती हैं। इससे बुखार आने की समस्या हो सकती है।

रात को दही खाने से बढ़ती है सूजन

- रात को दही खाने से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या बढ़ सकती है। क्योंकि रात में दही का सेवन करने से पित्त की मात्रा में बढ़ोतरी हो सकती है, जो आपके शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करेगा।
- अगर आपके शरीर में सूजन की समस्या पहले से है या कोई चोट लगी हुई है तो रात के समय दही खाना आपके शरीर को अंदर से कमजोर करने का काम करेगा। इससे आपके शरीर में दर्द और पीड़ा कई गुना बढ़ सकती है।

जरूरी नहीं अगले दिन ही दिखे रिजल्ट

- अगर आपको लगता है कि आपने तो रात को दही खाई थी, आपको तो कोई समस्या नहीं हुई। तो यह जरूरी नहीं है कि आपने रात में दही खाई है तो अगले दिन सुबह के समय ही आपके शरीर में बीमारी के लक्षण दिखने लगेंगे। ये लक्षण दिन में किसी समय, अगली रात में या एक-दो दिन बाद भी नजर आ सकते हैं।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर किसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अलग-अलग होती है। एक तरफ जहां किसी में एक बार रात को दही खाने के बाद कुछ ही घंटे में तबीयत खराब हो सकती है तो किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में इसका असर 3 दिन बाद भी दिख सकता है।

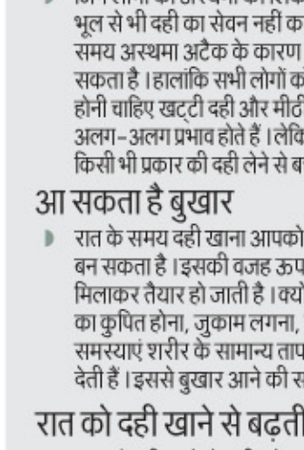

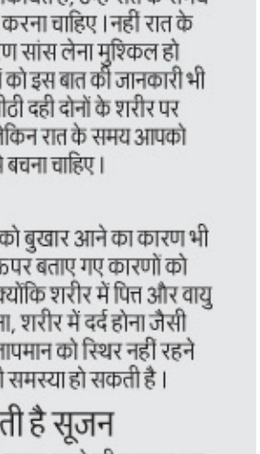

खून के थक्के बनने से रोकने की दवा लेते हैं तो न खाएं हरा साग

हरा साग जैसे पालक क्लॉटिंग रोकने वाली वार्फरिन या कुमारिन दवाओं के असर को काफी हद तक कर देता है बेअसर इसलिए ऐसे लोग जो इन दवाओं को प्रयोग करते हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि हरा साग न खाएं।

जिन रोगियों में खून के असामान्य थक्कों के बनने और खून जमने की समस्या होती है, उन्हें एक विशेष दवा के सेवन के कारण कई बार हरा साग खाने से मना किया जाता है। यह दवा वार्फरिन है। यह और इसके जैसी अनेक दवाएं, जिन्हें कुमारिन-परिवार की दवाएं कहते हैं, विटमिन-के का प्रतिरोध करती हैं। इम्यूनोलॉजिस्ट एवं यूमैटॉलजिस्ट कहते हैं, विटमिन-के का काम खून की क्लॉटिंग से होता है। यह विटमिन यकृत में जमा होता है और इसी कारण हमारा खून सही ढंग से जमता है। यह विटमिन शरीर में क्लॉटिंग फैक्टरों का निर्माण करता है। विटमिन-ख न हो तो न जाने कितने ही लोगों की रक्तस्राव से मौत हो जाए, लेकिन फिर अनेक रोगियों में खून का जमना हानिकारक हो जाता है। मान लीजिए किसी रोगी में हृदयवॉल्व की सर्जरी हुई है या उसे कोई ऐसा रोग है, जिसमें खून बार-बार और जल्दी-जल्दी जमा करता है। ऐसे में अगर विटमिन-के का प्रतिरोध न किया गया, तो फिर खून का लगातार जमना हानिकारक या कभी-कभी जानलेवा साबित होगा। इसलिए ऐसे रोगियों में खून को पतला करने वाली दवाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं दवाओं में कुमारिन-परिवार की सदस्य दवाएं भी शामिल हैं, जिनमें वार्फरिन प्रमुख है। हरा साग विटमिन-के का प्रमुख स्रोत है। इसे खाने से शरीर को विटमिन-ख की प्राप्ति होती है। लेकिन फिर जिन रोगियों को विटमिन-ख नहीं चाहिए या जिनके लिए विटामिन-के की प्रचुरता हानिकारक है, वे क्या करें? वह ब्लड की क्लॉटिंग (स्तम्भन) को रोकने के लिए वार्फरिन जैसी दवाओं पर निर्भर रहते हैं। और हरे साग का सेवन वार्फरिन को समुचित कार्य करने से रोकेगा।

आयरन की गोलियां खाएं

इसलिए डॉक्टर की सलाह होती है कि अगर आप वार्फरिन या अन्य कुमारिन-दवाएं खाते हैं, तो हरा साग कम-से कम खाएं या न खाएं। हां, यह जरूर है कि ऐसा करने से आपको आवश्यक आयरन नहीं मिलेगा और अनीमिया की आशंका बढ़ जाएगी, लेकिन ऐसी परिस्थिति में वार्फरिन के साथ हरे साग की बजाय आयरन की गोलियों का सेवन कहीं बेहतर है।

घुटने का दर्द हो जाएगा छूमंतर ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहा पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नीबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

खर्राटों की समस्या से निजात दिलाएगा चुंबक

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चुंबकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है। इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा।

यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लैकेनहोरस्ट ने कहा, हरी पत्तेदार सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन- के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉरस्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉरस्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

शरीर के लिए कमाल है ऊंटनी का दूध

कहते हैं कि गाय-भैंस या बकरी का दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है, लेकिन क्या कभी आपने ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुना है अगर नहीं, तो आइए हम आपको ऊंटनी का दूध पीने के फायदे बताते हैं।

दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुनकर आप दंग रह जाएंगे। जी हां ऊंटनी का दूध न सिर्फ आपको सेहतमंद बनाता है, बल्कि आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं, तो दवा के रूप में काम करता है। शायद आपको यकीन न हो, लेकिन इसका एक उदाहरण है- राजस्थान के टोंक गांव में रहने वाले हनुमान बलि। जिसने अपनी बीमारी में कई सालों दवा पर लांखों रुपए खर्च किए, लेकिन किसी दोस्त की सलाह पर उसने ऊंटनी का दूध पीना शुरू किया और उसकी बीमारी 1 महीने में ही आसानी से कटने लगी।

ऊंटनी के दूध में ऐसे शक्तिशाली गुण होते हैं, जो आपकी कई जटिल बीमारियों को ठीक करने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि ऊंटनी के दूध में सभी जरूरी पोषक तत्व जैसे- प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, प्राकृतिक शुगर, फाइबर, लैक्टिक अम्ल, आयरन, मैग्निशियम, अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल और कई विटामिन्स पाए जाते हैं। यह सभी पोषक तत्व शरीर को स्वस्थ और सुंदर रखने में मदद करते हैं। आइए हम आपको यहां ऊंटनी का दूध पीने के स्वास्थ्य लाभ बताते हैं।

डायबिटीज कंट्रोल करने में मददगार

यदि आप कम से कम 1 या 2 महीने भी नियमित रूप से ऊंटनी का दूध पीते हैं, तो यह आपके ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल कर डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार है। ऊंटनी के दूध में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो कि ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और आपको एर्नेजेटिक रखने में सहायक है। ऊंटनी के एक लीटर दूध में कम से कम 52 से 55 यूनिट इंसुलिन की मात्रा होती है, जो अन्य किसी पशु के दूध में नहीं पाई जाती। इसलिए कई वर्षों से इसका इस्तेमाल डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके बारे में कम ही लोग जानते हैं।

एलर्जी में फायदेमंद

यदि आपको या आपके बच्चे को फूड एलर्जी या कोई अन्य तरह की एलर्जी है, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। ऊंटनी का दूध एंटी-बैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर है। इसमें एलर्जी के साथ विभिन्न रोगों से लड़ने की क्षमता होती है। इसमें मौजूद इम्युनोग्लोबुलिन की उपस्थिति एलर्जी और उनके लक्षणों को कम करने में मददगार है।

वजन घटाना है तो पीएं ऊंटनी का दूध

आजकल तमाम लोग वजन घटाने की कोशिश में लगे रहते हैं। अगर आप भी उनमें से एक हैं, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। यह आपकी वेअ लॉस जर्नी का बेस्ट फ्रेंड बन सकता है, क्योंकि ऊंटनी का दूध प्रोटीन से भरपूर होने के साथ वसा में कम होता है, जिसका मतलब है कि यह आपको एक्सट्रा वेट को कम करने में और बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है।

ऑटिज्म का रामबाण इलाज

ऊंटनी का दूध ऑटिज्म का रामबाण इलाज है। जी हां ऊंटनी का दूध पीने से ऑटिस्टिक लक्षणों पर रोक लगाने में मदद मिलती है। ऊंटनी के दूध में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुणों की वजह से ऑटिज्म को खत्म करने में मदद मिल सकती है। एक अध्ययन में भी इस बात का ज़िक्र है कि ऊंटनी का दूध मंद बुद्धि बच्चों के लिए अमृत के समान है और यह ऑटिज्म के लक्षणों में सुधार कर सकता है।

मजबूत हड्डियों का सीक्रेट

ऊंटनी का दूध आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान कर सकता है और जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों को राहत दिला सकता है।

त्वचा के लिए बेहतर

ऊंटनी का दूध आपके खून को साफ करने, लिवर को स्वस्थ रखने और पाचन को बढ़ावा देने के साथ आपकी त्वचा में निखार लाने में मदद करता है। ऊंटनी के दूध में अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल होता है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। यह आपकी त्वचा को सॉफ्ट बनाने के साथ त्वचा पर झुर्रियों और फाइन लाइन्स को रोकता है।

क्यों तेजी से लोग हो रहे कैंसर के शिकार? एक साल में तीन गुना बढ़े केस

देशभर में सामान्य कैंसर समेत ओरल, सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल, 2019 द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक एनसीडी क्लीनिक्स ने 2017 से लेकर 2018 के बीच कैंसर के मामलों की पहचान की है। ये रिपोर्ट बताती है कि इस एक साल के अंतराल में कैंसर के मामले 324प्रतिशत यानी तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गए हैं।

रिपोर्ट की मानें तो पिछले साल एनसीडी क्लीनिक्स में 6।5 करोड़ लोगों ने कैंसर की जांच करवाई थी, जिसमें 1।6 लाख लोगों में सामान्य कैंसर पाया गया था। यानी लोगों में सामान्य कैंसर के अलावा भी दूसरे प्रकार के कैंसर तेजी से फैल रहे हैं।

जबकि साल 2017 में कैंसर के कुल 39,635 मामले ही देखने को मिले थे। 2017 से लेकर 2018 के बीच एनसीडी क्लीनिक्स में आए कैंसर पीड़ितों की संख्या भी दोगुनी हुई है।

पहले वर्ष जहां कैंसर के कुल 3।5 करोड़ मामले देखने को मिले थे, वहीं अगले वर्ष वो बढ़कर 6।6 करोड़ हो चुके थे। विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों के बदलती लाइफस्टाइल, स्ट्रेस, खान-पान की आदतें, एल्कोहल और तंबाकू का सेवन इसकी बड़ी वजह रहा है।

कैंसर के सबसे ज्यादा मामले गुजरात से सामने आए हैं। साल 2017 में गुजरात में 3,939 कैंसर पीड़ितों की पुष्टि हुई थी। वहीं, 2018 में ये संख्या बढ़कर 72,169 हो गई। यानी गुजरात में कॉमन कैंसर के नए मामले 68,230 बढ़े हैं। गुजरात के बाद सबसे खराब हाल कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का रहा है।

रेसिपी

मेथी चमन

सामग्री

- मेथी पत्ता: 1 कप
- पालक : 1 कप
- कटा हुआ पनीर: 150 ग्राम
- हरी मिर्च: 2
- बारीक क टा प्याज: 1
- जीरा: 1 चम्मच
- सरसों तेल: 3 चम्मच
- हल्दी पाउडर : 1/4 चम्मच
- धनिया पाउडर : 1 चम्मच
- गरम मसाला पाउडर : 1/2 चम्मच

विधि

एक पैन में पानी उबालें। उसमें थोड़ा-सा नमक डालें। गैस ऑफ करें। पालक एवं मेथी को अच्छी तरह से साफ करके धो लें। उबले हुए पानी में पालक व मेथी डालें। पैन को पांच मिनट के लिए ढककर छोड़ दें। पालक व मेथी को पानी से निकालें और तुरंत ठंडे पानी से धो लें। आधा कप गर्म पानी बाद में इस्तेमाल के लिए बचाकर रख लें। ब्लेंडर में दोनों साग व हरी मिर्च डालें व पेस्ट तैयार कर लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें जीरा एवं प्याज डालें। प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालकर तीन से चार मिनट तक भूनें। अब साग वाली प्यूरी और नमक को कड़ाही में डालकर मिलाएं। मध्यम आंच पर चार से पांच मिनट तक पकाएं। बचा हुआ गर्म पानी कड़ाही में डालकर मिलाएं। दो-चार मिनट और पकाएं। पनीर के टुकड़े और गरम मसाला पाउडर डालकर मिलाएं। कड़ाही को ढककर तीन-चार मिनट तक सब्जी को और पकाएं। गैस ऑफ करें। रोटी या परांठे के साथ सर्व करें।

पालक कढ़ी

सामग्री

- पालक : 1/2 किलो
- दही: 1 कटोरी
- बेसन: 4 चम्मच
- मेथी दाना: 8 चम्मच
- हींग चुटकी भर
- सौंफ : 1 चम्मच
- सूखी लाल मिर्च: 4
- नमक : स्वाद के अनुसार
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- तेल: 2 चम्मच

विधि

पालक को साफ करके धो लें और बारीक काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें हींग, मेथी, लाल मिर्च, सौंफ और हल्दी डालें। एक दो मिनट बाद कड़ाही में पालक डालें और मध्यम आंच पर भून लें। इस बीच एक बर्तन में दही, बेसन और पानी डालकर अच्छी तरह से फेंटें। जब पालक का पानी सूख जाए तो बेसन वाला यह मिश्रण कड़ाही में डालें और लगातार चलाते हुए मध्यम आंच पर कढ़ी को पकाएं। नमक डालकर मिलाएं। जब कढ़ी गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद करें। चावल के साथ गर्मागर्म पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

लॉफिंग ज़ोन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

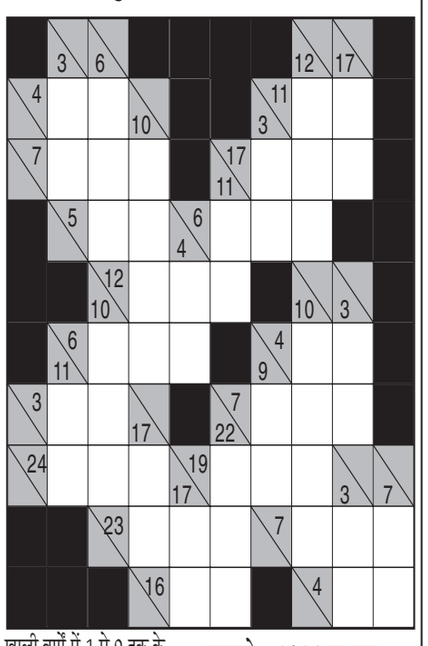

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

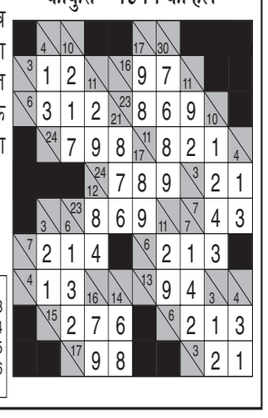

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

काकुरो पहेली - 1615

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1614 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 1615

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1614

सूडोकु -1615

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1614 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 1615

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली - 1614 का हल

बजट प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को दर्शाता है : चंद्रबाबू नायडू

एजेंसी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय बजट 2025-26 का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि कर छूट मध्यम वर्ग के लोगों के लिए एक बड़ी राहत है जो देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। आंध्र प्रदेश सरकार और जनता बजट से संतुष्ट है। नायडू ने अमरावती में केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को दर्शाता है। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज जन हितैषी, प्रगतिशील बजट पेश किया है। बजट में महिलाओं, गरीबों, युवाओं और किसानों के कल्याण को प्राथमिकता दी गई है। यह बजट राष्ट्रीय समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए समृद्ध भविष्य का वादा करने वाले एक व्यापक ब्लूप्रिंट के रूप में कार्य करता है। मुख्यमंत्री नायडू ने केंद्र सरकार और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई दी।

बिहार ने विकास के मानकों पर पिछले दो दशकों में जो उपलब्धि हासिल की है, यह बजट उसे और आगे ले जायेगा : नीतीश कुमार

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय बजट 2025-26 पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए आज कहा कि यह बजट बिहार के विकास को नई गति देगा । बिहार को देश के लिए की गई अन्य घोषणाओं के लाभ के साथ, कई विशेष सहयोग के प्रावधान किया जाना अत्यंत सराहनीय है। हमें पूरा विश्वास है की बिहार केंद्र के सहयोग से और तेजी से आगे बडेगा। बिहार ने विकास के मानकों पर पिछले दो दशकों में जो उपलब्धि हासिल की है, यह बजट उसे और आगे ले जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 से देश के सभी लोगों के साथ-साथ बिहार को भी खास उम्मीदें थीं। आशा के अनुरुप वित्तमंत्री ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए नए सुधारों के साथ-साथ पिछले कुछ वर्षों में किए गए प्रयासों में नीतिगत निरंतरता जारी रखा गया है। इससे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को मजबूती मिलेगी। वहीं मध्यम वर्ग, किसान युवा और महिलाओं को अपेक्षा से अधिक सहायता इस बजट के माध्यम से मिली है। यह बजट समावेशी विकास पर केंद्रित रहा है, जो केंद्र सरकार और बिहार सरकार की नीतिगत प्राथमिकता को दर्शाता है। जैसा की वित्तमंत्री जी नई कहा, यह बजट आम आदमी के लिए है और इसमें गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के लिए विशेष प्रावधान किये गए हैं।

बजट से स्पष्ट है कि भारत वैश्विक आर्थिकी में अपनी भूमिका और भी बड़ी करने जा रहा है: गजेन्द्र सिंह शेखावत

नई दिल्ली। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस बजट में मां लक्ष्मी का आशीर्वाद है। यह भारत के युवाओं को आत्मनिर्भरता, किसानों को अधिक आय, नारी शक्ति को सम्मान व स्वाभिमान तथा विशेष रूप से मध्यम एवं निम्न आय वर्ग को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने वाला बजट है। शेखावत ने कहा कि पिछले दस वर्षों में दुनिया ने एक नया और सशक्त भारत देखा है। इस बजट से स्पष्ट है कि भारत वैश्विक आर्थिकी में अपनी भूमिका और भी बड़ी करने जा रहा है। विकसित भारत के जनसंकल्प में हर भारतीय को शामिल करते 'भारत के इस बजट' के लिए विकासपुरुष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और संवेदी व कुशल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को हार्दिक साधुवाद। उन्होंने कहा कि हमारी विरासत को सुरक्षित करने के मकसद से घोषित, एक समय में एक पांडुलिपि बेहद महत्वपूर्ण कदम है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज घोषित ज्ञान भारतम मिशन भारत को देश भर में पाई जाने वाली इन पांडुलिपियों द्वारा रखे गए अमूल्य ज्ञान और ज्ञान को संरक्षित करने में सक्षम बनाएगा।

मध्यम वर्ग के लिए ग्रीन बजट : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह मध्यम वर्ग के लिए ग्रीन बजट है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर पेश बजट में 12 लाख रुपये तक की आय को कर मुक्त कर दिया। इससे मध्यम वर्ग को राहत मिली है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने मध्यम वर्ग के लिए अच्छा बजट पेश किया है। भाजपा की केन्द्र सरकार ने अपेक्षा से अधिक देने का प्रयास किया है। सात लाख की सीमा को सीधे बढ़ाकर 12 लाख कर दिया गया है। इससे मध्यम व मजदूर वर्ग और युवाओं को काफी लाभ होगा। इससे मध्यम वर्ग की जेब में काफी आय आएगी। उन्होंने कहा कि पहली बार तिलहन को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार 100 फीसदी गारंटी कीमत पर खरीद करेगी।

दिल्ली में 3-जी; यानी- घोटाले, घुसपैठियों और घपले की सरकार: अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली में 3-जी की सरकार चल रही है। 3जी का मतलब है- घोटाले वाली सरकार, घुसपैठियों को पनाह देने वाली सरकार और घपले करने वाली सरकार। शाह ने दिल्ली के मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी मोहन बिष्ट के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। शाह ने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली को कूड़ादान बना दिया है, बारिश में दिल्ली गंदे पानी के झील में परिवर्तित हो जाती है। दिल्ली में गटर के पानी से बीमारियां फैल रही हैं। दिल्लीवालों के पैसों से करोड़ों का अपना घर बनाने वाले केजरीवाल बड़े भोले बनकर कहते

थे कि हम गाड़ी नहीं लेंगे, बंगला नहीं लेंगे, सिक्योरिटी नहीं लेंगे। इन्होंने तो करोड़ों का बंगला भी बनाया और हजारों करोड़ का घोटाला भी किया।उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने कहा था हम यमुना नदी को साफ करेंगे, छठ पूजा बहुत अच्छे से होगी और मैं यमुना में डुबकी लगाउंगा लेकिन आज तक न छठ पूजा के घाट अच्छे हुए और न ही यमुना का पानी साफ हुआ। केजरीवाल बस बहाने बना रहे हैं कि हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी में जहर मिला दिया है। शाह ने कहा किकेजरीवाल जी, जहर हरियाणा सरकार ने नहीं मिलाया, आपने प्रदूषण फैलाकर यमुना के पानी को जहरीला बना दिया है। आम आदमी पार्टी की सरकार को 10 साल हो गए। अब समय आ गया है दिल्ली को इस आप-दा से मुक्त करने का, दिल्ली को शराब माफिया से मुक्त करने का, घोटालेबाजों की दुकानें बंद करने का, कट्टर बेईमानों को दिल्ली से हटाने का। केंद्रीय बजट का उल्लेख कर शाह ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी ने इस बजट में पूर्वांचल को निहाल कर दिया है। बिहार, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड को हजारों करोड़ रुपये की योजनाएं दी हैं। साथ ही मध्यम वर्ग को 12 लाख रुपये तक की आय को इनकम टैक्स से मुक्त कर दिया है। गिग वर्कर (जोमैटो, स्वीगी जैसे ऑनलाइन प्लेटफार्म के लिए काम करने वाले) को ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर करना है और आपको मुफ्त इलाज मिलेगा। जनसभा के बाद शाह ने करावल नगर और रोहताश नगर में भी जनसभाएं कीं और दिल्ली के लोगों से भाजपा उम्मीदवारों को भारी मतों से जिताने की अपील की।

बीजापुर में मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए, कई हथियार बरामद

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले के गंगालूर थानाक्षेत्र के नक्सल प्रभावित इलाके में एक बार फिर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के जवानों ने आठ नक्सलियों को मार गिराया। मारे गये सभी 8 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। साथ ही मौके से इंसास राइफल, बीजीएल लॉन्चर सहित कई हथियार बरामद किए गए हैं द्य मुठभेड़ में शामिल जवानों ने दावा किया है कि कई और नक्सलियों के मारे जाने अथवा घायल होने की संभावना है द्य मुठभेड़ की पुष्टि बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने करते हुए बताया कि मुठभेड़ की विस्तृत जानकारी जवानों के वापसी के बाद दिया जाएगा। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि गंगालूर इलाके के जंगल में भारी संख्या में पश्चिम बस्तर डिवीजन के सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी है। इसी के आधार पर बीजापुर से डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा 202 और सीआरपीएफ 222 बटालियन के जवानों की संयुक्त टीम को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था। जवान जब शनिवार की सुबह उस इलाके में पहुंचे तो नक्सलियों ने जवानों को देख फायरिंग शुरू दी। इसके बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाला और नक्सलियों की गोलियों का मुंहतोड़ जवाब दिया। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के जवानों ने 8 नक्सलियों ने ढेर कर दिया।

पूर्व वित्तमंत्री चिदंबरम ने बजट पर उठाए सवाल, कैसे पूरा होगा विकसित भारत का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व वित्तमंत्री पी. चिदंबरम ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि सरकार के पास नए विचारों का अभाव है और वह एक सीमित दायरे में काम कर रही है। पुराने ढर्रे पर चलते रहने की वजह से अर्थव्यवस्था की विकास दर 6 से 6.5 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होगी। ऐसे में राष्ट्र विकसित कैसे बनेगा जिसके लिए 8 प्रतिशत विकास दर चाहिए। कांग्रेस पार्टी की ओर से बजट पर प्रतिक्रिया के लिए आयोजित पत्रकार वार्ता में पी. चिदंबरम ने कहा कि वित्तमंत्री और प्रधानमंत्री ने मुख्य आर्थिक सलाहकार की सलाह पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने सरकार को रास्ते से हटने की सलाह दी थी लेकिन बजट में फिर कई योजनाएं जोड़ दी गई जिसमें कई सरकार के वश की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री तो 1991 और 2004 की तरह आर्थिक सुधार के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि वित्तीय घाटे को 4.9 प्रतिशत से घटाकर 4.8 प्रतिशत करना कोई उपलब्धि नहीं है। इससे अर्थव्यवस्था को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। वर्तमान में अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ रही है। लोग इसे महसूस कर रहे हैं। सरकार की योजनाएं बनाने और उन्हें लागू करने

की क्षमता घट रही है। 2025-26 के पूंजीगत व्यय में 1.02 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि की गई है लेकिन सरकार के इस क्षमता को पूरा करने में संदेह है।

पी. चिदंबरम ने कहा कि सरकार ने केवल मध्यम वर्ग के करदाताओं और बिहार के मतदाताओं को रिझाने की कोशिश की है। इन घोषणाओं का स्वागत 3.02 करोड़ करदाता और 7.65 करोड़ बिहार के मतदाता करेंगे बाकी भारत के लिए वित्त मंत्री के पास केवल सांत्वना भरे शब्द हैं। चिदंबरम ने कहा कि 2024-25 वित्तीय प्रदर्शन राजस्व में 41,240 करोड़ की कमी और कुल खर्च में 1.4 लाख करोड़ रुपए की कटौती दिखाता है। इससे अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों को नुकसान पहुंचा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक कल्याण, कृषि, ग्रामीण विकास, शहरी विकास, पूर्वोत्तर विकास से जुड़े बजट में कटौती की गई है। कई योजनाओं पर बजट में काफी कटौती की गई है। इसमें पीएम अनुसूचित जाति अभ्योदय योजना प्रमुखता से शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार ने अपनी कई योजनाओं पर विश्वास खो दिया है। इसमें पोषण योजना, जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, फसल बीमा योजना, यूरिया सब्सिडी, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना शामिल है। सबसे ज्यादा अन्याय देश के रेलवे के साथ किया गया है। इससे जुड़ा आवंटन बढ़ाने की बजाय असल में घटाया गया है। रोजगार संबंधी योजनाएं केवल दिखावा हैं।

उपराष्ट्रपति ने त्रिवेणी संगम में लगाई पावन डुबकी, कहा: धन्य हुआ जीवन

एजेंसी

महाकुम्भनगर। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने त्रिवेणी संगम में स्नान किया और इस घटना को जीवन धन्य करने वाला अवसर बताया। उपराष्ट्रपति धनखड़ तीर्थराज प्रयागराज पत्नी व परिवार समेत हेलिकॉप्टर से पहुंचे जहां हेलिपैड पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनका अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया। यहां से वह अरैल संगम घाट की ओर बढ़े जहां क्रूज पर सवार होकर उन्होंने नौकायन का आनंद लिया और त्रिवेणी संगम में चिह्नित स्थान पर स्नान किया। इस दौरान स्वस्ति वाचन की गूंज के मध्य धनखड़ ने सिर पर शिवलिंग रखकर आस्था की पवित्र डुबकी लगाई। इस दौरान वृंदावन के मुख्य पुजारी पुंडरीक गोस्वामी ने पूजन-अर्चन किया।

इससे पूर्व नौकायन के दौरान साइबेरियन पक्षियों को देखकर वह उत्साहित हो उठे। उन्होंने कलरव करते पक्षियों को अपने हाथ से दाना डाला और परिजनों समेत इस आनंदित करने वाले क्षण का आनंद लिया। नौकायन के दौरान उन्होंने त्रिवेणी संगम के महात्म के बारे में

सीएम योगी से जाना। धवल वर्णा गंगा और श्यामल वर्णा यमुना समेत अदृश्य सरस्वति के महाप्रयाग को महाकुम्भ की पुण्य वेला में दर्शन करके, उसमें स्नान कर जनकल्याण का संकल्प लेकर उपराष्ट्रपति प्रफुल्लित दिखे। उन्होंने इस अवसर को जीवन धन्य करने वाला क्षण बताया। त्रिवेणी संगम में स्नान के पूर्व संगम नोज व आस-पास के घाटों पर स्नान कर रहे स्नानार्थियों का अभिवादन किया। स्नान के बाद उन्होंने तीर्थराज प्रयाग की जय और नमः पार्वति पतये हर-हर महादेव का जयकारा उद्घोषित किया त्रिवेणी संगम पर स्नान के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पत्नी व परिवार समेत सरस्वती कूप, अक्षय वट व बड़े हनुमान मंदिर में बाकायदा विधिवत पूजन-अर्चन किया। यहां उन्होंने महाबली हनुमान को रोली, वस्त्र, जनेऊ, सिंदूर, लाल चंदन, माला, धूप-दीप, नैवेद्य अर्पित किया और परिक्रमा भी की। धनखड़ ने इन सभी स्थानों पर पूजन-अर्चन के साथ ही योगी आदित्यनाथ ने इन स्थानों का महात्म भी जाना।

विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में मील का पत्थर साबित होगा बजट- सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बजट 2025-26 की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि 2025-26 के बजट में भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे ब?ाने और आम नागरिकों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने गए हैं। इस बजट में सरकार ने हर वर्ग, खासतौर पर गरीब, युवाओं और महिलाओं के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है, जो उनकी उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करेंगे। इस बजट में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में मील का पत्थर साबित होगा। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इसे 'GYAN' का बजट बताकर केवल चार अक्षरों में इसे परिभाषित

कर दिया। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को शक्ति देने से ही देश आत्मनिर्भर और विकसित बनेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ रही है। इस बजट से अर्थव्यवस्था को पंख लगेंगे। राज्यों को इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए ब्याज मुक्त लोन मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि मध्यम वर्ग को बड़ी राहत प्रदान करते हुए प्रत्यक्ष कर प्रणाली के संबंध में नए प्राविधानों की घोषणा स्वागत योग्य है। किसानों, मछुआरों, मत्स्य पालन और डेयरी किसानों को पांच लाख तक कर्ज, सस्ते ब्याज पर किसानों को कर्ज, कपास प्रोडक्शन मिशन, सब्जी, फल की पैदावार बढ़ाने पर बल और आंगनबाड़ी 2.0 प्रोग्राम का ऐलान गरीबों, किसानों और महिलाओं के लिए लाभकारी साबित होगा। सीएम योगी ने कहा कि सबसे अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सर्व समाज के साथ ही समाज के आखिरी पंक्ति में बैठे लोगों के हितों का भी ध्यान रख रही है। अगले 5 वर्ष में 05 लाख महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को 2 करोड़ रुपये तक का टर्म लोन देने के लिए नई योजना का प्रस्ताव इसकी द्योतक है। सीएम योगी ने कहा कि जिज्ञासा, नवाचार और युवा मस्तिष्कों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए आगामी पांच वर्षों में सरकारी स्कूलों में 50,000 अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना, ग्रामीण क्षेत्रों के सभी सेकेंडरी स्कूलों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराया जाना बड़े बदलावों के वाहक होगा। आगामी तीन वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में डे केयर कैंसर केंद्र स्थापित करने की घोषणा का बड़ा लाभ उत्तर प्रदेश को मिलने जा रहा है।

केंद्रीय बजट में तेलंगाना के साथ अन्याय किया गया : रेवंत रेड्डी

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय बजट को लेकर कहा कि हमने क्या मांगा... हमें आपने (केंद्र सरकार) क्या दिया? उन्होंने आरोप लगाए कि केंद्रीय बजट में तेलंगाना के साथ अन्याय किया गया है। आज हैदराबाद में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, मंत्रियों और वित्त विभाग के अधिकारियों ने केंद्रीय बजट आवंटन पर चर्चा के लिए राजधानी में स्थिर कमांड कंट्रोल सेंटर में बैठक की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट पर नाराजगी व्यक्त की।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 'नायडू-नीतीश गठबंधन' बताते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय बजट को 'कुर्सी बचाओ बजट' कहा।उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में तेलंगाना के साथ

अबतक का सबसे बड़ा अन्याय किया गया है। उन्होंने राज्य में अपनाई जाने वाली आर्थिक नीतियों और योजनाओं की प्राथमिकता पर चर्चा की।

भाजपा की डबल इंजन सरकार बनाने को बेताब है दिल्ली की जनता : धामी

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली के द्वारका में भाजपा प्रत्याशी पद्युमन राजपूत के लिए जनसभा को संबोधित कर भाजपा को प्रचंड मतों से विजयी बनाने की अपील की। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि दिल्ली की जनता भाजपा की डबल इंजन सरकार बनाने को बेताब है। दिल्ली की जनता के जोश और उत्साह को देखकर यह निश्चित है कि इस बार विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलने वाला है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि द्वारका में एक तरफ ऐसे प्रत्याशी मैदान में है जो परिवारवाद को ब?ाते हैं और टिकट खरीद कर लाते हैं, दूसरी ओर कर्मठ और जनसेवा को समर्पित प्रद्युमन खड़े हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में इसलिए समान नागरिक संहिता लागू हो पाई क्योंकि वहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन सरकार है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने यूसीसी में ऐसे प्रावधान किए हैं जिससे अब कोई भी आफताब दिल्ली की तरह श्रद्धा वालकर के साथ हैवानियत नहीं कर सकेगा।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार करने के मामले में कांग्रेस से भी आगे बढ गई है। आआपा सरकार के कुप्रबंधन का ही नतीजा है कि 31 सालों में पहली बार दिल्ली को राजस्व घाटे का सामना करना पड़ रहा। उन्होंने कहा कि जब कोविड में दिल्ली की जनता ऑक्सीजन के लिए तड़प रही थी तब केजरीवाल आठ बंगलों को तो?कर शीशमहल बना रहे थे। केजरीवाल की नाकारा सरकार के कारण ही दिल्ली के लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ नहीं मिल पाया।

उन्होंने कहा कि इस बार दिल्ली में परिवर्तन की लहर चल रही है और लोगों को डबल इंजन बनाने के लिए पांच फरवरी का इंतजार है।

इस अवसर पर पूर्व सांसद रामचरण बोरा, राजेंद्र मित्तल, रामनिवास दहिया, गौरव चौधरी, पूनम जिंदल, सत्येंद्र सिंह, मनोज चौधरी, गंभीर सिंह नेगी, धर्मेंद्र सिंह, नीरज, कुनाल मेहता, विनय रोहिला, अशोक, राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी समेत कई लोग उपस्थित रहे।

केजरीवाल ने भ्रष्टाचार कर जनता का पैसा चोरी किया: राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने नई दिल्ली के सदर बाजार में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी (आआपा) और भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आआपा सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने नई तरह की राजनीति लाने की बात कही थी। भ्रष्टाचार मिटाने, प्रदूषण और यमुना नदी साफ करने की बात कही थी लेकिन उन्होंने सबसे बड़ा शराब घोटाला कर दिया। उन्होंने भ्रष्टाचार कर जनता का पैसा चोरी किया है।

उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि कैसे केजरीवाल एक छोटी वैगन-आर कार में घूमते हुए करोड़ों के शीश महल में पहुंच गए। उन्होंने टीम केजरीवाल का पोस्टर दिखाते हुए कहा कि इन नौ आम आदमी पार्टी नेताओं में एक भी दलित, पिछड़ा, आदिवासी या

अल्पसंख्यक वर्ग का व्यक्ति नहीं है। राहुल गांधी ने केजरीवाल को दलित विरोधी भी बताया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल दलितों के लिए स्कॉलरशिप योजना लेकर आए। उन्होंने स्कॉलरशिप के लिए सिर्फ 25 लाख रुपये दिए और इसके विज्ञापन पर 25 करोड़ रुपये खर्च कर दिए। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली हिंसा के समय केजरीवाल कहीं नहीं दिखाई दिए थे।

राहुल गांधी ने भाजपा को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा का लक्ष्य जनता का पैसा छीनकर हिंदुस्तान के अरबपतियों को देना है। नरेन्द्र मोदी ने नोटबंदी और जीएसटी लागू कर रोजगार देने वाले छोटे व मध्यम व्यवसायों को खत्म कर दिया। जीएसटी से अडानी-अंबानी को नुकसान नहीं हुआ बल्कि छोटे व मध्यम व्यवसाय खत्म हो गए। यही कारण है कि देश में युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। आज देश में 50 साल में सबसे अधिक बेरोजगारी है।

किसान हितैषी और गांवों के विकास व समृद्धि का बजट: भारतीय किसान संघ

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2025-26 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने कहा कि सरकार ने देश के सभी राज्यों के किसानों का बजट में ध्यान रखा है। पहली बार बजट की शुरुआत कृषि एवं किसान से हुई है। चूंकि कृषि से जुड़ी बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बजट पूर्व चर्चा में किसानों की प्रमुख मांग किसान सम्मान निधि बढ़ाने, कृषि आदान सामग्री पर जीएसटी खत्म करने और जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की मांग की गई थी, जिसके पूर्ण नहीं होने से किसानों को निराशा हुई है। मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के माध्यम से सरकार देश के कम उत्पादकता वाले 100 जिलों के लिए विकासशील जिला कार्यक्रम के तहत कार्य करने वाली है, जिससे इन कमजोर जिलों में कृषि रोजगार के अवसरों में वृद्धि से करोड़ों किसानों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही हल्दी बोर्ड के गठन के बाद सरकार ने फसल विविधता को बढ़ावा देने बजट में मखाना बोर्ड बनाकर मखाने का उत्पादन, मार्केटिंग, प्रोसेसिंग व ब्रांडिंग कर किसानों को लाभ दिलाने की बात कही है। पूर्वोत्तर राज्यों में खाद की कमी को दूर करने सरकार असम में नया यूरिया प्लांट लगाने जा रही है जो स्वागत योग्य कदम है। डेयरी व मछली उत्पादक किसानों के विकास के लिए ऋण योजना, दलहन एवं कपड़ा में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दलहन मिशन और वीटी कपास के कारण उत्पादकता में कमी व अनिश्चितता को देखते हुए सरकार ने नॉन जीएम कपास फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कपास मिशन बनाने का ऐलान बजट में किया है। फल सब्जियों व श्रीअन्न के उत्पादन व लाभकारी मूल्य के लिए राज्यों के सहयोग से व्यापक कार्यक्रम चलाने की बात बजट में शामिल है।

कर्नाटक के कारवार में खत्म हुआ तीनों सेनाओं का द्विवार्षिक अभ्यास 'एम्फेक्स'

एजेंसी

नई दिल्ली। तीनों सेनाओं की भागीदारी वाला सबसे बड़ा द्विवार्षिक अभ्यास 'एम्फेक्स' कर्नाटक के कारवार में समाप्त हो गया। इस अभ्यास ने चुनौतीपूर्ण वातावरण में बड़े पैमाने पर संयुक्त अभियान चलाने में तीनों सेनाओं की संयुक्त क्षमताओं और अंतर-संचालन क्षमता को प्रदर्शित किया। इस अभ्यास की समीक्षा थल सेना, नौसेना और वायु सेना के उप प्रमुखों तथा चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष के लिए एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जॉनसन पी मैथ्यू ने संयुक्त रूप से की। इस अभ्यास का पिछला संस्करण जनवरी, 2023 में आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में आयोजित किया गया था।

कर्नाटक के कारवार के क्वाडा बे में 12 से 31 जनवरी तक आयोजित अभ्यास के दौरान जमीनी बल की लैंडिंग के बाद उभयचर हमले में लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक आईएनएस जलाश्व, लैंडिंग शिप आईएनएस घड़ियाल और केसरी, लैंडिंग क्राफ्ट, मरीन कमांडो, हेलीकॉप्टर और विमान के नेतृत्व में उभयचर जहाजों ने भाग लिया। अभ्यास के दौरान उभयचर क्षमताओं का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया। जटिल उभयचर अभियानों के संपूर्ण स्पेक्ट्रम को निष्पादित करने के लिए तीनों सेनाओं के बीच मौजूद अद्वितीय तालमेल और संयुक्त कौशल को प्रमाणित किया गया।

आईएनएस जलाश्व पर वरिष्ठ अधिकारियों ने 91 इन्फैंट्री ब्रिगेड की जलस्थली लैंडिंग देखी। यह अभ्यास भारतीय नौसेना के मरीन कमांडो की बंकर-बस्टिंग, कॉम्बैट-फ्री फॉल, लैंडिंग क्राफ्ट मैकेनाइज्ड और लैंडिंग क्राफ्ट असॉल्ट के सैनिकों और बीएमपी की लैंडिंग के माध्यम से आगे बढ़ा, जिसका समापन एक बीचहेड की स्थापना के साथ हुआ। अभ्यास 'एम्फेक्स' में सुदर्शन चक्र कोर के उभयचर 'बाइसन' और भारतीय नौसेना के जहाजों ने निर्बाध समन्वय, कठोर प्रशिक्षण और एकीकृत मिशन योजना का प्रदर्शन किया। एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जॉनसन पी मैथ्यू, उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, उप नौसेना प्रमुख वाइस एडमिरल के. स्वामीनाथन, उप वायु सेना प्रमुख एयर मार्शल एसपी धारकर और इन्फैंट्री के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार अभ्यास के संयुक्त चरण को देखने के लिए पश्चिमी तट से आईएनएस विक्रांत पर सवार हुए। इन वरिष्ठ अधिकारियों की रातभर की समुद्री यात्रा ट्रोपेक्स और एम्फेक्स का हिस्सा थी, जहां भारतीय नौसेना, भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के बीच संयुक्त अभियान संचालित किए गए।

मानव जीवन का सबसे बड़े यज्ञ कौन सा है ?

जिसके पास धन होता है उसी को मित्र मिलते हैं, भाई बन्धु उसके अपने हैं। कुल, शील, पाण्डित्य, रूप, भोग, यश और सुख ये सब धनवान को ही प्राप्त होते हैं। जो जन्म से दरिद्र है वह धर्म का अनुष्ठान कैसे कर सकता है। स्वर्ग प्राप्ति में उपकारक जो सात्विक यज्ञकार्य तथा पोखरे खुदवाना आदि कार्य है, वे भी धन के अभाव में नहीं हो सकते।

धन संसार बंधन में डालने वाला एक जाल है। उसमें जो मनुष्य एक बार फंस गया फिर उसका उद्धार नहीं हो सकता। इस लोक और परलोक में धन के बहुत सारे दोष हैं। धन रहने पर चोर, बंधु बान्धव आदि से भय प्राप्त होता है। सह मनुष्य उस धन को हड़प लेने की अभिलाषा रखते हैं। विचार करने योग्य तथ्य है धन कैसे सुखद हो सकता है धन प्रोणों का घातक और पाप को साधक है। धनी व्यक्ति का घर काल एवं कामादि दोषों का निकेतन बन जाता है। अत धन दुर्गति का प्रधान कारण है।

जिसके पास धन होता है उसी को मित्र मिलते हैं, भाई बन्धु उसके अपने हैं। कुल, शील, पाण्डित्य, रूप, भोग, यश और सुख ये सब धनवान को ही प्राप्त होते हैं। धनहीन मनुष्य को उसके स्त्री पुत्र भी त्याग देते हैं। फिर उसे मित्रों की प्राप्ति कैसे हो सकती है। जो जन्म से दरिद्र है वह धर्म का अनुष्ठान कैसे कर सकता है। स्वर्ग प्राप्ति में उपकारक जो सात्विक यज्ञकार्य तथा पोखरे खुदवाना आदि कार्य है, वे भी धन के अभाव में नहीं हो सकते। दान संसार के लिए स्वर्ग की सिढ़ी है।

किंतु निर्धन व्यक्ति के द्वारा उसकी भी सिद्धी होनी असंभव है। व्रत आदि का पालन धर्मोपदेश आदि का श्रवण, पितृ यज्ञ आदि का अनुष्ठान तथा तींथ सेवन आदि कार्य धनहीन मनुष्य के लिए नहीं हो सकते। रोगों का निवारण, पथ्य का सेवन, औषधों का संग्रह, अपने शरीर की रक्षा तथा शत्रुओं पर विजय आदि कार्य भी धन से ही सिद्ध होते हैं इसलिए जिसके पास धन हो उसी को इच्छानुसार भोग प्राप्त हो सकते हैं। धन रहने से ही स्वर्ग की प्राप्ति हो सकती है। कामनाओं का त्याग करने से ही समस्त व्रतों का पालन हो जाता है। क्रोध छोड़ देने से तीर्थों का सेवन हो जाता है। दया ही जप के समान है, संतोष ही शुद्ध धन है, अहिंसा ही सबसे बड़ी सिद्धि है। शीलता से कमाना ही उत्तम जीविका है, साग का भोजन ही अमृत समान है, उपवास ही उत्तम तपस्या है, संतोष ही बहुत बड़ा भोग है, कौड़ी का दान ही महादान है, परायी स्त्री माता और पराया धन मिट्टी के ढेले के समान है। परस्त्री सर्पिणी के समान भयंकर है। यही सबसे बड़े यज्ञ है। कीचड़ लगाकर धोने की अपेक्षा दूर से उसका स्पर्श न करना ही अच्छा है।

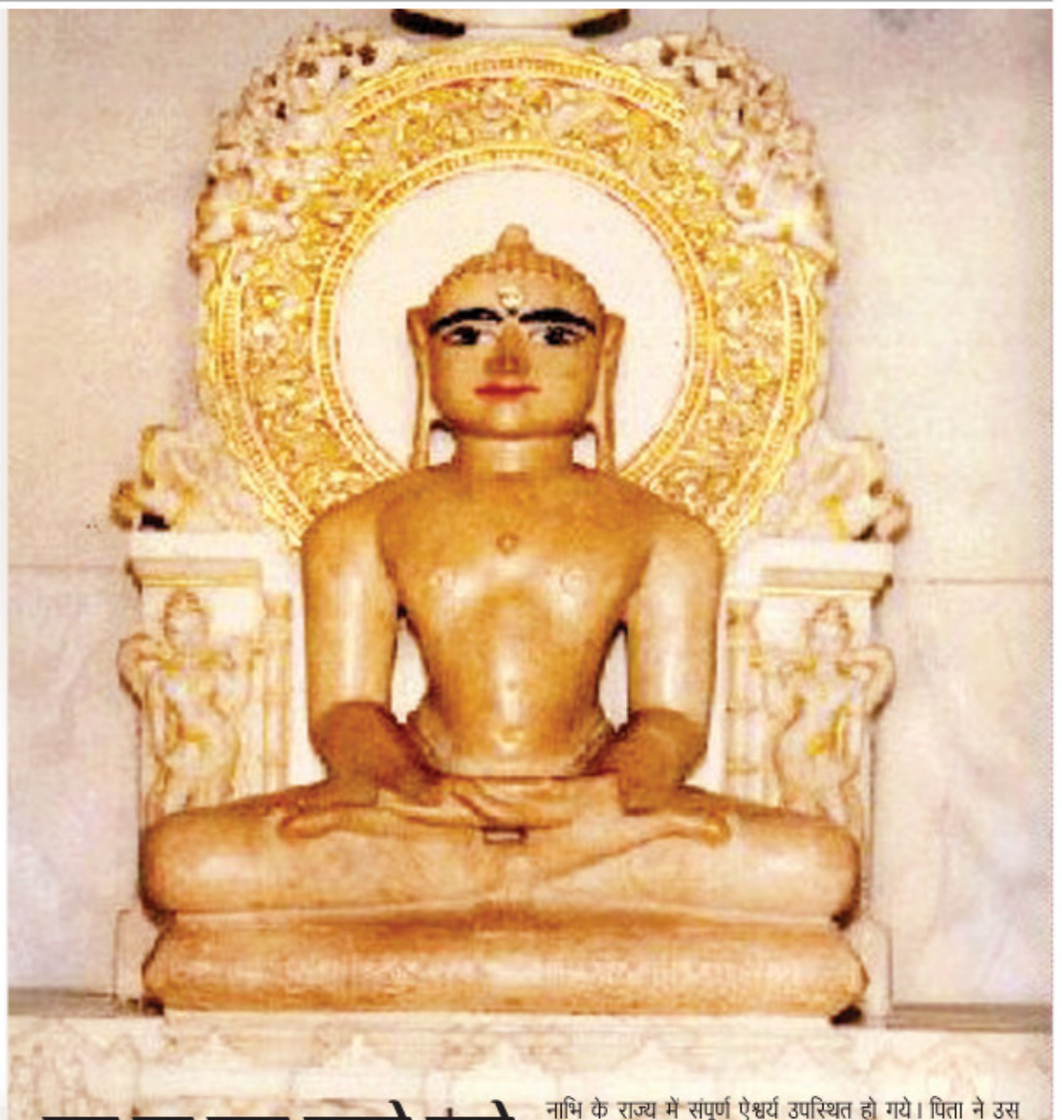

सब पर दया करने वाले भगवान ऋषभदेव

महाभागवत राजर्षि प्रियव्रत के वंश में नाभि नाम के एक परम प्रतापी तथा धार्मिक राजा हुए। उनका विवाह मेरु की पुत्री मेरुदेवी के साथ हुआ। बहुत दिनों तक उनके कोई संतान नहीं हुई। उन्होंने पुत्र कामना से अपनी पत्नी के साथ श्रद्धा भक्ति से भगवान यज्ञ पुरुष का पूजन किया। उनकी आराधना से प्रसन्न होकर भगवान उनके सामने प्रकट हुए। भगवान का दर्शन प्राप्त करके ऋत्विजों सहित महाराज नाभि ने उनकी स्तुति की। ऋत्विज बोले- प्रभो! राजर्षि नाभि आप ही जैसे पुत्र कामना से आपकी प्रसन्नता के लिए यज्ञ कर रहे हैं। अतः आपको इनकी कामना पूर्ण करनी चाहिए। भगवान बोले- ऋषियों! मेरे समान दूसरा कोई हो नहीं सकता। अतः आप लोगों की बात रखने के लिये मैं स्वयं ही मेरुदेवी के माध्यम से अपने अंश रूप में अवतार ग्रहण करूंगा। यह कहकर भगवान अंतर्ध्यान हो गये। समय आने पर महाराज नाभि के यहां एक दिव्य बालक का जन्म हुआ। उसके चरणों में वज्र, अंकुश आदि के चिन्ह प्रकट होते ही दिखायी देने लगे। बालक के अनुपम सौन्दर्य को जो भी देखता वही मोहित हो जाता था। बालक के जन्म के साथ ही महाराज नाभि के राज्य में संपूर्ण ऐश्वर्य उपस्थित हो गये। पिता ने उस अनुपम बालक का नाम ऋषभ रखा। महाराज नाभि के राज्य में अतुल ऐश्वर्य को देखकर इंद्र को बड़ी ईर्ष्या हुई। उन्होंने इनके राज्य में वर्षा बंद कर दी। भगवान ऋषभदेव ने अपनी योगमाया के प्रभाव से इंद्र के प्रयत्न को निष्फल कर दिया और इंद्र ने उनसे अपनी भूल के लिए क्षमा मांगी। भगवान ऋषभदेव को विद्याध्ययन के लिये गुरुगृह भेजा गया और ये थोड़े ही काल में सभी विद्याओं में पारंगत होकर घर लौट आये। इनका विवाह इंद्र की कन्या जयन्ती से हुआ। पुत्र को हर प्रकार से योग्य जानकर महाराज नाभि भगवान ऋषभदेव को राज्य सिंहासन पर बैठाकर तपस्या के लिए बदरिकाश्रम चले गये। जयन्ती के द्वारा भगवान ऋषभदेव के सौ पुत्र हुए। उनमें सबसे बड़े पुत्र का नाम भरत था। उसी के नाम पर हमारे देश का नाम भारतवर्ष प्रसिद्ध हुआ। भगवान ऋषभदेव साक्षात अपने स्वरूपानुभव में निमग्न होने के कारण रागादि दोषों से रहित, प्राणिमात्र के हित में तत्पर तथा स्वभाव से सबके ऊपर दया करने वाले थे। यद्यपि वे स्वयं धर्म के रहस्य के ज्ञाता थे, तथापि लोक संग्रह के लिए ब्राम्हणों के आदेशानुसार उनसे पूछकर शास्त्रोक्त कर्मों का संपादन करते थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में सौ अश्वमेध यज्ञ किये। उनके राज्य में सभी लोग फल की आशा त्यागकर केवल भगवान की प्रसन्नता के लिये ही कर्म करते थे। भगवान ऋषभदेव ने समस्त प्रजा के सामने अपने पुत्रों को मोक्ष धर्म का अति सुंदर उपदेश दिया और कहा- तुम लोग निष्कपट बुद्धि से अपने बड़े भाई भरत की सेवा करो। इससे मेरी ही सेवा होगी। तदनन्तर भगवान ऋषभदेव अपने बड़े पुत्र भरत को राज्यभार सौंपकर दिगम्बर वेष में वन को चले गये और संसार को परमहंसों के आचरण की शिक्षा देते हुए उन्होंने कालान्तर में अपने शरीर को दावाग्नि में भस्म करके अपनी लौकिक लीला का संवरण किया। यही भगवान ऋषभदेव जैनियों के आदि तीर्थकर भी माने जाते हैं।

बैकुण्ठ धाम में छुपे सुख-समृद्धि का क्या है रहस्य

बैकुण्ठ धाम जगतपालक भगवान विष्णु की दुनिया है। वैसे ही, जैसे कैलाश पर महादेव व ब्रह्मलोक में ब्रह्मदेव बसते हैं। भगवान विष्णु का धाम बैकुण्ठ बड़ा ही दिव्य है। बैकुण्ठ धाम चेतन है, स्वयं प्रकाशमान है। इसके कई नाम हैं - साकेत, गोलोक, परमधाम, परमस्थान, परमपद, परमव्योम, सनातन आकाश, शाश्वत-पद, ब्रह्मपुर। धार्मिक मान्यता है कि पृथ्वी लोक का सबसे बड़ा सुख बैकुण्ठ का सबसे छोटा सुख है। इससे हम सोच सकते हैं कि बैकुण्ठ का सबसे बड़ा सुख कैसा होगा। इस तरह बैकुण्ठ परम सुख का धाम है। हिंदू धर्म पंचांग के मुताबिक कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी बैकुण्ठ चतुर्दशी कहलाती है। माना जाता है कि इस दिन व्रत करने मात्र से भी बैकुण्ठ लोक मिलता है।

अध्यात्म की नजर से बैकुण्ठ धाम मन की अवस्था है। बैकुण्ठ कोई स्थान न होकर आध्यात्मिक अनुभूति का धरातल है। जिसे बैकुण्ठ धाम जाना हो, उसके लिए ज्ञान ही उम्मीद की किरण है। इससे वह ईश्वर के स्वरूप से एकाकार हो जाता है। लेकिन जिसके भीतर परम ज्ञान है, भगवान के प्रति अनन्य भक्ति है, वे ही बैकुण्ठ पहुंच सकते हैं। वहीं मानवीय जिंदगी के लिए बैकुण्ठ की सार्थकता ढूंढे तो बैकुण्ठ का शाब्दिक अर्थ है - जहां कुंठा न हो। कुंठा यानी निष्क्रियता, अकर्मण्यता, निराशा, हताशा, आलस्य और दरिद्रता। इसका मतलब यह हुआ कि बैकुण्ठ धाम ऐसा स्थान है जहां कर्महीनता नहीं है, निष्क्रियता नहीं है। व्यावहारिक जीवन में भी जिस स्थान पर निष्क्रियता नहीं होती उस स्थान पर रौनक होती है।

वह जगह खुशियों से रोशन रहती है। चाहे वह परिवार, समाज हो या राष्ट्र। इस तरह बैकुण्ठ का रहस्य यही है कि अगर व्यक्ति मन से एकाग्र होकर अच्छे कर्म करता हुआ जीवन गुजारे तो उसे जिंदगी में सुख, शांति, सुकून, खुशियों, दौलत व समृद्धि के रूप में बैकुण्ठ मिलता है। इस तरह यह साफ है कि बैकुण्ठ की राह हर व्यक्ति के सामने होती है इसलिए वहां तक जानें और रहने का फैसला भी हर व्यक्ति को स्वयं ही करना होता है।

साधु को क्या रक्षा की जरूरत हो सकती है?

भगवान कृष्ण का प्रसिद्ध वक्तव्य है 'परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम' वह क्या अर्थ रखता है?

कहते हैं, साधुओं की रक्षा के लिए और दुष्टों के अंत के लिए मैं आऊंगा। ठीक है। दोनों का एक ही मतलब है। दुष्ट का अंत कब होता है, यह थोड़ा समझने जैसा है। दुष्ट का अंत कब होता है? मार डालने से?

मार डालने से दुष्ट का अंत नहीं होता क्योंकि कृष्ण भली-भांति जानते हैं कि मारने से कुछ मरता नहीं। दुष्ट का अंत तभी होता है जब उसे साधु बनाया जा सके, और कोई उपाय नहीं। मारने से सिर्फ दुष्ट का शरीर बदल जाएगा और कोई फर्क नहीं पडने वाला। दुष्ट का अंत एक ही स्थिति में होता है, जब वह साधु हो जाए और बड़े मजे की बात उन्होंने साधुओं की रक्षा के लिए कही।

साधुओं की रक्षा की जरूरत तभी पड़ती है जब वे दिखावटी साधु रह जाए अन्यथा जरूरत नहीं पड़ती। फिर साधु की रक्षा की क्या जरूरत होगी? साधु को भी रक्षा की जरूरत पड़ेगी तो फिर तो बहुत मुश्किल हो जाएगा। साधुओं की रक्षा के लिए आऊंगा, इसका मतलब है जिस दिन साधु झूठे साधु होंगे, असाधु होंगे, उस दिन मै आऊंगा। सिर्फ असाधु के लिए ही रक्षा की जरूरत पड़ सकती है, अन्यथा साधु को क्या रक्षा की जरूरत हो सकती है?

पूजा पाठ करना आवश्यक है क्योंकि...

आधुनिक युग में बहुत से लोगों को आज के प्रमाद लिप्त वातावरण में पूजा-पाठ की बात करना अरण्य-रोदन लगता है। बेशक आपके हृदय में भगवान के प्रति कितनी भी प्रेम, श्रद्धा, आस्था या विश्वास हो किन्तु पूजा पाठ करना आवश्यक है क्योंकि यद्यपि चावल, दाल एवं सब्जियों में पानी पड़ता है किन्तु फिर भी भोजन के उपरांत या बीच में पानी पीना ही पड़ता है। आप ऐसा तो नहीं सोचते कि सब्जी या चावलों में ही बहुत सारा पानी उड़ेल दें ताकि बाद में पानी पीने की आवश्यकता ही न पड़े? कोई बीज धूल में पड़ा रहता है लेकिन जब बरसात या जल की नमी पाता है तभी अंकुरित होता है। इसी तरह हमारे सभी बीज रूपी लोक हितकारी एवं शुभ कर्म निरर्थक नहीं होते। वे सुरक्षित ही रहते हैं तथा पूजा, उपासना या ध्यान रूपी पवित्र कार्य की बूंदों के संपर्क में आते ही अंकुरित होने लगते हैं। किन्तु जैसे समस्त द्रव पदार्थ जल नहीं होते अम्ल या तेजाब भी द्रव रूप में ही होते हैं। जो बीजों को जला देते हैं अतः ये देखना अति आवश्यक होता है कि उपासना का विधान विपरीतार्थक तो नहीं है। पूजा की अनेक सर्वोत्तम, सर्वसुलभ एवं सरल विधियां शास्त्रों में उपलब्ध हैं। इनमें से जो भी सहज प्रतीत हो उसे चुनें। जिनके पास समय कम है अथवा कर्मकांडों में मन नहीं रमता तो उपासना की, ध्यान की, पूजा की इस सबसे सरल विधि का अनुपालन करें। पूजा घर को परिवार के सभी सदस्यों की शरण स्थली बनाएं, एक जगह जहां शांति और सूकून हो जहां वे भगवान से जुड़ सकें एवं अपनी प्रार्थना और व्यावहारिक जरूरतों को समर्पित कर सकें। एक आम व्यक्ति द्वारा की गई पूजा आत्मार्थ पूजा कहलाती है एवं उसे एक व्यक्तिगत पूजा अनुष्ठान माना जाता है जबकि जनमानस हेतु पुजारी द्वारा मंदिर में की गई पूजा परार्थ पूजा कहलाती है। आत्मार्थ पूजा करने के बाद प्रथानुसार कुछ मिनट ध्यान में बैठना चाहिए। आंतरिक पूजा करनी चाहिए ताकि आत्मा तक परिष्कृत भावनाओं और प्राण उर्जा को ले जाया जा सके। जिन्हें पूजा ने उत्पन्न किया और जो कमरे में अभी तक हैं। इस प्रकार से हम पूजा से अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में शामिल होंगी पैरालिंपिक पदक विजेता रूबीना फ्रांसिस

एजेंसी

नई दिल्ली। फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल पहल इस भी जारी रहेगी, जिसमें केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया सवारों के एक विविध समूह में शामिल होंगे। इसमें पी2 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 इवेंट में पेरिस पैरालिंपिक की कांस्य पदक विजेता रूबीना फ्रांसिस भी हिस्सा लेंगी। साइकिल यात्रा का विषय भारत में मोटापे से निपटने की आवश्यकता पर होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देहरादून में 38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में इसका स्पष्ट आह्वान किया।

उन्होंने मोटापे के खिलाफ लड़ाई का आह्वान किया जो युवा और बूढ़े सभी आयु समूहों को प्रभावित कर रहा है। इस रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में 02 किमी साइकिल यात्रा का आरंभ और समापन बिंदु मेजर ध्यानचंद स्टेडियम है। साइकिल यात्रा में डॉ मंडाविया और रूबीना के साथ 250 से अधिक राइडर्स शामिल होंगे, जिनमें प्रख्यात डॉक्टर और पोषण विशेषज्ञ, भारती कॉलेज दिल्ली के छात्र, सोनिया विहार वॉटर स्पोर्ट्स क्लब के सदस्य और सामाजिक कार्यकर्ता महेश कुमार प्रमुख हैं।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने वेटलिफ्टिंग विजेताओं को प्रदान किए मेडल

देहरादून। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के मोनाल हॉल में चल रही वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में खेल मंत्री रेखा आर्या ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी भी ली। खेल मंत्री करीब एक घंटे तक फाइनल मुकाबले देखती रहीं और विजेताओं को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने 38वें राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों को मिल रही आवास, भोजन, परिवहन और अन्य सुविधाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता स्थल की व्यवस्थाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बताया है।खेल मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खिलाड़ियों के साथ-साथ खेल प्रेमियों की सुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने की बात कही, लेकिन यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सुरक्षा के नाम पर दर्शकों को असुविधा न हो। इस अवसर पर जीटीसीसी अध्यक्ष सुनैना प्रकाश, उत्तराखंड ओलंपिक संघ के अध्यक्ष महेश नेगी, भगवान कार्की समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

वुशू में यूपी ने जीते चार स्वर्ण

लखनऊ उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तर प्रदेश के लिए तब सुपर शनिवार बन गया जब वुशू खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण पदक अपने नाम किए। देहरादून में हुई वुशू की स्पर्धाओं में सूरज यादव, अभिषेक तंवर, प्रेरणा व श्रुति ने स्वर्णिम सफलता हासिल कर उत्तर प्रदेश को गौरवान्वित किया। इसी के साथ भानू सिंह ने रजत पदक जीता जबकि दो खिलाड़ियों को कांस्य पदक मिले। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों नक 4 स्वर्ण, 1 रजत व 2 कांस्य पदक जीत लिए है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश अब तक राष्ट्रीय खेलों में 4 स्वर्ण, 2 रजत व 4 कांस्य सहित कुल 10 पदक अपने नाम कर चुका है। वुशू के सांडा इवेंट में पुरुष 70 किग्रा भार वर्ग में वाराणसी के सूरज यादव ने एवं गौतमबुद्ध नगर के अभिषेक तंवर ने 90 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। सांडा इवेंट के महिला वर्ग में यूपी पुलिस की प्रेरणा ने 60 किग्रा भार वर्ग एवं यूपी पुलिस की ही श्रुति सरवैया ने 70 किग्रा भार वर्ग में स्वर्णिम सफलता हासिल की। आगरा के भानू सिंह ने ताउलू वर्ग के अंतर्गत चियांगशु में रजत पदक जीता। सांडा इवेंट के महिला वर्ग में 52 किग्रा में मनीषा भाटी व 70 किग्रा में शिवानी को कांस्य पदक मिले।

सूरमा हॉकी क्लब ने तमिलनाडु ड्रैगन्स को 3-2 से हराकर जीता कांस्य पदक

राउरकेला। जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024-25 के तीसरे और चौथे स्थान के लिए खेले गये मुकाबले में तमिलनाडु ड्रैगन्स 3-2 से हराकर कांस्य पदक और एक करोड़ रूपये का पुरस्कार जीता।

आज यहां खेले गये मुकाबले में गुरजंत सिंह ने (12वें) मिनट में गोल कर सूरमा हॉकी क्लब को बढ़त दिलाई। इसके कुछ ही देर बाद ब्लेक गोवर्स ने (15वें) मिनट में गोलकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर लगा दिया। दूसरे क्वार्टर में हरजीत सिंह ने (19वें) मिनट गोल कर सूरमा की बढ़त को दुगना करते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद तीसरा क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक दूसरे पर हमले किये लेकिन दोनों ही टीमें गोल करने में विफल रही। चौथे क्वार्टर में सूरमा के प्रभजोत सिंह ने (57वें) मिनट में गोल दागकर स्कोर 3-1 कर दिया। इसी दौरान मैच के आखिर क्षण में जिप जानसन ने (59वें) मिनट में गोल कर स्कोर 3-2 कर दिया। आखिरकार सूरमा जीत दर्ज करते हुए हीरो हॉकी इंडिया लीग का कांस्य पदक अपने नाम किया।

यह हमारा विश्वास था जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया: रूपिंदर पाल सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। पुरुष हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में रोमांचक फाइनल में जुगराज सिंह की शानदार हैट्रिक की मदद से श्राची रारह बंगाल टाइगर्स ने हैदराबाद तूफांस को 4-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। खिताब जीतने पर बंगाल टाइगर्स के कप्तान रूपिंदर पाल सिंह ने कहा कि यह हमारा विश्वास था जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया। टूर्नामेंट में अपनी टीम के उतार-चढ़ाव भरे सफर के बारे में बात करते हुए श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के कप्तान रूपिंदर पाल सिंह ने कहा कि हमारे लिए यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है, खासकर सात साल के अंतराल के बाद हॉकी इंडिया लीग की वापसी के साथ। टूर्नामेंट को इतने शानदार तरीके से आयोजित करने के लिए हम हॉकी इंडिया के बहुत आभारी हैं। एक टीम के रूप में हमारे सफर में उतार-चढ़ाव आए, लेकिन अंत में सब कुछ सही रहा। यह हमारा विश्वास ही था जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया और

मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है, जिसने पूरे टूर्नामेंट में कड़ी मेहनत की और धैर्य बनाए रखा। फाइनल के लिए अपनी रणनीति के बारे में आगे बात करते हुए रूपिंदर ने कहा कि हम अपनी पेनल्टी कॉर्नर रणनीतियों को और अधिक प्रभावी ढंग से निष्पादित करने के लिए दृढ़ थे। फाइनल में हमारे लिए उन मौकों का अधिकतम लाभ उठाना महत्वपूर्ण था और हमने ऐसा किया। इसके अतिरिक्त, हमने अपनी रक्षात्मक संरचना को मजबूत करने और अधिकतम कब्जे को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया। इन सभी प्रयासों ने हमें मैच में वापसी करने और अंततः खिताब सुरक्षित करने में मदद की।पुरुष हॉकी इंडिया लीग 2024-25 का फाइनल मैच राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में शनिवार को हुआ था।

फाइनल मुकाबले में बंगाल टाइगर्स के लिए जुगराज सिंह (25वें मिनट, 32वें मिनट, 35वें मिनट) और सैम लेन (54वें मिनट) ने गोल किया, जबकि हैदराबाद तूफांस के लिए गोंजालो पेइलट (9वें मिनट, 39वें मिनट) और अमनदीप लकड़ा (26वें मिनट) ने गोल दागे। उल्लेखनीय है कि श्राची रारह बंगाल टाइगर्स ने 10 मैचों में 19 अंकों के साथ ग्रुप स्टेज में शीर्ष स्थान हासिल किया था, जिसमें 6 जीत, 3 हार और 1 शूटआउट हार शामिल थी। जुगराज सिंह टाइगर्स के लिए सबसे बेहतरीन खिलाड़ी साबित हुए और वह 12 गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर रहे।

38वें राष्ट्रीय खेल: महाराष्ट्र ने खो-खो में दोनों वर्गों में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों के पांचवें दिन खो-खो प्रतियोगिता में महाराष्ट्र ने अपना दबदबा कायम रखते हुए पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। पुरुष वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र ने ओडिशा को 32-26 के स्कोर से हराया, वहीं महिला वर्ग में भी महाराष्ट्र ने ओडिशा को 31-28 से मात दी।वहीं, पुरुषों की कांस्य पदक प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल और केरल के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। दोनों टीमों ने एक ही समय पर खेल समाप्त किया, जिसके चलते मुकाबला सडन डेथ में गया और दोनों टीमों को संयुक्त रूप से कांस्य पदक प्रदान किया गया। महिला वर्ग के कांस्य पदक मैच में दिल्ली और कर्नाटक के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला हुआ। यह मैच भी सडन डेथ में पहुंचा और अंततः दोनों टीमों को संयुक्त रूप से कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।

उत्तराखंड के मास्टर्स एथलीटों का केरल में शानदार प्रदर्शन जारी

एजेंसी

कुन्नमकुलम (केरल)। छठी राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक मीट का कुन्नमकुलम केरल में 31 जनवरी से 3 फरवरी तक राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पूरे देश से 22 राज्यों के 35 वर्ष से 85 साल से अधिक तक के लगभग 1500 मास्टर्स पुरुष और महिला खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं।

आज की प्रतियोगिता में देवभूमि मास्टर्स एथलेटिक एंड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एसोसिएशन के 45 सदस्य दल ने 11 गोल्ड, 5 सिल्वर एवं 03 कांस्य पदक प्राप्त किए।विभिन्न आयु वर्ग में सुमित शाह, घनानंद पांडे, घनश्याम पांडे, सतीश चंद चौहान, ललित चन्द्र जोशी, राजेंद्र प्रसाद जोशी, दीपक नेगी, भावना गढ़िया, मीना कंडारी, नीमा बिष्ट, स्वाति पोखरियाल, माला शर्मा ने स्वर्ण पदक तथा सिल्वर पदक प्राप्त करने वालों में दीपक नेगी, जीएन पंत, श्रीमती यशोदा कांडपाल,

सबल सिंह बिष्ट, तथा कांस्य पदक अर्चना बिष्ट, घनानंद पांडेय, सुभाष चंद्र भट्ट ने प्राप्त कर उत्तराखंड राज्य का नाम रोशन किया। इस अवसर पर देवभूमि मास्टर्स एथलीट एंड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष एके सूद, संरक्षक धर्मेंद्र कुमार भट्ट, राष्ट्रीय कोच गुरुफूल सिंह, मीडिया प्रभारी जितेंद्र कुमार गुप्ता टीम के साथ गए महासचिव सतीश चंद्र चौहान, सचिव ललित चंद जोशी सहित अनेक खेल प्रेमियों बधाई प्रेषित की है।

मौली संवाद कॉन्क्लेव: देसी अंदाज में सुजीत मान ने समझाया न्यूट्रिशन का महत्व

एजेंसी

देहरादून। पूर्व रेसलर और अर्जुन एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सुजीत मान ने राष्ट्रीय खेलों के अंतर्गत आयोजित मौली संवाद कॉन्क्लेव में खिलाड़ियों और छात्रों को खेलों में सर्वोच्च प्रदर्शन के लिए न्यूट्रिशन की अहमियत समझाई। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने सरल और देसी अंदाज में फिटनेस और खान-पान से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की। कॉन्क्लेव का विषय एडवांस स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन फॉर पीक परफॉर्मेंस था। चर्चा के दौरान सुजीत मान ने फिल्म 'दंगल' और विनेश फोगाट के ओलंपिक में स्वर्ण पदक से चूकने जैसे उदाहरण देकर खिलाड़ियों को पोषण का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि एक खिलाड़ी को अपने फिटनेस और डाइट पर खास ध्यान देना चाहिए। खिलाड़ियों को सही खान-पान की सलाह देते हुए सुजीत मान ने कहा, मैंने कभी नहीं जाना कि मोमो और गोलगप्पे क्या होते हैं। एक खिलाड़ी के लिए सही पोषण

सबसे जरूरी होता है, तभी वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकता है।

विशेषज्ञों की अहम सलाह

कार्यक्रम में स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन विशेषज्ञ डॉ. कोमी कल्पना ने तकनीकी पक्षों पर रोशनी डालते हुए बताया कि खिलाड़ियों को नियमित रूप से तीन लीटर पानी पीना चाहिए। पीईएफआई के सचिव डॉ. पीयूष जैन ने भी इस विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। राष्ट्रीय खेलों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित सिन्हा ने भी खिलाड़ियों के लिए न्यूट्रिशन की अहमियत को रेखांकित किया।

मौली संवाद कॉन्क्लेव के तहत 3 फरवरी को द साइंस ऑफ हाई परफॉर्मेंस कोचिंग और एंटी-डोपिंग अवेयरनेस विषयों पर विशेष सत्र आयोजि।

पंजाब ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण, महाराष्ट्र को रजत

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में निशानेबाजी प्रतियोगिता के चौथे दिन त्रिशूल शूटिंग रेंज में जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में पंजाब के अर्जुन बाबूता और ओजस्वी ठाकुर की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने महाराष्ट्र की जोड़ी आर्य बोरसे और रुद्राक्ष पाटिल को 16-12 से हराकर यह जीत दर्ज की। फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन पंजाब ने अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 21.4 के अंतिम शॉट स्कोर के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, जबकि महाराष्ट्र 21.0 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल करने में सफल रहा। कांस्य पदक मुकाबले में पश्चिम बंगाल के अभिनव शॉ और इस्मिता भोवाल

ने शानदार खेल दिखाते हुए गुजरात को 17-11 से मात दी। उनके अंतिम शॉट का स्कोर 21.1 रहा, जो गुजरात के 20.4 से बेहतर साबित हुआ। जीत के बाद ओजस्वी ठाकुर ने कहा, हमारे राज्य के लिए स्वर्ण जीतना बेहद गर्व की बात है। यह पूरी तरह से टीम प्रयास का नतीजा है। वहीं, अर्जुन बाबूता ने कहा, हमने अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित किया और अधिकतम अंक हासिल करने की कोशिश की।

क्वालिफिकेशन राउंड में पंजाब रहा शीर्ष पर

इस स्पर्धा के क्वालिफिकेशन राउंड में भारत की 25 टीमों ने भाग लिया। पंजाब 631.7 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि महाराष्ट्र (630.7), पश्चिम बंगाल (630.6) और गुजरात (629.4) की टीमें फाइनल में पहुंचने में सफल रहीं।

25 मीटर पिस्टल महिला स्पर्धा: फाइनल में पहुंचे शीर्ष 8 निशानेबाज

दिन के एक अन्य महत्वपूर्ण मुकाबले में, 25 मीटर पिस्टल महिला स्पर्धा के क्वालिफिकेशन राउंड में 30 शीर्ष निशानेबाजों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखी गई।

आर्याही और मुग्धा ने कराटे में ब्लैक बेल्ट परीक्षा की उत्तीर्ण, किया गया सम्मानित

एजेंसी

वाराणसी। सामनेघाट स्थित आर. बी. मार्शल आर्ट्स एकेडमी की दो प्रतिभाशाली कराटे खिलाड़ियों, आर्याही सहगल और मुग्धा शुक्ला, को ब्लैक बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सम्मानित किया गया।

खिलाड़ियों के प्रशिक्षक शिहान अरविंद कुमार यादव ने बताया कि दोनों ने गत माह जापान शोतोकान कराटे डो कानीनजुकु ऑर्गेनाइजेशन इंडिया द्वारा आयोजित ब्लैक बेल्ट परीक्षा में हिस्सा लिया था और सफलता प्राप्त की। यह परीक्षा संस्था के परीक्षक हांशी परमजीत सिंह द्वारा संपन्न कराई गई थी। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. प्रभाकर शर्मा ने खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस उपलब्धि पर एकेडमी के कोच व अन्य खिलाड़ियों ने भी दोनों विजेताओं को बधाई दी।

योगासन में छत्तीसगढ़ ने स्वर्ण, उत्तराखंड ने रजत तथा हरियाण ने कांस्य पदक जीता

एजेंसी

नैनीताल । 38वें राष्ट्रीय खेलों की योगासन प्रतियोगिता के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ के प्रभाकर सिंह और प्रकाश कुमार साहू स्वर्ण पदक, उत्तराखंड के अजय वर्मा और हर्षित ने रजत पदक तथा हरियाणा के कमल और अभिषेक (हरियाणा) ने कांस्य पदक जीते। यहां अल्मोड़ा के हेमवती नंदन बहुगुणा स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रही योगासन प्रतियोगिता के आर्टिस्टिक पेयर पुरुष वर्ग का फाइनल आज सम्पन्न हुआ, जिसमें कुल आठ टीमों ने भागीदारी की। स्वर्ण पदक प्रभाकर सिंह और प्रकाश कुमार साहू (छत्तीसगढ़), रजत पदक अजय वर्मा और हर्षित (उत्तराखंड) एवं कांस्य पदक कमल और अभिषेक (हरियाणा) ने जीतकर अपना लोहा मनवाया।

इसी श्रृंखला में आर्टिस्टिक पेयर महिला वर्ग का सेमी फाइनल समाप्त हुआ और शीर्ष आठ टीमें अब फाइनल खेलेंगी। इनमें क्रमशः

महाराष्ट्र, हरियाणा एवं राजस्थान शीर्ष पर हैं। इसके साथ ही आर्टिस्टिक सिंगल पुरुष वर्ग में 16 योगासन खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता की, जिसमें शीर्ष आठ फाइनल खेलेंगे और आर्टिस्टिक एकल महिला वर्ग में 16 योगासन खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता की, जिसमें शीर्ष आठ कल फाइनल में खेलेंगे। इसके अतिरिक्त ट्रेडिशनल योगासन खेल में महिला वर्ग में आज 16 प्रतिभागियों ने भागीदारी की, जिसमें से शीर्ष आठ फाइनल में कल खेलेंगे।

राष्ट्रीय खेल : महाराष्ट्र ने खो-खो में दोनों वर्गों में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

नैनीताल। 38वें राष्ट्रीय खेलों के पांचवें दिन खो-खो प्रतियोगिता में महाराष्ट्र ने अपना दबदबा कायम रखते हुए पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरुष वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र ने ओडिशा को 32-26 के स्कोर से हराया, वहीं महिला वर्ग में भी महाराष्ट्र ने ओडिशा को 31-28 से मात दी। 37वें राष्ट्रीय खेल में भी खो-खो के पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले महाराष्ट्र और ओडिशा के बीच ही खेले गए थे।

पुरुषों की कांस्य पदक प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल और केरल के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। दोनों टीमों ने एक ही समय पर खेल समाप्त किया, जिसके चलते मुकाबला सडन डेथ में गया और दोनों टीमों को संयुक्त रूप से कांस्य पदक प्रदान किया गया। महिला वर्ग के कांस्य पदक मैच में दिल्ली और कर्नाटक के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला हुआ। यह मैच भी सडन डेथ में पहुंचा और अंततः दोनों टीमों को संयुक्त रूप से कांस्य पदक से

सम्मानित किया गया। 38वें राष्ट्रीय खेल में खो-खो प्रतियोगिता का यह रोमांचक समापन खेल प्रेमियों के लिए यादगार बन गया है।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को पारी और 242 रनों से हराया

एजेंसी

गाले (श्रीलंका)। उस्मान खवाजा (232), कप्तान स्टीव स्मिथ (141) और जॉश इंग्लिस (102) की बेहतरीन पारियों के बाद मैथ्यू कुनमन कुल (नौ विकेट) और नेथन लायन (सात विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन श्रीलंका को पारी और 242 रनों से हरा दिया।

श्रीलंका ने दूसरी पारी में कल के पांच विकेट पर 136 से आगे खेलना शुरू किया। आज मैथ्यू कुनमन ने श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डीसिल्वा को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को छठी सफलता दिलाई। इसके बाद डीसिल्वा ने आठ चौको की मदद से (39) रनों की पारी खेली। कुसल मेंडिस (34) को नेथन लायन ने आउट किया। प्रभात जयसूर्या (एक) और निशान पीरिस शून्य पर आउट हुये। मैथ्यू कुनमन ने 55वें ओवर में जेफ्रा वैंडरसे (53) को आउट कर श्रीलंका की दूसरी पारी का अंत किया। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को दूसरी पारी में 54.3 ओवर में 247 पर समेट कर पारी और 242 रनों से जीत दर्ज की।ऑस्ट्रेलिया की ओर से नेथन लायन और मैथ्यू कुनमन ने चार-चार विकेट लिये। मिचेल स्टार्क और टॉड मर्फी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट

पर 654 रन बनाने के बाद पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका को पहली पारी में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने 165 रन पर ढ़ेर कर दिया था।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने इंग्लैंड को पारी और 122 रनों से हराया

एजेंसी

मेलबर्न। अलाना किंग कुल (नौ विकेट), ऐनाबेल सदरलैंड (163) और बेथ मूनी (106) रन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने एकमात्र टेस्ट मैच के तीसरे दिन आज इंग्लैंड को पारी और 122 रनों से हरा दिया। टेस्ट मैच के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने कल के पांच विकेट पर 422 रनों से आगे खेलना शुरू किया। सोफी एकल्सटन ने तालिया मैक्ग्रा (12) को आउट कर इंग्लैंड को छठी सफलता दिलाई। इसके बाद किम गार्थ (शून्य), अलाना किंग (तीन) रन बनाकर आउट हुई। लॉरेन फाइलर ने बेथ मूनी को बोल्ड आउट कर ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका दिया। बेथ मूनी ने सात चौकों की मदद से (106) रनों की पारी खेली। सोफी एकल्सटन ने एलिस पेरी (दो) को आउटकर 440 के स्कोर पर

ऑस्ट्रेलियाई पारी का अंत कर दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड की पारी के आधार पर 270 रनों बढ़त मिल गई।

इंग्लैंड की ओर से सोफी एकल्सटन ने पांच विकेट लिये। लॉरेन बेल और लॉरेन फाइलर को दो-दो विकेट मिले। रायना मैकडॉनल्ड-गे ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और उसने मैया बाउचियर (एक) के रूप में अपना पहला विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान हीथर नाइट ने टैमी बोमॉन्ट के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। एश्ली गार्डनर ने हीथर नाइट (32) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। नेट सायबर ब्रंट (18) रन बनाकर आउट हुई। उन्हें अलाना किंग ने पगबाधा आउट किया। सोफिया डंकली (चार), डेनिएल वायट (दो) और एमी जोंस (छह) रन बनाकर आउट हुई।

टैमी बोमॉन्ट (47) रन बनाकर आउट हुई उन्हें अलाना किंग ने बोल्ड आउट किया। रायना मैकडॉनल्ड-गे (एक), सोफी एकल्सटन (18) रन बनाकर आउट हुई। 69वें ओवर में अलाना किंग ने लॉरेन फाइलर (14) को आउट कर इंग्लैंड की दूसरी पारी का 148 के स्कोर पर अंत कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए 163 रनों की पारी खेलने वाली ऐनाबेल सदरलैंड को 'प्लेयर ऑफ द मैच' से तथा अलाना किंग को गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से अलाना कंग ने पांच विकेट लिये। एश्ली गार्डनर को चार विकेट मिले। डार्सी ब्राउन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

बच्चा किसका खो गया?

मनीषा रानी को देख रजत दलाल ने किया ऐसा कमेंट

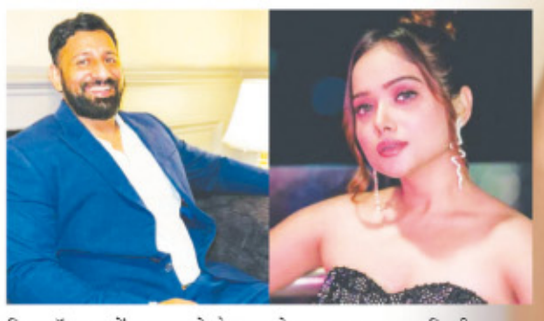

बिग बॉस 18 में नजर आने के बाद से रजत दलाल अब किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं. उन्हें अब घर-घर में पहचाना जाता है. हालांकि वो सलमान खान के इस शो को जीत नहीं पाए और उन्हें इस बात की काफी नाराजगी भी है. रजत दलाल शो खत्म होने के बाद से ही अपने दिए गए बयानों को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं. रजत शो के कंटेस्टेंट्स पर बिग बॉस 18 खत्म होने के बाद भी अपनी भड़ास निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं. इसी बीच उन्होंने मनीषा रानी को देख ऐसा कमेंट किया, जो हर तरफ चर्चा का हिस्सा बना हुआ है.

दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है. ये वीडियो किसी इवेंट के दौरान का है, जहां सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नजर आ रहे हैं. इसी बीच बिहार की मशहूर मनीषा रानी को भी देखा गया. झलक दिखला जा विनर और बिग बॉस ओटीटी की एक्स कंटेस्टेंट रह चुकी मनीषा रानी ने जैसे ही रजत दलाल को देखा वो उनकी ओर चली गई. मनीषा ने रजत के पास जाकर उन्हें गले लगाया. लेकिन रजत ने उन्हें देखते ही कहा कि मझे लगा ये बच्चा किसका खो गया?

मनीषा रानी की हरकत ने जीता फैन्स का दिल

मनीषा रानी रजत की इस बात सुनकर हंस देती हैं. लेकिन रजत के बर्ताव को देखकर ऐसा नजर नहीं आता कि वो उन्हें देखकर कुछ खास खुश हैं. या यूं कहें कि रजत दलाल ऐसे ही हैं. हालांकि मनीषा की हर कोई तारीफ करता हुआ नजर आ रहा है. लोगों का कहना है कि उनका ये जेस्चर काफी स्वीट है. वहीं एक यूजर ने लिखा कि मनीषा को इग्नोर करना चाहिए था इसे. दरअसल यूजर्स के ऐसा कमेंट करने के पीछे की वजह भी साफ है.

एल्विश और मनीषा रानी की दोस्ती में दरार

बिग बॉस ओटीटी के दौरान मनीषा रानी वाले सीजन नें वाइल्ड कार्ड एंट्री बनकर एल्विश यादव पहुंचे थे. एल्विश की जीत पर जहां तमामा फैन्स खुश थे वहीं मनीषा के चाहने वालों का दिल टूट गया था. लेकिन शो के दौरान एल्विश और मनीषा के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिली थी. लेकिन शो खत्म होने के बाद एल्विश ने मनीषा को लेकर कई कमेंट किए जो उन्हें पसंद नहीं आए. मनीषा ने भी अपना पक्ष रखा था, लेकिन अब दोनों की दोस्ती में पूरी तरह से दरार आ चुकी है. वहीं दूसरी तरफ रजत और एल्विश भी अच्छे दोस्त हैं.

बस स्टॉप पर हुई पहली मुलाकात, फिर रचा ली शादी, किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है जैकी श्रॉफ और आयशा की प्रेम कहानी

बॉलीवुड में कई सारे कमाल के एक्टर हैं, जिनमें से कुछ ऐसे हैं, जो कि अपनी अलग पर्सनालिटी की वजह से लोगों के बीच खास पहचान बना चुके हैं. इनमें से एक नाम जैकी श्रॉफ का भी आता है. जैकी बाकी एक्टर्स से काफी अलग हैं, चाहें वो बोलचाल में हो या फिर पहनावे में. लेकिन अपने इसी अलग अंदाज की वजह से जैकी ने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है. एक्टर ने साल 1982 में फिल्म स्वामी दादा से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी. वो अभी भी फिल्मी दुनिया में काफी एक्टिव हैं. फिल्मों की बात हटाई जाए, तो उनकी पर्सनल लाइफ भी काफी इंटरेस्टिंग रही है.

जैकी श्रॉफ का बचपन काफी गरीबी में गुजरा है, उनका जन्म 1 फरवरी 1957 में हुआ था. फिल्मी करियर की बात की जाए, तो उन्होंने फिल्मों में आने का कभी नहीं सोचा था, लेकिन एक दिन उन्हें खुद से ही मॉडलिंग करने का ऑफर आया. उस वक्त एक्टर को नौकरी की तलाश थी, इसलिए उन्होंने इसके लिए हामी भर दी. इस तरह से उनकी एंट्री फिल्मों में भी हो गई. अगर एक्टर की पर्सनल लाइफ की बात की जाए, तो उसकी भी कहानी किसी फेयरी टेल लव स्टोरी से कम नहीं है. देखा, पहली नजर में प्यार हुआ फिर इजहार हुआ और बाद में शादी हो गई, हालांकि ये सब कुछ सुनने में जितना आसान लग रहा है उतना था नहीं.

हो गया था पहली नजर वाला प्यार

दरअसल, जैकी और उनकी पत्नी आयशा की मुलाकात काफी कम उम्र में हुई थी. बात तब शुरू हुई जब एक्टर ने आयशा को बस स्टैंड पर पहली बार देखा था, उसी वक्त जैकी को उनसे पहली नजर वाला प्यार हो गया था. जैकी शुरू से ही अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं. उस वक्त भी वो आएशा को देखते ही उनसे बात करने चले गए और उन्हें अपने बारे में बताया. हालांकि, उस वक्त दोनों में खास बात नहीं हुई. जिस वक्त दोनों की मुलाकात हुई थी उस वक्त आएशा महज 13 साल की थीं. इसके बाद से दोनों किसी न किसी बहाने टकराते रहे और इसी बीच उनकी कहानी की भी शुरुआत हो गई.

रिश्ते के बीच में आई कई मुश्किलें

दोनों का रिश्ता काफी अच्छा चल रहा था लेकिन सबसे बड़ी परेशानी ये थी कि जहां जैकी श्रॉफ चॉल से आते थे, तो वहीं आएशा काफी बड़े परिवार से ताल्लुक रखती थीं. लेकिन उन्होंने अपनी मां के खिलाफ जाकर जैकी श्रॉफ से शादी की. हालांकि, केवल आयशा की मां ही नहीं बल्कि इस रिश्ते में एक बड़ी मुश्किल एक्टर की एक पुरानी गर्लफ्रेंड भी थी, जो कि उस वक्त पढ़ाई के लिए अमेरिका गई हुई थी.

पापा रणबीर की गोदी में थीं बेबी राहा, सामने आ गईं मम्मा आलिया, दिया ऐसा रिएक्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और एक्टर रणबीर कपूर की बेटी राहा की प्यारी सी तस्वीरें देखना फैन्स के बहुत पसंद है. दोनों के साथ अक्सर राहा को खेलते देखा जाता है. फैन्स राहा की एक झलक देखने के लिए काफी बेकरार रहते हैं. बेबी राहा भी पैप्स के कैमरे को देखकर अक्सर मुस्कुराती हैं. हाल ही में बेबी राहा पापा रणबीर कपूर और मम्मी आलिया के साथ पैप्स के कैमरे में कैद हुईं. अब ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रहीं हैं.पैप्स ने आलिया और रणबीर के साथ राहा को मुंबई के एक प्राइवेट एयरपोर्ट पर स्पॉट किया. पिंकविला की खींची गईं इन तस्वीरों में राहा को देखा जा सकता है. वो पहले तो गाड़ी से निकलते वक्त आलिया को मम्मा कहकर बुलातीं हैं. वहीं दूसरे वीडियो में राहा को रणबीर की गोद में देखा जा सकता है.

मम्मा को ढूंढ़ती दिखीं राहा

रणबीर की गोद में राहा मम्मा को ढूंढ़ती दिखाई दीं. वो मम्मा

आलिया को ढूंढ़ती हैं और जब आलिया सामने आती हैं, तो वो बहुत प्यार से मुस्कुराती हैं. वो आलिया की तरफ हाथ बढ़ाकर उनका हाथ पकड़ने की कोशिश करती हैं. राहा ने एक क्यूट सा हुडी पहना था वहीं रणबीर ने डेनिम जैकिट के साथ हुडी पहनी थी. आलिया भी काफी चिल लुक में नजर आईं. उन्होंने ब्लैक पैंट्स के साथ एक पीच स्वेटशर्ट पेयर की थी. रणबीर और आलिया दोनों ने सनग्लासिस पहने थे.

आलिया-रणबीर वर्कफ्रंट

आलिया और रणबीर इस वक्त मैग्नम ओपस फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग कर रहे हैं. दोनों के साथ इस फिल्म में विकी कौशल भी हैं. इसके अलावा वाईआरएफ के साथ आलिया की अल्फा भी पाइपलाइन में हैं. वहीं रणबीर के पास रामायण, धूम 4, एनिमल पार्क जैसा शानदार लाइनअप है.

रवीना टंडन के पति को फराह खान ने दिया स्पेशल नाम, सुनाया प्लेन से जुड़ा मजेदार किस्सा

बॉलीवुड की फेमस कोरियोग्राफर और डायरेक्टर फराह खान किसी भी बात को कहने में बिल्कुल संकोच नहीं करतीं. उनका ऐसा ही अंदाज उन्हें दूसरों से अलग बनाता है. वो कई रियलिटी शोज में बतौर जज नजर आ चुकी हैं. इस दौरान उन्होंने अपने पुराने किस्से भी फैन्स के साथ शेयर किए. उनमें से एक किस्सा रवीना टंडन के पति अनिल थडानी से जुड़ा हुआ है.2017 में 'एंटरटेनमेंट की रात' नाम का एक शो आता था जिसमें सेलिब्रिटी बतौर गेस्ट नजर आते थे. एक एपिसोड में रवीना टंडन और फराह खान दोनों आए थे. उस एपिसोड में फराह ने रवीना टंडन के हसबैंड से जुड़ा एक किस्सा सुनाया था.

फराह खान की है रवीना टंडन के पति से दोस्ती

शो के दौरान फराह खान ने कहा, 'रवीना के जो पति हैं अनिल थडानी जी, थंडूमल जिसे मैं कहती हूं, वो पहले मेरे स्लीपिंग पार्टनर थे.' फराह की ये बात सुनकर सभी हंसने लगते हैं इसपर फराह ने कहा, 'गंदे दिमाग हैं तुम लोगों के बिल्कुल गंदे...अनिल और मैं बहुत पुराने दोस्त हैं. तब एयर इंडिया की एक स्कीम चली थी कि अगर कपल फर्स्ट क्लास टिकट लेगा तो एक टिकट पर एक टिकट फ्री मिलेगा. तो हम दोनों फिर कपल के तौर पर एक टिकट खरीदते थे और प्लेन के फ्लैट बेड पर हम दोनों साइड बाय साइड सो जाया करते थे, इसलिए हमें स्लीपिंग पार्टनर कहा जाता था. क्योंकि हम लोग सच में सो जाया करते थे.'

20 साल से साथ हैं रवीना और अनिल थडानी

22 फरवरी 2004 को रवीना टंडन ने फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी के साथ शादी की थी. अनिल थडानी के साथ रवीना टंडन के दो बच्चे राशा और रणबीर थडानी हैं. राशा ने इसी साल फिल्म आजाद से बॉलीवुड डेब्यू किया है. अनिल थडानी, स्रद्धयद्धह्य नाम की फिल्म डिस्ट्रीब्यूटिंग कंपनी के मालिक हैं जो नॉर्थ इंडिया, दिल्ली, यूपी और बिहार में फिल्मों को डिस्ट्रीब्यूट करने का काम करती है.अगर रवीना टंडन की बात करें तो वो 90के दौर की बड़ी हीरोइन रही हैं जिन्होंने 1991 में आई फिल्म 'पत्थर के फूल' से डेब्यू किया था. रवीना टंडन ने 'लाडला', 'एक ही रास्ता', 'अनाड़ी नंबर 1', 'सलाखें', 'गैर', 'मोहरा', 'जिद्दी', 'तकदीरवाला', 'दिलवाले', 'आतिश', 'अंदाज अपना अपना', 'दुल्हे राजा', 'विनाशक', 'आंटी नंबर 1', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'बुलंदी', 'केजीएफ 2' जैसी फिल्मों में काम किया है.